राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 101 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,16 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

मनमोहन सिंह की हालत स्थिर, सेहत में सुधार

नई दिल्ली। एम्स में भर्ती पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की हालत स्थिर है और सेहत में सुधार हो रहा है। एम्स के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एम्स के एक अधिकारी ने बताया, पूर्व प्रधानमंत्री की हालत स्थिर है और सेहत में सुधार हो रहा है। गत बुधवार को 89 वर्षीय सिंह को एम्स के कार्डियो-न्यूरो केंद्र के निजी वार्ड में भर्ती कराया गया था और वह डॉक्टर नीतीश नाइक के नेतृत्व में ह्रदय रोग विशेषज्ञों की टीम की देख-रेख में हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने आधा राज्य मोदी सरकार को समर्पित कर दिया : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र सरकार द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र बढ़ाने के मुद्दे पर शुक्रवार को पंजाब सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आधे से अधिक राज्य को मोदी सरकार को समर्पित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने बुधवार को बीएसएफ की ताकत में इजाफा करते हुए पंजाब में उसके अधिकार क्षेत्र का विस्तार अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर तक के दायरे में कर दिया। पंजाब में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने है।

आर्यन खान ने वीडियो कॉल के जरिए अपने माता-पिता से बात की

मुंबई। एक क्रूज जहाज से मादक पदार्थों की कथित जब्ती के मामले में मध्य मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने जेल के अंदर से एक वीडियो कॉल के जरिए अपने माता-पिता से बात की है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्यन को उसके पिता द्वारा भेजे गए मनी-आर्डर के माध्यम से 4,500 रुपए भी मिले।

सिद्धू ने राहुल गांधी से मुलाकात की

नई दिल्ली। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे चुके नवजोत सिंह सिद्धू ने शुक्रवार को पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की।इससे एक दिन ही पहले ही, उन्होंने कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा पंजाब प्रभारी हरीश रावत से मुलाकात की थी तथा उन मुद्दों से वरिष्ठ नेताओं को अवगत कराया, जिनको लेकर उन्होंने पिछले दिनों पद छोड़ा था। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी से मुलाकात के बाद सिद्धू के इस्तीफे से जुड़ा गतिरोध खत्म हो सकता है और सिद्धू अपने पद पर बने रह सकते हैं। इस्तीफे की घोषणा के बाद सिद्धू ने पहली बार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की है।

रक्षा क्षेत्र में अब पहले से कहीं अधिक पारदर्शिता

नई दिल्ली,एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि रक्षा क्षेत्र में पहले की तुलना में अब कहीं अधिक पारदर्शिता, विश्वास और प्रौद्योगिकी-चालित रुख है तथा आजादी के बाद पहली बार बड़े सुधार हो रहे हैं। मोदी ने, विजयदशमी के अवसर पर सात नई रक्षा कम्पनियां राष्ट्र को समर्पित करने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए आत्मनिर्भर भारत अभियान का जिक्र किया और कहा कि देश को खुद के बूते विश्व की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति बनाने का लक्ष्य है। सुधार की एक बड़ी पहल के तहत सात सरकारी रक्षा कंपनियों का सृजन 200 साल से अधिक पुराने आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड (ओएफबी) को भंग करने के बाद किया गया था।

सात रक्षा कंपनियों का सृजन 200 साल से अधिक पुराने ओएफबी को भंग कर किया

सुधार की एक बड़ी पहल के तहत सात सरकारी रक्षा कंपनियों का सृजन 200 साल से अधिक पुराने आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड (ओएफबी) को भंग करने के बाद किया गया था। मोदी ने उल्लेख किया कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि ये कंपनियां न सिर्फ अपने उत्पादों में विशेषज्ञता हासिल करे, बल्कि वैश्विक ब्रांड भी बने। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी लागत भारत की मजबूती है।

पीएमओ के अनुसार, निगमित की गईं ये हैं सात कंपनियां

पीएमओ के अनुसार, निगमित की गईं सात कम्पनियां– म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (अवनी), एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूई इंडिया), ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल), यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल), इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) और ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल) हैं।

किसी देश ब्रांड वैल्यू उसके नवोन्मेष से होती है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 21 वीं सदी में किसी देश या किसी कंपनी की संवृद्धि और ब्रांड वैल्यू उसके अनुसंधान और नवोन्मेष द्वारा निर्धारित होती है। सॉफ्टवेयर से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक, भारत की संवृद्धि, भारत की नई पहचान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। प्रधानमंत्री मोदी इसलिए मैं इन सभी सात कंपनियों से एक विशेष अनुरोध करता हूं कि अनुसंधान और नवोन्मेष को आपकी कार्य संस्कृति का हिस्सा होना चाहिए...आपको न सिर्फ दुनिया की बड़ी कंपनियों के समान बनना है बल्कि भविष्य में प्रौद्योगिकी का नेतृत्व भी करना है।

प्रधानमंत्री ने अनुसंधान करने वाले युवाओं को अधिकतम अवसर देने और उन्हें सोचने की पूरी स्वतंत्रता देने पर भी जोर दिया।

निहंगों ने कबूल की थी मर्डर की बात

सिंघु बॉर्डर पर युवक की हत्या के मामले में आरोपी सरबजीत ने किया सरेंडर

नई दिल्ली,एजेंसी। सिंघु बॉर्डर पर एक युवक की हत्या के मामले में आरोपी सरबजीत सिंह ने हरियाणा पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है. आरोपी अब पुलिस की हिरासत में है. आंदोलन पर बैठे किसानों के मंच के पास आज सुबह एक युवक का शव मिला था. युवक की बड़ी ही बेरहमी से हत्या करने के बाद शव का एक हाथ काटकर बैरिकेड से लटका दिया गया था. इतना ही नहीं युवक के शव को 100 मीटर तक घसीटा भी गया था. उसके शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान भी पाए गए थे. खबर के मुताबिक युवक की हत्या निहंगों ने की है. निहंगो ने ही युवक की हत्या कर उसका शव वहां लटकाया था. इस घटना के कई वीडियो वायरल सामने आए हैं. वायरल वीडियो में से एक वीडियो में निहंगों ने व्यक्ति की हत्या की बात भी कबूली है. एक न्यूज वेबसाइट के अनुसार वायरल दूसरी वीडियो में निहंग ये कहते दिखे कि युवक रात को निहंगों के तंबू में आया था. जहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश किया गया था. युवक गुरु ग्रंथ साहिब को उठाकर भागने लगा तो सेवादारों ने उसे पकड़ लिया.

निहंगों ने किया युवक की हत्या का दावा- युवक निहंग के बाने में था. जब उसके कपड़े उतरवाए गए तो उसके सिर पर केश नहीं थे और उसने कछहरा पहना हुआ था. निहंगों ने उससे पूछताछ की. जब वो कुछ भी बताने को तैयार नहीं हुआ तो पहले उसकी बाजू और फिर टांग काट दी गई. इसके बाद उसकी मौत हो गई. वहीं संयुक्त किसान मोर्चा ने इस घटना से खुद को अलग कर लिया है. किसान संगठन का कहना है कि वह इस मामले में पूरी तरह से पुलिस का सहयोग करेगा.

संयुक्त किसान मोर्चा ने की निर्मम हत्या की निंदा-एसकेएम ने एक बयान जारी कर कहा कि एक निहंग समूह ने हत्या की जिम्मेदारी ली है. दावा किया गया है कि मृतक ने गुरु ग्रंथ साहिब से बेअदबी करने की कोशिश की थी. इसी वजह से उसकी हत्या कर दी गई. संयुक्त किसान मोर्चा ने इस निर्मम हत्या की निंदा की है. इसके साथ ही उन्होंने साफ किया कि किसान संगठन का दोनों पक्षों - निहंग समूह और मृतक से कोई लेनादेना नहीं है.

गृह मंत्री अमित शाह ने सेल्युलर जेल का किया दौरा, सावरकर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अंडमान निकोबार द्वीप समूह के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को दोपहर करीब तीन बज कर पैंतालिस मिनट पर यहां पहुंचे. उप राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी और सांसद कुलदीप राय शर्मा ने स्थानीय प्रशासन के साथ अमित शाह की विनायक दामोदर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अगवानी की. अधिकारी ने बताया कि अमित शाह ने यहां पहुंचने के तुरंत बाद नेशनल मेमोरियल सेल्युलर जेल का दौरा किया और शहीद स्तंभ पर पुष्पचक्र अर्पित किया. वह विनायक दामोदर सावरकर की कोठरी में भी गये और स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि अर्पित की.

इस दौरान अमित शाह ने कहा कि सावरकर ने सेल्युलर जेल को 'तीर्थस्थान' (मंदिर) में बदल दिया

है. सावरकर ने यह संदेश भी दिया कि आप जितनी चाहें उतनी यातनाएं झेल सकते हैं, लेकिन उनके अधिकारों को अवरुद्ध नहीं कर सकते. केंद्र सरकार के 'आजादी का अमृत मोहत्सव' कार्यक्रम के तहत गृह मंत्री ने सेल्युलर जेल में स्वतंत्रता सैनानियों को याद किया.

अधिकारी ने बताया कि अमित शाह के रविवार को अंडमान निकोबार पुलिस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शरीक होने की उम्मीद है. अमित शाह केंद्र शासित क्षेत्र में हवाई सर्वे करेंगे और शहीद द्वीप इको-पर्यटन परियोजना और स्वराज द्वीप वाटर एयरोड्रॅम समेत विभिन्न विकासात्मक पहलों का जायजा लेंगे. वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप भी जाएंगे.

पहली बार NSG सुरक्षा के साथ जाएंगे गृहमंत्री- आमतौर पर गृहमंत्री को एडवांस सिक्योरिटी लिए जोन के साथ श्रेणी की सबसे अच्छी, Z+ सिक्योरिटी मिलती है. Z+ सिक्योरिटी में करीब दो दर्जन सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं, जो उच्च पद पर बैठे व्यक्ति को नियमित सुरक्षा के अलावा भी कवर देते हैं. व्यक्ति को एक बुलेट प्रूफ कार मिलती है और एक वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा को संभालता है. वहीं, एडवांस सिक्योरिटी लिए जोन एक अतिरिक्त सुरक्षा प्रक्रिया है, जिसके तहत टीम गणमान्य व्यक्ति के दौरे से 48 घंटे पहले ही मौके पर पहुंच जाती है और सुरक्षा के इंतजाम करती है.

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, 'एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है कि गृहमंत्री को ज्यादा सुरक्षा दी जाएगी. यह पहली बार होगा, जब उन्हें यात्रा के दौरान इतना कवर मिल रहा है.'वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित कल गोवा के दौरे पर हैं. गोवा की अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी. इसके बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा है कि देश की सीमाओं पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.गोवा में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ये भी कहा, 'पूरा देश मनोहर पर्रिकर को दो चीजों के लिए हमेशा याद करेगा.

पंजाब में कांग्रेस के कैप्टन बने रहेंगे सिद्धू, राहुल से मुलाकात के बाद वापस लिया इस्तीफा

नई दिल्ली,एजेंसी। नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब में कांग्रेस के कैप्टन बने रहेंगे। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद सिद्धू ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के विरोध के बावजूद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए सिद्धू ने नए मुख्यमंत्री चन्नी से नाराजगी के बाद इस्तीफा दे दिया था। वह अहम पदों पर नियुक्तियों में दखल स्वीकार नहीं किए जाने की वजह से नाराज थे। पंजाब के कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत ने इसका ऐलान करते हुए कहा, उन्होंने (सिद्धू) राहुल गांधी को अपनी चिंताएं बताईं। हमने उन्हें बताया है कि उनकी चिंताओं का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने राहुल गांधी को भरोसा दिया कि उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है और प्रदेश कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष के रूप में अपना काम करते रहेंगे। राहुल से मुलाकात के बाद उनके आवास के बाहर सिद्धू ने पत्रकारों से कहा, जो भी चिंताएं थीं मैंने राहुल गांधी से साझा किए हैं, सबकुछ सुलझा लिया गया है। हालांकि, अभी यह जानकारी नहीं मिली है कि पार्टी ने राहुल से क्या-क्या वादे किए हैं।

इससे एक दिन ही पहले ही, उन्होंने कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल और पंजाब प्रभारी हरीश रावत से मुलाकात की थी और उन मुद्दों से वरिष्ठ नेताओं को अवगत कराया, जिनको लेकर उन्होंने पिछले दिनों पद छोड़ा था। इस्तीफे की घोषणा के बाद सिद्धू ने पहली बार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की है। सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार को 24 अकबर रोड (कांग्रेस मुख्यालय) पर करीब सवा घंटे तक चली बैठक में पंजाब सरकार और संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी तथा सहमति बनाने का प्रयास हुआ था, ताकि चुनाव से पहले पूरी पार्टी एकजुट होकर मैदान में उतर सके।

बैठक के बाद सिद्धू ने कहा था, मैंने पंजाब और पंजाबियों से जुड़ी चिंताओं से पार्टी आलाकमान को अवगत कराया है। मुझे कांग्रेस अध्यक्ष, राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी में पूरा विश्वास है। वो जो भी फैसला करेंगे, वो कांग्रेस और पंजाब के हित में होगा। मैं उनके निर्देशों का पालन करूंगा। गौरतलब है कि सिद्धू ने 28 सितंबर को कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

मोहन भागवत ने देश की तेजी से बढ़ती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त की

नागपुर, एजेंसी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने देश की तेजी से बढ़ती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त की और संसाधनों की उपलब्धता के साथ आगामी 50 साल को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की समीक्षा करने और उसका पुनः सूत्रीकरण करने का शुक्रवार को आह्वान किया। उन्होंने सीमा पार से अवैध घुसपैठ पर लगाम लगाने और घुसपैठियों को नागरिकता का अधिकार हासिल करने एवं देश में जमीन खरीदने से रोकने के लिए राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) तैयार करने का भी आह्वान किया। भागवत ने विजयादशमी पर यहां रेशमबाग में अपने वार्षिक संबोधन के दौरान आरएसएस कार्यकर्ताओं से कहा कि भारतीय मूल के धर्मों के लोगों की जनसंख्या की भागीदारी पहले 88 प्रतिशत थी, जो अब कम होकर 83.8 प्रतिशत हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी अतीत में 9.8 प्रतिशत थी, जो 1951 से 2011 के बीच बढ़कर 14.23 प्रतिशत हो गई। उन्होंने कहा, हमारा युवाओं का देश है, जिसमें 56 से 57 प्रतिशत आबादी युवा है, जो 30 साल बाद बुजुर्ग हो जाएगी और उसकी देखभाल के लिए ढेर सारे लोगों

की जरूरत होगी। उनकी देखभाल के लिए कितने लोगों की आवश्यकता होगी? इन सभी पहलुओं पर विचार किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, क्या हमारा पर्यावरण इस आबादी को बनाए रखने में सक्षम होगा और क्या हमारी माताएं सक्षम एवं सशक्त हैं, इस पर विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, आगामी 50 वर्षों को दिमाग में रखकर जनसंख्या संबंधी एक नीति बनाई जानी चाहिए और यह सभी पर एक समान रूप से लागू होनी चाहिए, क्योंकि जनसंख्या समस्या बन सकती है और उसमें असंतुलन भी समस्या बन सकता है।

भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शीर्ष नीति निर्माण संस्था अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल (एबीकेएम) द्वारा 2015 में रांची में पारित प्रस्ताव जनसंख्या वृद्धि दर में असंतुलन की चुनौती में कहा गया था कि पिछले दशक में जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों के पर्याप्त परिणाम मिले हैं। भागवत ने कहा कि विभिन्न धार्मिक समूहों की वृद्धि दर में बड़े अंतर, घुसपैठ और धर्म परिवर्तन के कारण खासकर सीमावर्ती इलाकों में जनसंख्या अनुपात में धार्मिक असंतुलन पैदा हुआ है, जिससे देश की अखंडता और सांस्कृतिक पहचान के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

मनसुख मांडविया के एम्स दौरे पर बवाल, रणदीप सुरजेवाला ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को देखने की घटना को बताया 'पीआर स्टंट'

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के गुरुवार को एम्स पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को देखने की घटना को पीआर स्टंट करार दिया. उन्होंने कहा कि बीमार मनमोहन सिंह की तस्वीरें सार्वजनिक करना पूर्व प्रधानमंत्री की प्राइवेसी और स्थापित परंपरा के खिलाफ है. रणदीप सुरजेवाला ने स्वास्थ्य मंत्री से माफी की मांग की है.

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, 'भाजपाइयों के लिए हर चीज़ 'फ़ोटो ऑप' है. शर्म आनी चाहिए देश के स्वास्थ्य मंत्री को, जिन्होंने एम्स में भर्ती पिता तुल्य पूर्व प्रधानमंत्री से मुलाक़ात को पी.आर स्टंट बनाया. यह हर नैतिक मूल्य का उलंघन है, पूर्व प्रधानमंत्री की निजता का हनन है, स्थापित परम्पराओं का अपमान है. माफ़ी मांगें.' उधर, पूर्व प्रधानमंत्री की पुत्री दमन सिंह ने समाचार पोर्टल से बातचीत में आरोप लगाया कि

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ एक फोटोग्राफर के भी उस वार्ड में घुस जाने से परेशान थीं, जिसमें मनमोहन सिंह भर्ती हैं.

मनमोहन सिंह की बेटी ने भी नाराजगी जताई- दमन सिंह ने कहा, 'मेरी मां बहुत परेशान थीं. मेरे माता-पिता एक मुश्किल हालात से उबरने की कोशिश कर रहे हैं. वे बुजुर्ग हैं. वो कोई चिड़ियाघर में मौजूद जानवर नहीं हैं.' मांडविया ने गुरुवार को सिंह से मुलाकात कर उनकी सेहत का हाल जाना था. उन्होंने ट्वीट कर कहा था, 'आज पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह जी से एम्स में मुलाक़ात की व उनके स्वास्थ्य के विषय में जानकारी ली. मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं.'

गत बुधवार को 89 वर्षीय सिंह को एम्स के कार्डियो-न्यूरो केंद्र के निजी वार्ड में भर्ती कराया गया था और वह डॉक्टर नीतीश नाइक के नेतृत्व में ह्रदय रोग विशेषज्ञों की टीम की देख-रेख में हैं. सिंह को सोमवार को बुखार आ गया था और वह उससे उबर भी गए थे लेकिन उन्हें कमजोरी महसूस होने लगी थी और वह केवल तरल चीजों का सेवन कर पा रहे थे. वहीं एम्स सूत्रों के मुताबिक पूर्व प्रधान मंत्री डॉ मनमोहन सिंह की सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है. डॉक्टरों के मुताबिक उनकी सेहत अब स्थिर है और बुखार अब नहीं के बराबर है. वह पहले से ज्यादा रिस्पांस कर रहे हैं और यह उनकी सेहत में सुधार का संकेत है. डॉक्टरों के मुताबिक घबराने की बात नहीं है और किसी बड़े खतरे की कोई आहट नहीं है.

पुलवामा में सुरक्षाबल और आतंकियों के बीच मुठभेड़, नागरिक की हत्या में शामिल एक आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है. इसी कड़ी में पुलवामा में एक बार फिर मुठभेड़ शुरू हो गई है. इस बार ये मुठभेड़ वहीबुग इलाके में हो रही है. इसमें सुरक्षाबलों ने आतंकियों को ढेर कर दिया है. बताया जा रहा है कि ये आतंकी एक आम नागरिक की हत्या में शामिल था.

कश्मीर के आईजीपी के मुताबिक मारे गए आतंकी की पहचान शाहिद बसीर शेख के रूप में हुई है. 2 अक्टूबर को एक नागरिक की हत्या में इस आतंकी के शामिल होने की खबर है. इस दौरान एके 47 का इस्तेमाल किया गया था. आतंकी के पास से मैग/अमन के साथ एक एके राइफल बरामद की गई है.

पुंछ में अभी भी जारी मुठभेड़- वहीं दूसरी ओर जम्मू कश्मीर के पुंछ में आतंकियों के साथ पिछले कई दिनों से मुठभेड़ जारी है. बीते पांच दिनों में अब तक सेना के सात जवान शहीद हो चुके हैं. इनमें एक छुष्टह भी शामिल है. ताजा जानकारी के मुताबिक एनकाउंटर अभी भी जारी है. सेना के मुताबिक गुरुवार से जारी मुठभेड़ में दो राइफलमैन शहीद हो गए हैं. हाल ही में इसी इलाके में हुए एनकाउंट में जेसीओ समेत पांच जवान शहीद हो गए थे. पुंछ जिले में मेंढर के नर खास जंगलों में 12 अक्टूबर से आतंकियों के साथ मुठभेड़ जारी है. घाटी में काफी समय से आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन चल रहा है. गुरुवार से सुरक्षाबलों और आतंकियों के भारी गोलीबारी जारी है. ताजा मुठभेड़ में राइफलमैन विक्रम सिंह और राइफलमैन योगंबर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे.

छत्तीसगढ़ में कार से कुचलकर चार लोगों की मौत, लखीमपुर के तर्ज पर 50 लाख की मांग पर अड़े प्रदर्शनकारी

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले के पत्थलगांव में शुक्रवार को मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के लिए निकाले गए जुलूस में तेज रफ्तार वाहन (महिंद्रा क्वांटो) घुस गया। इसकी चपेट में आने से पत्थलगांव निवासी गौरव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोगों ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हालांकि, प्रशासन ने केवल एक व्यक्ति की मौत की ही पुष्टि की है। हादसे में दर्जनभर से अधिक लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुःख व्यक्त करते हुए मामले के जांच के निर्देश दिए हैं। हादसे के बाद प्रदर्शन हुआ। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी हादसे में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा घोषित 50-50 लाख रुपये मुआवजे के तर्ज पर मरने वालों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शुक्रवार दोपहर मां दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन के लिए जुलूस निकाला गया था। इस दौरान ओडिशा की ओर से आ रहा तेज रफ्तार वाहन जुलूस के बीच घुस गया और लोगों को रौंदते हुए आगे निकल गया। इसके बाद वाहन सड़क से उतरकर खेत में चला गया। यह देख लोगों ने वाहन में सवार बबलू विश्वकर्मा, निवासी ग्राम बैढ़ना, जिला सिंगरौली (मप्र) और शिशुपाल साहू, निवासी ग्राम बरगवां, जिला सिंगरौली (मप्र) को पकड़कर पिटाई शुरू कर दी।

वाहन को आग लगा दी। वाहन में बड़ी मात्रा में गांजा रखा था। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। इस बीच घटना से गुस्साए लोगों ने थाने पर पहुंचकर हंगामा किया और कटनी-गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया। उधर, कलेक्टर रितेश अग्रवाल ने हादसे के बाद लोगों के गुस्से को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करवा दिया। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने लापरवाही बरतने के आरोप में थानाप्रभारी संतलाल अयाम को लाइन हाजिर और एएसआइ केके साहू को निलंबित कर दिया। हादसे के बाद चक्काजाम कर प्रदर्शन कर रही उग्र भीड़ को समझाने के लिए पहुंचे कलेक्टर रितेश अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने मरने वालों के स्वजन को शासन के नियम के अनुसार मुआवजा देने का भरोसा दिया, लेकिन वह राजी नहीं हुए। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुए हादसे में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा घोषित 50-50 लाख रुपये मुआवजे के तर्ज पर उनको भी मुआवजा देने की मांग की।

सार समाचार

अफगानिस्तान के दक्षिणी प्रांत की शिया मस्जिद में विस्फोट, 7 लोगों की मौत, कई जख्मी

काबुल। अफगानिस्तान के दक्षिणी प्रांत की एक शिया मस्जिद में जुमे (शुक्रवार) की नमाज़ के दौरान किए गए विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य जख्मी हो गए। अस्पताल के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। इससे एक हफ्ते पहले इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबद्ध स्थानीय संगठन ने उत्तरी प्रांत की एक शिया मस्जिद में बम विस्फोट किया था, जिसमें 46 लोगों की मौत हुई थी। यह कट्टरपंथी समूह तालिबान के शासन का विरोधी है और शिया समुदाय को मूर्तद (धर्मत्यागी) मानता है, जिन्हें मार दिया जाना चाहिए।

अफगानिस्तान के कंधार की मस्जिद में विस्फोट, तालिबान ने दी जानकारी

काबुल। दक्षिण अफ़गानिस्तान के एक प्रांत की एक मस्जिद में जुमे (शुक्रवार) की नमाज़ के दौरान विस्फोट हुआ है। तालिबान के प्रवक्ता बिलाल करीमी ने बताया कि कंधार प्रांत की एक मस्जिद को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया है। इससे एक हफ्ते पहले देश के उत्तरी हिस्से में इसी तरह का विस्फोट किया गया था। उन्होंने मामले की अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई और कहा कि जांच चल रही है। तत्काल यह साफ नहीं हुआ है कि विस्फोट के पीछे किसका हाथ है। जुमे की दोपहर में होने वाली नमाज़ में मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में हिस्सा लेते हैं। मस्जिद में अक्सर शिया अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य आते हैं, जिन्हें अक्सर इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह निशाना बनाता है। पिछले हफ्ते, आईएस ने उत्तरी प्रांत कुंदुज़ में एक शिया मस्जिद के अंदर हुए आत्मघाती बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 46 लोगों की मौत हुई थी।

चीन-भूटान की सीमा वार्ता पर है भारत की नजर

नई दिल्ली। भूटान और चीन ने गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसे उन्होंने भूटान-चीन सीमा वार्ता में तेजी लाने के लिए 'तीन-चरणीय रोडमैप' कहा. भूटान के अनुसार वार्ता दोनों पक्षों को नई गति प्रदान करेगा और वार्ता को एक सफल निष्कर्ष पर ला सकता है. एमओयू ऐसे समय में आया है जब पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए चीन के साथ भारत की अपनी बातचीत किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच रही है. भारत की तरह, भूटान का भी चीन के साथ एक सीमा विवाद है, दोनों ने 1984 से अब तक 24 दौर की सीमा वार्ता कर चुके हैं, आखिरी बार 2016 में जब उन्होंने ये सीमा वार्ता की थी तो उसके कुछ दिनों बाद ही 2017 में भारत का चीन से डोकलाम विवाद हुआ था. भारत भूटान और चीन के बीच सभी सीमा संबंधों का बारीकी से पालन करता है क्योंकि विवादित क्षेत्रों पर चीनी दावों का नई दिल्ली के लिए गंभीर सुरक्षा निहितार्थ है. चीन-भूटान सीमा वार्ता पर विदेश मंत्रालय ने बहुत ही सधी हुई प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत दोनों देशों की समझौता वार्ता पर नजर रखे है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची से जब पूछा गया कि क्या भूटान ने भारत को एमओयू के बारे में सूचित किया है या नहीं, तब उन्होंने कहा कि 'भूटान और चीन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर पर हमारी नजर है. आप जानते हैं कि भूटान और चीन 1984 से सीमा वार्ता कर रहे हैं. इसी तरह, भारत चीन के साथ सीमा वार्ता कर रहा है.''

श्रीलंका की जेल में कैदियों ने पी लिया सैनिटाइजर, 2 की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के कोलंबो रिमांड जेल में हिरासत में लिए गए दो ईरानी कैदियों की सैनिटाइजर पीने से मौत हो गई। समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को एक बयान में जेल के प्रवक्ता चंदना एकनायके ने कहा कि जेल में बंद 10 अन्य ईरानी कैदियों ने सैनिटाइजर पी लिया, जिसके बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एकनायके ने कहा कि कोविड -19 महामारी के मद्देनजर ईरानी दूतावास द्वारा कैदियों को सैनिटाइजर प्रदान किए गए थे। प्रवक्ता ने बताया कि हेरोइन की तस्करी के आरोप में हिरासत में लिए गए कैदियों ने बुधवार देर रात सैनिटाइजर का सेवन किया।

ऑस्ट्रेलिया की राजधानी में लॉकडाउन खत्म

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी में कोरोना वायरस लॉकडाउन दो महीने से अधिक समय के बाद शुक्रवार को समाप्त हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियन कैपिटल टेरिटरी (एसीटी) 12 अगस्त से शुरू हुए एक लॉकडाउन से उभरा और शुरुआत में केवल सात दिनों तक चलने वाला था। शुक्रवार तक, कैनबरा के निवासियों को अधिकतम 25 लोगों के समूह में इकट्ठे होने की अनुमति है और उनके घरों में पांच पर्यटक हैं। सख्त संरक्षक प्रतिबंधों के अधीन कैफे, रेस्तरां, बार, व्यक्तिगत देखभाल सेवाएं और गैर-आवश्यक खुदरा फिर से खुल गए हैं। अधिनियम ने शुक्रवार को 35 नए स्थानीय रूप से अधिग्रहित कोविड संक्रमणों की सूचना दी, जिससे प्रकोप से जुड़े मामलों की संख्या बढ़कर 1,394 हो गई। एसीटी के मुख्यमंत्री एंड्रयू बर्र ने कहा कि सरकार का ध्यान दैनिक मामलों की संख्या से हटकर अस्पताल में भर्ती होने की संख्या पर होगा। बर्र ने कहा, हमारे लिए एक संभावित चिंता यह होगी कि अगर पूरी तरह से टीकाकरण वाले लोग अस्पताल या गहन देखभाल में हैं, तो इसका मतलब है कि टीके उन मामलों के अनुपात को कम करने के लिए काम कर रहे हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती या गहन देखभाल की आवश्यकता होती है। बर्र की धीरे-धीरे फिर से खोलने की योजना के तहत 29 अक्टूबर को प्रतिबंधों में और ढील दी जाएगी।

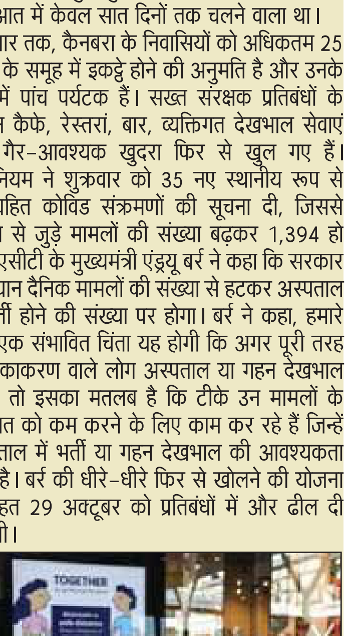

पाकिस्तान को एक और झटका, यूएनएचआरसी में भारत निर्विरोध निर्वाचित

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत को मानवाधिकार परिषद में तीन साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया. अगले साल की शुरुआत 'परिषद में विभिन्न विभाजनों या मतभेदों को दूर करने के लिए अपने बहुलवादी, उदारवादी और संतुलित दृष्टिकोण लाने' की प्रतिज्ञा के साथ की गई. भारत को चुनाव में डाले गए 193 मतों में से 184 मत मिले. चुनाव के लिए भारत के घोषणापत्र में इस बात पर जोर दिया गया था कि %संवाद, सहयोग और रचनात्मक और सहयोगात्मक जुड़ाव' द्वारा मानवाधिकारों के प्रचार और संरक्षण की सबसे अच्छी सेवा की गई. 47 सदस्यीय परिषद में तीन साल के कार्यकाल के साथ रोटेशन सदस्यता की प्रणाली के तहत इस वर्ष कुल 18 सीटों का चुनाव होना था.

एशिया समूह के देशों ने सर्वसम्मति से भारत, कजाकिस्तान, मलेशिया, कतर और संयुक्त अरब अमीरात को इस क्षेत्र की पांच सीटों के लिए समर्थन

दिया. सर्वसम्मति के बावजूद, दो बिगाड़ने वाले वोट डाले गए. फिजी और मालदीव के लिए एक-एक. अन्य क्षेत्रीय मतपत्र अफ्रीका के लिए पांच, दो समूहों, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन और पश्चिमी और अन्य देशों के लिए तीन-तीन और पूर्वी यूरोप के लिए दो थे. वे गैर-प्रतिस्पर्धी भी थे, क्योंकि विभिन्न समूहों ने केवल उतने ही देशों का समर्थन किया था जितने रिक्तियां थीं.

अमेरिका, जो इस साल राष्ट्रपति जो बाइडेन के पद ग्रहण करने के बाद परिषद में फिर से शामिल हुआ, चुनाव लड़ा और निर्वाचित हुआ, लेकिन केवल 168 वोटों के साथ, 18 देशों के वोटों की संख्या सबसे कम थी. पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2018 में अमेरिका को परिषद से वापस ले लिया था, जिसमें चीन, क्यूबा और वेनेजुएला जैसे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनकर्ताओं को सदस्य के रूप में रखने के लिए और जिसे उन्होंने 'इजरायल विरोधी' रुख कहा था, के लिए इसकी आलोचना की थी.

सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा था कि वाशिंगटन की वापसी ने परिषद पर एक शून्य पैदा कर दिया था, जिसका सत्तावादी देशों ने फायदा उठाया था और इसका निवारण करने के लिए, अमेरिका को 'हमारे राजनयिक नेतृत्व के पूर्ण भार का उपयोग करके मेज पर होना चाहिए'. इस साल के चुनाव गैर-विवादास्पद थे, क्योंकि उन तीन देशों में से कोई भी या अन्य जो विवादों को भड़काने के लिए उत्तरदायी थे मतपत्र पर थे.

न्यू साउथ वेल्स होटल क्वारंटीन को करेगा समाप्त

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई राज्य न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) एक नवंबर से राज्य में प्रवेश करने वाले लोगों के लिए कोविड होटल क्वारंटीन आवश्यकताओं को समाप्त कर देगा। प्रीमियर डोमिनिक पेरोटेट ने शुक्रवार को यह जानकारी साझा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पेरोटेट ने कहा कि लोगों को उड़ान भरने से पहले केवल कोविड परीक्षण की आवश्यकता होगी और उन्हें पूर्ण टीकाकरण का प्रमाण भी दिखाना होगा। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दुनिया भर के वैक्सीनेटिड लोगों के व्यापार के लिए सिडनी, एनएसडब्ल्यू अब खुला है। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि 18 अक्टूबर से उन लोगों के लिए घरों, बाहरी सभाओं और आतिथ्य स्थलों पर आने वालों की संख्या पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, जिन्हें पूरी तरह से टीका नहीं लगाया है।

हालांकि, सिडनी की राजधानी और क्षेत्रीय क्षेत्रों के बीच यात्रा प्रतिबंध 1 नवंबर तक लागू रहेंगे। पेरोटेट ने कहा कि हमने आज एक निर्णय लिया है, कि ग्रेटर सिडनी से क्षेत्रीय यात्रा को स्थगित किया जाता है। मुझे पता है कि कई लोगों के लिए यह अलोकप्रिय होगा, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में, मेरा मानना है कि यह सही निर्णय है। उनकी घोषणा तब हुई जब एनएसडब्ल्यू के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि 16 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 91.4 प्रतिशत लोगों को कोविड -19 वैक्सीन की पहली खुराक मिली है, जबकि 77.8 प्रतिशत को पूरी तरह से टीका लगाया गया है। अधिकारियों ने पिछले 24 घंटों में 399 नए स्थानीय रूप से अधिग्रहित मामलों और चार मौतों की भी सूचना दी।

फ्रांसः ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए अतिरिक्त उपाय की घोषणा होगी

पेरिस (एजेंसी)।

फ्रांस सरकार ऊर्जा की कीमतों में जारी उछाल से निपटने के लिए अतिरिक्त उपाय करेगी। इसकी घोषणा राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की।

मैक्रों ने पेरिस के उपनगर सीन-सेंट-डेनिस की यात्रा के दौरान कहा कि यह भी संप्रभुता का सवाल है। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में सरकार अपनी प्रतिक्रिया को विकासशील स्थिति के अनुरूप पूरक करेगी .. ताकि कोई पीछे न छूटे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह विषय राष्ट्रपति के लिए और भी संवेदनशील है क्योंकि ईंधन की कीमतों में वृद्धि के कारण 2018 की सर्दियों में येलो वेस्ट आंदोलन का संकट शुरू हो गया था।

उन्होंने इस सर्दी के अंत तक गैस की कीमतों को स्थिर करने के प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स के फैसले का जिक्र करते हुए कहा, फ्रांसीसी के लिए इसका क्या मतलब है, मैं इसे कम नहीं समझता। कुछ उपाय हैं जो मूल्य फ्रीज के साथ किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कुछ 60 लाख कम आय वाले परिवारों को 100 यूरो की असाधारण ऊर्जा जांच की पेशकश की भी घोषणा की। फ्रेंच नेशनल एनर्जी ओम्बड्समैन के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 84 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपने ऊर्जा व्यय पर अपनी चिंता व्यक्त की और 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने बहुत अधिक बिलों का भुगतान करने से बचने के लिए घर में हीटिंग कम कर दी है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में कराया गया भर्ती

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को संक्रमण के कारण तबीयत खराब होने के बाद दक्षिणी कैलिफोर्निया के एक अस्पताल में मंगलवार को भर्ती कराया गया, लेकिन अब उनके ''स्वास्थ्य में सुधार'' हो रहा है। क्लिंटन के प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। क्लिंटन (75) के प्रवक्ता एंजेल यूरेना ने एक बयान में बताया कि पूर्व राष्ट्रपति को संक्रमण के कारण मंगलवार शाम को 'यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया इरविन मेडिकल सेंटर' में भर्ती कराया गया था। वह कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं हैं। उरेना ने कहा, ''उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और वह अच्छा महसूस कर रहे हैं। वह बेहतरीन तरीके से उनकी देखभाल करने के लिए चिकित्सकों, नर्सों और अस्पताल कर्मियों के अत्यंत आभारी हैं।''

कैलिफोर्निया के प्रवक्ता की ओर से जारी दूसरे बयान में चिकित्सकों डॉ. अल्पेश अमीन और डॉ. लीसा बर्डाक के हवाले से बताया गया कि पूर्व राष्ट्रपति को एंटीबायोटिक दवाएं और तरल पदार्थ दिया गया है। चिकित्सकों ने कहा, 'दो दिन के उपचार के बाद उनकी श्वेत रक्त कणिकाओं की संख्या कम हो रही है और एंटीबायोटिक दवाओं का उन पर असर हो रहा है। कैलिफोर्निया स्थित चिकित्सकों का दल (पूर्व) राष्ट्रपति के हृदय रोग विशेषज्ञ सहित न्यूयॉर्क स्थित उनके चिकित्सकों के दल के लगातार संपर्क में है। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही घर जा पाएंगे।'

2001 में व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद से क्लिंटन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। लंबे समय तक सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ के बाद 2004 में उनकी बाईपास सर्जरी हुई थी। एक फेफड़े के आंशिक रूप से काम करना बंद कर देने के कारण 2005 में उनकी एक और सर्जरी हुई थी और 2010 में कोरोनरी धमनी में स्टेंट लगाए गए थे।

अमेरिका को वार्ता प्रस्तावों पर उत्तर कोरियाई प्रतिक्रिया का इंतजार

वाशिंगटन/सियोल। अमेरिका बिना किसी पूर्व शर्त के उत्तर कोरिया के साथ मिलने के लिए तैयार है क्योंकि वह अपने विशिष्ट प्रस्तावों पर प्योंगयांग की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। इसकी जानकारी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने दी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को वाशिंगटन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ उनकी सुरक्षा को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए सक्रिय रूप से कूटनीति में लगा हुआ है। हम बिना किसी पूर्व शर्त के डीपीआरके से मिलने के लिए तैयार हैं। हमने वास्तव में डीपीआरके को विशिष्ट प्रस्ताव दिए हैं और हम प्रतिक्रिया और डीपीआरके से आउटरीच का इंतजार करेंगे। डीपीआरके का मतलब डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया है, जो उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है। प्राइस ने सीधे तौर पर इस बात पर कोई टिप्पणी नहीं की कि उत्तर के लिए अमेरिकी प्रस्तावों में प्रतिबंधों को कम करना या हटाना शामिल है या नहीं। उत्तर कोरिया 2019 की शुरुआत से अमेरिका के साथ परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता से दूर रहा है। यह जनवरी में पदभार ग्रहण करने के बाद से राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन द्वारा किए गए अमेरिकी प्रस्तावों के प्रति भी अनुत्तरदायी बना हुआ है।

आसियान के विदेश मंत्री म्यांमा के खिलाफ पाबंदी लगाने पर करेंगे विचार

कुआलालंपुर। (एजेंसी)।

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के विदेश मंत्री शुक्रवार को आपात बैठक में चर्चा करेंगे कि म्यांमा के सैन्य नेता को संगठन के वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाए या नहीं। म्यांमा की अपदस्थ की गई नेता आंग सान सू ची से मिलने की इजाजत नहीं देने कारण विशेष दूत का दौरा रद्द होने से संगठन में तनाव पैदा हो गया है। म्यांमा का संकट खत्म करने के लिए अगस्त में आसियान ने ब्रूनेई के द्वितीय विदेश मंत्री इरिवान यूसुफ को विशेष दूत के तौर पर नामित किया था। सू ची और अन्य नेताओं से मिलने की अनुमति नहीं दिए जाने के कारण विशेष दूत ने इस सप्ताह म्यांमा का अपना दौरा अचानक रद्द कर दिया। म्यांमा के अधिकारियों ने बताया कि सू ची के खिलाफ आपराधिक आरोपों के कारण विशेष दूत उनसे मुलाकात नहीं कर पाएंगे।

म्यांमा के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा था कि म्यांमा पर राजनीति से प्रेरित दबाव बनाने के बजाए इरिवान को भरोसा कायम करने के लिए काम करना होगा। म्यांमा में सेना ने एक फरवरी को सू ची की निर्वाचित सरकार का तख्तापलट कर दिया था। उसके बाद से छिड़ी हिंसा में 1100 से ज्यादा आम नागरिकों की मौत हो चुकी है। इस वजह से 10 देशों के संगठन आसियान पर म्यांमा के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने का बहुत दबाव है। आसियान के कुछ देशों ने सहयोग नहीं करने के लिए म्यांमा पर पाबंदी लगाने की मांग की है।

आसियान के 26-28 अक्टूबर को डिजिटल तरीके से आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन में जनरल मिन आंग हलाएंग को हिस्सा लेने की अनुमति को तख्तापलट को मान्यता के तौर पर समझा जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन समेत कई देश के नेताओं ने म्यांमा में चुनी हुई सरकार के तख्तापलट की निंदा की थी और सैन्य नेताओं, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के खिलाफ पाबंदी लगा दी थी। आसियान के विदेश मंत्री शुक्रवार को जनरल हलाएंग को शिखर सम्मेलन में अनुमति देने या नहीं देने समेत कई प्रस्तावों पर विचार करेंगे। आसियान के एक राजनयिक ने कहा कि हो सकता है कि निचले स्तर के किसी अधिकारी को देश का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति दी जाए।

विमान का किराया कम करो वरना अफगानिस्तान में लैंड नहीं करने देंगे, तालिबान ने पाकिस्तान को हड़काया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

तालिबान ने पाकिस्तान को खुलेआम हड़काया है। तालिबान ने पाकिस्तान से कहा है कि अगर उसने अपने विमान का किराया कम नहीं किया तो उसके विमान को अफगानिस्तान में उतरने नहीं देगा।

तालिबान ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए)और अफगानिस्तान के Kam Air को कहा है कि वो काबुल से इस्लामाबाद जाने वाली फ्लाइटों का किराया कम कर दें। शुक्रवार को स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि इसके साथ ही तालिबान ने यह भी साफ किया है कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो अफगानिस्तान में उनकी लैंडिंग को प्रतिबंधित कर देंगे।

एक रिपोर्ट में अफगानिस्तान के सिविल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के बयान के हवाले से बताया कि इस बयान में कहा गया कि पाकिस्तान की पीआईए और अफगानिस्तान की चढ़ूढ़ ढ़ह की काबुल-इस्लामाबाद विमान सेवा को प्रतिबंधित कर दिया जाएगे अगर अगर उन्होंने इसका किराया कम नहीं किया तो। तालिबान की तरफ से कहा गया है कि उनके अफगानिस्तान में टेकओवर करने से पहले जितना किराया लगता था उतना ही किराया अभी भी वसूला जाए। बयान में यह भी कहा गया है कि एयरलाइंस पर जुर्माना लगाया जाएगा और अगर वो नियमों को तोड़ते हैं तो उन्हें सजा भी दी जाएगी।

तालिबान ने इन एयरलाइंसों को वार्निंग देते हुए कहा कि अभी यह एयरलाइंस काबुल से इस्लामाबाद के लिए प्रति टिकट 2500 डॉलर से ज्यादा चार्ज कर रहे हैं। इस बयान में यहां नागरिकों से भी अपील की गई है कि अगर एयरलाइंस नियम तोड़ते हैं तो इसकी जानकारी दी जाए। बता दें कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के 2 महीने पूरे हो गए हैं।

उत्तर कोरिया ने चिकित्सा आपूर्ति प्राप्त करने के लिए पश्चिमी समुद्री मार्ग खोलाः यूनिसेफ

सियोल (एजेंसी)।

सियोल में यूनिसेफ कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने कोविड -19 महामारी के कारण बंद होने के बाद मानवीय सहायता वितरण प्राप्त करने के लिए पश्चिम तट पर एक प्रमुख समुद्री मार्ग खोल दिया है।

योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने डालियान के चीनी बंदरगाह से उत्तर कोरिया के नंपो तक चिकित्सा आपूर्ति शुरू कर दी है और अधिक वस्तुओं को वितरित करने की योजना बना रही है। यूनिसेफ के सियोल संपर्क कार्यालय के प्रमुख ओरेन श्लीन ने सियोल के पश्चिम में इंचियोन में आयोजित एक शांति मंच के दौरान कहा कि चीन के डालियान से नम्पो तक का समुद्री मार्ग खोल दिया गया है। कुछ चिकित्सा आपूर्ति (उत्तर कोरिया को) भेज दी गई है, और अधिक वितरित की जाएगी। दिसंबर 2019 में चीन में पहली बार कोविड -19 महामारी के फैलने के बाद से उत्तर कोरिया ने सीमा नियंत्रण कड़ा कर दिया था। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और अन्य मानवीय समूहों द्वारा भेजी जाने वाली प्रमुख सामग्रियों और चिकित्सा आपूर्ति के लिए समुद्री और भूमि मार्गों को बंद कर दिया था। विश्व खाद्य कार्यक्रम के एक वरिष्ठ नीति सलाहकार मैरियन यून ने कहा कि प्योंगयांग को अपने भोजन की कमी को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त करने के लिए अपने सीमा प्रतिबंधों को कम करने की आवश्यकता है। यून ने कहा कि उत्तर कोरिया में डब्ल्यूएफपी का खाद्य भंडार इस साल पहले ही खत्म हो चुका है। उत्तर कोरिया की खाद्य स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण कारक यह है कि उसकी सरकार मानवीय सहायता के वितरण को मंजूरी देती है या नहीं। पिछले हफ्ते, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि उसने डालियान के माध्यम से उत्तर कोरिया को कोविड -19 चिकित्सा आपूर्ति की शिपमेंट शुरू कर दी है। प्योंगयांग ने कोरोनावायरस-मुक्त होने का दावा किया है और अपने महामारी विरोधी अभियान के लिए बाहरी मदद को इस डर से खारिज कर दिया है कि कोई भी शिपमेंट वायरस को देश में फैला सकता है।

संक्षिप्त खबर

एक बार फिर धनंजय रमन ने माता-पिता को किया गौरवान्वित, जेईई एडवांस परीक्षा में देश में मिली दूसरी रैंक

नई दिल्ली। एक के बाद एक कई सफलताओं के बीच द्वारका सेक्टर-2 स्थित महालक्ष्मी अपार्टमेंट निवासी धनंजय रमन के खाते में अब एक और नई सफलता जोड़ गई है। धनंजय ने जेईई एडवांस परीक्षा में अखिल भारतीय रैंकिंग (आल इंडिया रैंकिंग) में दूसरा और दिल्ली में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक बार फिर अपने माता-पिता व गुरुजन को गौरवान्वित महसूस कराया है। रमन ने बताया कि मेरे लक्ष्य हमेशा से जेईई एडवांस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर आइआइटी मुंबई में कंप्यूटर साइंस विषय में दाखिला लेना था। जहां तक रैंकिंग की बात है, मुझे उससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि रैंक अच्छी हो या बुरी इस पर मैंने कभी उस पर ध्यान केंद्रित ही नहीं किया। पर हां मेरे माता-पिता व गुरुजन मेरी रैंक से काफी खुश है। मुझे याद है जेईई मेन्स परीक्षा में मेरी 146 रैंक की जानकारी मिलने के बाद ये लोग काफी दुखी हो गए थे, क्योंकि उन्हें मुझसे अच्छी रैंक की उम्मीद थी।

सातवीं क्लास से ही एडवांस परीक्षा की तैयारी में जुटा- धनंजय बताते हैं कि मुझे आज काफी अच्छा महसूस हो रहा है, क्योंकि कक्षा सातवीं से ही मैं जेईई एडवांस परीक्षा में सफलता के लिए अभ्यास कर रहा हूं और आज मेरी तपस्या पूरी हो गई है। कक्षा सातवीं में ही मैंने फिटजी कोचिंग सेंटर जाना शुरू कर दिया था। लाकडाउन के दौरान आनलाइन कक्षाएं होती थी, पर केवल आनलाइन कक्षा के समय तक ही मैं पढ़ाई करता था शेष समय में पढ़ने का कभी मन नहीं करता था। असल में मेरी हमेशा से ही कोशिश रही थी कि मैं अपनी पढ़ाई कोचिंग सेंटर में ही पूरी करूं। लाकडाउन के दौरान कोचिंग सेंटर बंद थे, ऐसे में घर की चार दीवारी के भीतर पढ़ने में मन नहीं लगता था। हालांकि माता-पिता ने हमेशा मुझे पढ़ने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि उन्होंने अपना पूरा जीवन मेरे लिए समर्पित कर दिया है। सेवानिवृत्ति के बाद से माता-पिता मेरी पढ़ाई पर ही ध्यान केंद्रित कर रहे है। लाकडाउन में थोड़ी राहत के बाद ही मैंने अध्यापकों की मदद से कोचिंग सेंटर में जाकर पढ़ाई करने की व्यवस्था की। सुबह साढ़े 11 बजे से शाम छह से सात बजे तक पढ़ाई करता था। धनंजय बताते हैं कि दिन-प्रतिदिन तकनीकी की तरफ हमारे झुकाव को ध्यान में रखते हुए मैंने कंप्यूटर साइंस विषय में इंजीनियरिंग करने का फैसला लिया है। श्रीनिवास रामानुजन से प्रभावित धनंजय उन्हीं की तरह देश में अपना व अपने परिवार का नाम रोशन करना चाहते हैं।

रोजाना करते हैं ध्यान- 2019 में बाल भारती स्कूल के विद्यार्थी रहे धनंजय ने रोमानिया में आयोजित 24वें अंतरराष्ट्रीय एस्ट्रोनामी ओलंपियाड में स्वर्ण पदक हासिल किया था। इससे पूर्व धनंजय ने 2017 में जूनियर साइंस टैलेंट सर्च एग्जामिनेशन व कक्षा बाहरवीं में अंतरराष्ट्रीय रसायन विज्ञान ओलंपियाड में भी स्वर्ण पदक हासिल किया है। धनंजय ने बताया कि शारीरिक तौर पर फिट रहने के लिए वे रोजाना रात को ध्यान करते है और कोचिंग सेंटर का आधा रास्ता पैदल चलकर पार करते है। जहां तक सोशल मीडिया पर सक्रियता होने की बात है धनंजय बताते हैं कि वे सोशल मीडिया से जुड़े जरूर हैं, लेकिन उनका प्रयोग काफी सीमित करते है। आनलाइन साइट पर ग्रुप पर चर्चा को वे अधिक तवज्जो देते हैं।

सरकारी अस्पतालों में इलाज और जांच के लिए घर बैठे करवा सकेंगे रजिस्ट्रेशन, बस एक मोबाइल ऐप करना होगा डाउनलोड

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार ने नागरिक अस्पताल सहित अन्य सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने स्वस्थ हरियाणा नाम से ऐप तैयार कराया है। सरकारी अस्पतालों में लगने वाली लंबी कतारों से मरीजों को जल्द छुटकारा मिल सकता है। मरीजों को ओपीडी में दिखाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के लिए घंटों काउंटर के सामने लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। यह काम मरीज अब ऑनलाइन एक क्लिक पर कर सकेंगे। मोबाइल ऐप के जरिये मरीज अस्पताल जाने से पहले ही अपना रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। मरीजों को अस्पताल जाने पर ओपीडी कार्ड तुरंत उपलब्ध हो जाएगा। ऐप को अगले सप्ताह में लॉन्च किया जाएगा। यह ऐप प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर दोनों से मोबाइल में आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। ऐप पर मरीजों को पूर्व में रजिस्ट्रेशन कराने की सहूलियत मिलेगी। अपने नंबर, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी डालकर मरीज निजी अस्पतालों की तर्ज पर सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में भी जांच कराने के लिए डॉक्टर की अपॉइंटमेंट बुक कर सकेंगे। ऐप पर अपॉइंटमेंट बुक कराने के बाद जब मरीज सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचेंगे तो उन्हें वहां दूसरे मरीजों के साथ ओपीडी कार्ड बनवाने के लिए लंबी लाइनों में लगकर अपनी बारी आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए स्वास्थ्य केंद्रों पर एक अलग काउंटर बनाया जाएगा। जहां मरीज का ओपीडी कार्ड बनाकर पहले से तैयार रखा रहेगा। मरीज मोबाइल में अपॉइंटमेंट का मैसेज दिखाकर अपना कार्ड वहां से लेकर ओपीडी में जांच करवा सकेंगे। रजिस्ट्रेशन की पूरी हिस्ट्री इस ऐप में उपलब्ध रहेगी। पूर्व में मरीज ने डॉक्टर को कब दिखाया था। आगे कब की अपॉइंटमेंट दी है, यह सब जानकारी ऐप पर ही देख सकेंगे।

जांच रिपोर्ट भी ऐप पर उपलब्ध रहेगी-सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में जांच के लिए नमूने देने के बाद या तो रिपोर्ट मरीजों को अगले दिन या दोपहर बाद दी जाती है। मरीज यदि बाहर कहीं किसी दूसरे डॉक्टर को दिखाना चाहता है, तो उसे बाहर पैसे खर्च कर दोबारा से एक्सरे और अल्ट्रासाउंड कराना पड़ता है। ऐप से मरीजों की ये परेशानी भी दूर हो जाएगी। सभी जांच रिपोर्ट भी इस ऐप पर उपलब्ध रहेगी। मरीज जब चाहे रिपोर्ट ऐप पर देख सकेंगे। मरीज के आस-पास कौन से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में उनकी बीमारी से संबंधित डॉक्टर उपलब्ध है यह जानकारी भी ऐप पर आसानी से मिल सकेगी। डॉक्टरों की पूरी डिटेल नाम सहित ऐप पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा सरकारी ब्लड बैंक में कितना ब्लड उपलब्ध है, इसकी भी अपडेट रिपोर्ट मरीज इस ऐप के जरिये हासिल कर सकेंगे। जांच कराने के लिए घंटों कतारों में लगना पड़ता है।

कागजों तक सिमटी 10 ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की जांच

गाजियाबाद। विभागीय अधिकारियों की लापरवाही और मनमानी से 10 ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की जांच कागजों तक सिमटकर रह गई है। ग्राम पंचायतों में हुए विकास कार्यों में गड़बड़ी की जांच पिछले तीन साल से चल रही है लेकिन अभी तक पूरी नहीं हो पाई है, जिससे गड़बड़ी करने वाले पूर्व ग्राम प्रधानों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो पा रही है। पंचायती राज विभाग को शिकायत के आधार पर ऐसी 10 ग्राम पंचायतों में पांच साल में कराए गए विकास कार्यों की जांच करानी थी, जहां पर पूर्व प्रधानों ने गांवों को विकास कार्य कराकर संवारने के बजाय अधिकारियों की मिलीभगत से अपनी जेब ही गरम की है। इनमें से कई जांच ऐसी है जो करीब तीन साल से चल रही हैं। पूर्व ग्राम प्रधानों पर यह आरोप लगे थे कि जिन कार्य को कराने में बजट का खर्चा दिखाया गया है वह कार्य शुरू तक नहीं कराए गए। इन ग्राम पंचायतों के प्रधानों पर ग्राम पंचायतों में नाली, खड़ंजा, पार्कों और स्कूलों का सौंदर्यकरण आदि विकास कार्य करने के नाम पर गड़बड़ी करने के आरोप लगे थे।

भगवान श्रीराम से प्रार्थना कोरोना रूपी रावण से मुक्ति मिले- केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विजयादशमी के महापर्व पर लालकिला परिसर में लव-कुश रामलीला कमेटी की तरफ से आयोजित रावण दहन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के प्रतीक पुलते पर प्रतीकात्मक तीर चलाकर उनका दहन किया और प्रभु श्रीराम की आरती में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने मौजूद लोगों के साथ जयश्रीराम के जयकारे भी लगाए।

उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीरामचंद्र जी ने किसी व्यक्ति विशेष का वध नहीं किया, बल्कि यह अधर्म पर धर्म की जीत है। यह मैदान लोगों की भीड़ से खचाखच भरा होता था, लेकिन आज कोरोना की वजह से काफी कम लोग आए हैं। उन्होंने भगवान श्रीराम से प्रार्थना करते हुए कहा कि हमारे पूरे देश को इस कोरोना रूपी रावण से मुक्ति मिले। प्रभु श्रीराम सभी को स्वस्थ्य रखें, सभी बीमारियों को नाश करें, सभी के घर में खूब बरकत हो और भगवान सभी को खूब खुशियां दें।

तालियां बजाकर हुआ स्वागत- कमेटी के सदस्यों द्वारा समारोह में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हवाई मार्ग से विशेष रथ से स्टेज पर लाया गया। उन्हें हवाई मार्ग से आते देख वहां मौजूद लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था, लोग तालिया बजाकर और खुशियों से उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री समारोह में आधे घंटे से अधिक समय तक बैठ कर रामलीला के मंचन को देखा। इसके साथ ही विजयी होकर आए भगवान प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान को तिलक लगाते हुए उनकी आरती भी उतारी।

तलवार एवं गदा भेंट में देकर - इस अवसर पर कमेटी के प्रधान अशोक अग्रवाल व मंत्री अर्जुन कुमार समेत अन्य पदाधिकारियों द्वारा शाल ओढ़ाकर और पटका व पगड़ी पहनाकर स्वागत भी किया गया। कमेटी के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राम दरबार, तलवार और गदा भी सप्रेम भेंट किए। रामलीला कमेटी ने रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद का प्रतीक के रूप में 30 फीट ऊंचा पुतला बनाया था। दिल्ली में प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए पुलते में पटाखों का इस्तेमाल नहीं किया गया था, ताकि वायु प्रदूषण न हो सके।

अधर्म बढ़ने से भगवान अपने तरीके से करते हैं नाश- अंत में, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के प्रतीक रूपी पुलते पर तीर चलाकर उनका दहन किया। साउंड और लाइट से पुतले का ऐसा दहन हुआ कि लोग जयश्रीराम का जयकारे लगाते हुए पूरे लालकिले को गुंजायमान कर दिया। इसके पहले समारोह को

संबोधित करते हुए उन्होंने अधर्म के ऊपर धर्म की जीत के अवसर पर सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अभी-अभी हम सब लोगों ने रामलीला देखी कि किस तरह से रावण का प्रभु श्रीरामचंद्र जी ने वध किया। वो किसी व्यक्ति विशेष वध नहीं है। वह एक तरह से अधर्म के उपर धर्म की जीत है और अधर्म का नाश है। जैसा कि हम लोगों ने गीता में भी पढ़ा है कि जब-जब अधर्म बढ़ जाता है, तब-तब भगवान अपने तरीके से उस अधर्म का नाश करते हैं।

मैं, हर साल लव-कुश रामलीला में आता हूं और यह पूरा मैदान लोगों की भीड़ से खचाखच भरा होता है, लेकिन आज कोरोना की वजह से काफी कम लोग हैं। लोगों को शारीरिक दूरी रखनी पड़ रही है। मैं इस मौके पर भगवान श्रीराम से प्रार्थना करता हूं कि हमारे पूरे देश को इस कोरोना रूपी रावण से मुक्ति मिले। इस बीमारी को झेलते हुए डेढ़-दो साल हो गए। आज हम सब लोग मिलकर अगर प्रार्थना करेंगे, तो सामूहिक प्रार्थना का बहुत बड़ा असर होता है। मैं उम्मीद करता हूं कि इस करोना रूपी रावण से हम सबको मुक्ति मिलेगी। भगवान से प्रार्थना करता हूं कि आप सब लोगों के घर में सब लोग स्वस्थ्य रहें और बीमारियों को नाश हो। आप सब के घर में खूब बरकत हो और आप सब के घर में भगवान खूब खुशियां दें।

दोपहर से पहुंचने लगे थे लोग- अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक रावण दहन का गवाह बनने के लिए लोग दोपहर से ही लालकिला मैदान पहुंचने लगे थे। लोग बच्चों को दिखाने विशेष रूप से रामलीला स्थल पहुंच रहे थे। रामलीला स्थल पर सीमित लोगों को निमंत्रण पत्र के माध्यम से ही प्रवेश दिया जा रहा था। ऐसे में जो लोग बिना कार्ड के पहुंचे उन्हें मायूस लौटना पड़ा। वैसे काफी लोगों ने मैदान की दीवारों के सहारे खड़े होकर भी रामलीला का आनन्द उठाया। रामलीला का मंचन दोपहर में ही शुरू कर दिया गया था। राम और रावण की सेना में भीषण युद्ध हुआ। जिसपर लोग काफी उत्साहित थे।

विजयदशमी पर भी कोरोना महामारी एवं प्रदूषण की मार- वैसे, कोरोना महामारी के साथ ही प्रदूषण की मार से विजयदशमी पर परंपरागत रूप से जलने वाले पुतले भी अछूते नहीं हैं। इस वर्ष इनकी ऊंचाई छोटी रखी गई है तो पटाखे का प्रयोग भी नहीं होगा। कोरोना से पहले जहां हर वर्ष कश्मीरी गेट रामलीला में 50 फुट तक का रावण जलता था, वहीं इस बार इसकी अधिकतम ऊंचाई 20 फुट ही है। आयोजकों के मुताबिक ऐसा तैयारी के लिए काफी कम वक्त मिलने और राष्ट्रीय हरित टिब्यूनल (एनजीटी) के प्रदूषण रोकने लिए दिए आदेश के चलते हुआ है।

वहीं, कश्मीरी गेट रामलीला के मुख्य आयोजक और पूर्व महापौर जत्थेदार अवतार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश 100 करोड़ टीके के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। दिल्ली में कोरोना संक्रमण की दर काफी कम है। इसलिए रामलीला का आयोजन संभव हो सका है। वहीं, हम चाहते हैं कि जल्द देश के साथ ही पूरे विश्व के लोगों को इस महामारी से मुक्ति मिल जाए, इसलिए कोरोना का पुतला जलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली वालों को डेंगू और चिकनगुनिया ने भी काफी परेशान किया हुआ है। इसलिए रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतले को इन तीनों बीमारियों का प्रतीक बनाया गया है।

संपत्ति कर जमा करने और व्यवसायिक लाइसेंस बनवाने के लिए निगम ने धार्मिक प्रतिष्ठानों को भेजे नोटिस, मचा घमासान

नई दिल्ली । पूर्वी निगम क्षेत्र में स्थित मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारों को भी संपत्ति कर और व्यवसायिक लाइसेंस के नोटिस मिलने लगे हैं। इससे हड़कंप मच गया है। इसकी वजह से पार्षदों में भी नाराजगी है। यह नाराजगी स्थायी समिति अध्यक्ष बीर सिंह पंवार तक पहुंची है। उन्होंने इस पर निगमायुक्त विकास आनंद से बात की है। बीर सिंह पंवार ने कहा कि ये नोटिस गलत भेजे गए हैं।

इन्हें रद कर दिया है। साथ ही आगे किसी धार्मिक स्थल या फिर चैरिटेबल स्कूलों को ये नोटिस नहीं भेजने के निर्देश भी अधिकारियों को दे दिए गए हैं। सबसे पहले यह मामला निगम में घोंडली के पार्षद दीपक मल्होत्रा ने उठाया था। उन्होंने बताया कि उनके वार्ड में स्थित एक गुरुद्वारे को जनरल ट्रेड (व्यवसायिक) लाइसेंस बनवाने के लिए नोटिस भेजा गया है। इसके बाद मौजपुर वार्ड की आप की पार्षद रेशमा नदीम ने बताया कि सुभाष मोहल्ला में बिस्मिल्लाह मस्जिद को भी गत 25 सितंबर को इसी तरह का नोटिस जारी किया गया है।

एक दिन पहले स्थायी समिति की बैठक पूर्व महापौर बिपिन बिहारी सिंह ने भी यह मामला उठाया। उन्होंने बताया कि मयूर विहार फेज एक में हनुमान मंदिर को भी लाइसेंस के लिए नोटिस दिया गया है। तीनों ने इस नोटिस को वापस लेने की मांग की। इसके बाद स्थायी समिति अध्यक्ष बीर सिंह पंवार ने अधिकारियों से बातचीत की। इसमें पता चला कि कुछ धार्मिक प्रतिष्ठानों को संपत्तिकर का भी नोटिस जारी किया गया है।

ऐसे हुई गलती - निगम ने एक निजी एजेंसी से अपने क्षेत्र में रिहायशी और व्यवसायिक संपत्तियों का सर्वे कराया है। इसके आधार पर रिहायशी संपत्तियों को यूपिक नंबर भी जारी किए गए हैं। इन्हें संपत्तिकर जमा करने के लिए नोटिस भेजा रहा है। वहीं व्यवसायिक संपत्तियों को जनरल ट्रेड लाइसेंस से संबंधित नोटिस दिए जा रहे हैं।

निजी एजेंसी ने सर्वे के बाद जिन संपत्तियों की लिस्ट सौंपी, उसमें से धार्मिक प्रतिष्ठान और चैरिटेबल संस्थाओं को अलग नहीं किया गया और सभी के नाम नोटिस निगम मुख्यालय से शाहदरा उत्तरी और दक्षिणी जोन में भेज दिए गए। यहां भी बगैर छंटनी सभी नोटिस जारी कर दिए गए।

इस संबंध में निगमायुक्त से बात हो चुकी है। धार्मिक प्रतिष्ठानों को दिए गए नोटिस रद समझें जाएं। संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दे दी गई है कि अगर आगे इस तरह का कोई नोटिस इन्हें दिया गया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। **बीर सिंह पंवार, स्थायी समिति अध्यक्ष**

दिल्ली के बंद हुए डलाव घर बनेंगे मनोरंजन केंद्र, गंदगी से राहत के लिए उत्तरी निगम की पढ़िए पूरी प्लानिंग

नई दिल्ली । शहर में जगह-जगह जो डलाव घर अक्सर गंदगी का पर्याय बनते हैं उनको बंद करने के साथ उनका सदुपयोग करने के लिए निगम ने नीति को मंजूरी दे दी है। नीति के तहत इन डलाव घरों में मनोरंजन केंद्र या पुस्तकालय आदि खोलने के लिए रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), मार्केट एसोसिशएशन व गैर सरकारी संगठनो को दिया जाएगा। वहीं, जिनका कोई उपयोग नहीं किया जा सकता निगम उन्हें ध्वस्त कर अन्य परियोजनाओं के लिए उपयोग करेगा। साथ ही प्लास्टिक कचरे के निस्तारण के लिए भी इन बंद किए गए डलावों का उपयोग होगा।

निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष जोगीराम जैन ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत निगम विभिन्न मुद्दों पर कार्य कर रहा है। इसमें ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 के तहत गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग किया जाना है साथ ही हम दिल्ली को डलाव मुक्त करने की ओर कार्य कर रहे हैं। इसके तहत निगम ने 246 डलाव घर बंद कर दिए हैं और 100 डलाव घर दिसंबर तक बंद हो जाएंगे।

इन डलावों का उपयोग अब तक कूड़ा डालने के लिए होता था। इससे गदंगी फैलती थी। ऐसे में निगम ने इन डलावों के स्थान पर फिक्स कांपेक्टर ट्रांसफर स्टेशन (एफसीटीएस) स्थापित किए हैं। जिस स्थान पर यह एफसीटीएस लग जाता है वहां के आस-पास के करीब चार डलाव बंद करने का रास्ता खुल जाता है। उन्होंने बताया कि निगम स्वयं तो इन बंद पड़े हुए डलावों का सदुपयोग तो करेगा ही, लेकिन स्वयंसेवी संगठन और आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन भी इनका सदुपयोग जनहित में करना चाहे तो उनको भी इसका अवसर दिया जाएगा। इसके तहत यह प्रस्ताव पारित किया गया है। फिलहाल यह पांच वर्ष के लिए दिए जाएंगे। अगर, कोई अच्छा कार्य करेगा तो उसे आगे और बढ़ाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि उत्तरी निगम क्षेत्र में 90 लाख की जनसंख्या है और निगम के 104 वार्ड हैं।

विवादों में घिरा स्कूली बच्चों संग केजरीवाल का वीडियो, कोविड नियमों के उल्लंघन पर एनसीपीसीआर ने की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली । राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने दिल्ली सरकार के एक प्रचार वीडियो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, जिसमें कथित तौर पर बिना मास्क पहने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किए बगैर स्कूली बच्चों की एक बड़ी भीड़ को एक विज्ञापन की शूटिंग करते दिखाया गया है। आयोग ने भी कहा कि यह केंद्र के कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन है और स्कूली बच्चों के जीवन को भी खतरे में डालता है।

दिल्ली के मुख्य सचिव विजय कुमार देव को लिखे पत्र में आयोग ने कहा गया है कि उसे एक प्रचार वीडियो के खिलाफ शिकायत मिली है जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी दिखाई दे रहे हैं।

एनसीपीसीआर ने दिल्ली के मुख्य सचिव को लिए अपने पत्र में कहा, आयोग को कलिंग अधिकार मंच, ओडिशा के राष्ट्रीय संयोजक से एक YouTube वीडियो लिंक साझा करने की शिकायत मिली है, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक प्रचार वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। उक्त प्रचार वीडियो में स्कूली बच्चों की एक बड़ी भीड़ शामिल है, जो विज्ञापन के लिए शूटिंग कर रहे हैं। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच बिना मास्क पहने और सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने वाला यह विज्ञापन भारत सरकार द्वारा जारी किए गए कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन है और दिल्ली के नाबालिग स्कूली बच्चों के जीवन को भी खतरे में डाल रहा है। आयोग ने कहा कि वीडियो किशोर न्याय अधिनियम, 2015 और कोविड-19 महामारी के मद्देनजर केंद्र द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। गुरुवार को जारी पत्र में कहा गया है, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अनुरोध है कि इस मामले में कार्रवाई कर उसकी रिपोर्ट सात दिनों के भीतर आयोग के साथ साझा की जाए।

एनसीआर के 8 जिलों में पराली जलाने की घटनाओं में कमी, इस महीने कुल 1,795 मामले आए सामने

नई दिल्ली। हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में स्थित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आठ जिलों में पराली जलाने की घटनाएं इस साल काफी कम हुई हैं। इस महीने पराली जलाने की कुल 1,795 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जो पिछले साल इसी अवधि में आई 4,854 घटनाओं से कम है। केंद्र के वायु गुणवत्ता आयोग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और उससे जुड़े इलाकों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा बनाए प्रोटोकॉल पर आधारित एक रिपोर्ट के अनुसार, धान के अवशेष जलाने की घटनाएं एक महीने के दौरान पंजाब में 64.49 प्रतिशत, हरियाणा में 18.28 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश के आठ एनसीआर जिलों में 47.61 प्रतिशत कम हुई हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान ये घटनाएं अधिक थीं।

आयोग ने कहा कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के आठ एनसीआर जिलों में धान के अवशेष जलाने की घटनाओं में इस साल काफी कमी आई है, पिछले साल की तुलना में 2021 में आग लगने की कम घटनाएं दर्ज की गईं। 14 अक्टूबर तक एक महीने में पराली जलाने की कुल 1,795 घटनाएं दर्ज की गईं जो 2020 में इसी अवधि के दौरान दर्ज की गई 4,854 घटनाओं से कम हैं। प्रवर्तन एजेंसियों ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों में अभी तक 663 घटनास्थलों का निरीक्षण किया।

उसने बताया कि 252 मामलों में पर्यावरणीय हर्जाना लगाया गया। मौजूदा वर्ष में इसी अवधि में पंजाब में पराली जलाने की 1,286 घटनाएं सामने आईं, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 4,216 घटनाएं दर्ज की गई थीं।

हरियाणा में ऐसी 487 घटनाएं आईं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 596 घटनाएं आई थीं। इस अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश के आठ एनसीआर जिलों से पराली जलाने की 22 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि पिछले साल 42 घटनाएं आई थीं। दिल्ली और राजस्थान के दो एनसीआर जिलों से पराली जलाने की कोई घटना सामने नहीं आई। सीएक्यूएम ने एक बयान में कहा कि अगले कुछ हफ्तों में फसलों की कटाई चरम पर होगी और राज्य सरकारें पराली जलाने की समस्या से प्रभावी रूप से निपटने के लिए कदम उठा रही है। फसलों की कटाई के मौसम में वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए सीएक्यूएम पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के आठ एनसीआर जिलों में 15 सितंबर से पराली जलाने की घटनाओं पर सक्रियता से नजर रख रहा है।

वह हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के उपायुक्तों समेत अधिकारियों के साथ नियमित रूप से बैठकें कर रहा है। इसरो ने पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखने के लिए सीएक्यूएम के लिए एक प्रोटोकॉल विकसित किया है। आयोग पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश द्वारा बनाई कार्य योजना के क्रियान्वयन पर भी नजर रख रहा है।

आयोग ने बताया कि पंजाब में पराली जलाने के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र अमृतसर, तरनतारन, पटियाला और लुधियाना हैं। राज्य में पराली जलाने की 72 प्रतिशत घटनाएं इन्हीं चार जिलों से सामने आती हैं। इसी तरह हरियाणा में करनाल, कैथल और कुरुक्षेत्र से पराली जलाने की 80 प्रतिशत घटनाएं दर्ज की जाती हैं। सीएक्यूएम ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के जिलाधिकारियों और जिला मजिस्ट्रेट समेत सरकारी अधिकारियों के साथ भी कई बैठकें कीं।

पति को जेल भेजने के लिए पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर रची थी बड़ी साजिश

नई दिल्ली। दिल्ली के अमर कॉलोनी इलाके में एक व्यक्ति को पीटने और फिर उसे गिरफ्तार कराने के लिए झूठी कहानी गढ़ने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों की पहचान परविंदर और आकाश के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पूर्व) ईशा पांडे ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर अमर कॉलोनी थाने में आईपीसी की धारा 323, 342 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित की पहचान मोहित के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, मोहित की पत्नी का परविंदर के साथ विवाहेत्तर संबंध थे। उसने मोहित को गिरफ्तार कराने की साजिश रची थी। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने 10 अक्टूबर को ओखला सब्जी मंडी में मोहित की पिटाई की और घटना का एक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। उन्होंने मोहित के सामने कुछ पैसे रखे और पिस्तौल पकड़ाकर उसका एक और वीडियो बना लिया। डीसीपी ने कहा कि बाद में परविंदर के दोस्त आकाश ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में इस्कॉन मंदिर की पार्किंग में मौजूद एक हेड कॉन्स्टेबल को बताया कि उसने देशी पिस्तौल ले जा रहे एक व्यक्ति को पकड़ा है। आकाश ने दावा किया कि मोहित ने ओखला सब्जी मंडी में एक सब्जी विक्रेता को लूटने की भी कोशिश की थी। डीसीपी ने कहा कि गड़बड़ का शक होने पर हेड कॉन्स्टेबल परविंदर, आकाश और मोहित को पूछताछ के लिए अमर कॉलोनी थाना ले गया। पूछताछ के दौरान मोहित ने पुलिस को परविंदर के साथ अपनी पत्नी के विवाहेत्तर संबंध और पूरी घटना के बारे में बताया। पुलिस ने वीडियो और वॉट्सऐप चैट का विश्लेषण किया और पाया कि जब मोहित को पीटा जा रहा था तब उसकी पत्नी परविंदर के साथ वीडियो कॉल पर थी।

वॉट्सऐप से होगा सभी बिजली समस्याओं का समाधान, विद्युत निगम ने जारी किया नंबर

नोएडा । बिजली की तमाम समस्याओं का समाधान वॉट्सऐप के माध्यम से सात कार्यदिवसों में किया जाएगा। इससे गौतमबुद्ध नगर के साढ़े तीन लाख से अधिक उपभोक्ताओं को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार निगम कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

उपभोक्ताओं की समस्याओं और उनकी मांग को देखते हुए विद्युत निगम ने वॉट्सऐप नंबर 7859804803 जारी किया है। अब से पहले इस नंबर पर केवल बिजली कटौती से संबंधित शिकायत ही दर्ज कराई जा सकती थीं। विद्युत निगम ने उपभोक्ताओं की मांग पर वॉट्सऐप नंबर पर बिल देखना, बिल जमा करना, प्री-पेड मीटर रि-चार्ज कराने, बिल की पुन- जानकारी प्राप्त करने समेत अन्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

विद्युत निगम के अधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही सभी समस्याओं पर कब और क्या कार्रवाई हुई, इसकी प्रक्रिया भी आसानी से देख सकेंगे। इस नंबर पर आने वाली शिकायतों और उनकी कार्रवाई की प्रक्रिया पर मेरठ एमडी कार्यालय से निगरानी रखी जाएगी। मेरठ में ही कंट्रोल रूम बना हुआ है।

फोन करके शिकायत की स्थिति पता चलेगी

मेरठ कंट्रोल रूम से एक सप्ताह बाद फोन करके अपनी शिकायत का अपडेट भी ले सकते हैं। अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो संबंधित क्षेत्र के बिजली अधिकारी से जवाब तलब किया जाएगा। अगर अधिकारी की लापरवाही से त्वरित निस्तारण नहीं हो रहा है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी और तत्काल समाधान किया जाएगा।

विद्युत निगम डिजिटल की तरफ बढ़ रहा है। हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का डिजिटल माध्यम से निस्तारण किया जाए। ताकि उपभोक्ताओं को कम से कम बिजली दफ्तर आना पड़े। **-वीएन सिंह, मुख्य अभियंता, विद्युत निगम**

ऐसे करना होगा लिंक

वॉट्सऐप नंबर 7859804803 पर एक बार कॉल करना होगा। फिर चैट बॉक्स में जाकर चैट करें। तुरंत मैसेज आएगा और भाषा का चयन करना होगा। इसके बाद क्षेत्र बताना होगा। किस कनेक्शन के बारे में जानकारी प्राप्त करना चाहता है, उनका अकाउंट नंबर बताए। इसके बाद उपभोक्ता का बिल और उससे जुड़ी तमाम जानकारी आ जाएगी।

सिंघु बॉर्डर पर हत्या- संयुक्त किसान मोर्चा ने झाड़ा पल्ला, कहा- मरने और मारने वालों से हमारा कोई नाता नहीं

नई दिल्ली। सिंघु बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन स्थल के पास एक युवक लखबीर सिंह की निर्मम हत्या कर शव बैरिकेड्स से लटकाने की घटना की संयुक्त किसान मोर्चा (स्यरू) ने निंदा करते हुए इसे एक बड़ी साजिश बताया है।

किसान मोर्चा के नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल ने शुक्रवार को कहा कि हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि इस घटना के दोनों पक्षों, निहंग समूह और मृतक का एसकेएम के साथ कोई संबंध नहीं है। मोर्चा किसी भी धर्म और प्रतीक की बेअदबी के खिलाफ है। किसान नेता ने कहा कि मोर्चा को धार्मिक मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है, यह एक साजिश लगती है, इसकी जांच होनी चाहिए।

दल्लेवाल ने कहा कि जब हम मौके पर पहुंचे तो कुछ लोग कह रहे थे कि मृतक (लखबीर सिंह) ने मरने से पहले स्वीकार किया था कि उसे किसी ने भेजा है और 30 हजार रुपये दिए हैं। इसका वीडियो प्रूफ मेरे पास नहीं है। सरकार को इस मामले की गहनता से जांच करनी चाहिए।

बताया जा रहा है कि मृतक की पहचान पंजाब के तरनतारन जिले के चीमा खुर्द गांव निवासी लखबीर सिंह (35 वर्षीय) के रूप में हुई है। पेशे मजदूर लखबीर अनुसूचित जाति से संबंध रखता था। एडीजीपी (रोहतक) संदीप खिरवार ने कहा कि लखबीर सिंह की हत्या के मामले में

हमने आईपीसी की धारा 302/34 के तहत एफआईआर दर्ज की है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर ली है, मृतक का पोस्टमॉर्टम शुरू हो गया है। हम इंटेलिजेंस इनपुट भी इकट्ठा कर रहे हैं और हमारे पास कुछ संदिग्धों के नाम भी हैं। जल्द ही आगे की कार्रवाई करेंगे।

एक हाथ कटा हुआ था-

सोनीपत जिले के कुंडली में किसानों के प्रदर्शन स्थल के पास शुक्रवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बैरिकेड से बंधा हुआ मिला। शव का एक हाथ कटा हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक वीडियो क्लिप में कुछ निहंगों को जमीन पर खून से लथपथ पड़े एक व्यक्ति के पास खड़े हुए देखा गया और उसका बायां हाथ कटा हुआ था। निहंगों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि मृतक को सिखों की पवित्र किताब गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के लिए सजा दी गई है।

पुलिस ने बताया कि मृतक लखबीर सिंह को पंजाब के तरण तारण का एक मजदूर बताया गया है और उसकी आयु 35 वर्ष के आसपास है। उसका शव एक बैरिकेड से बंधा हुआ मिला जो केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 10 महीनों से आंदोलन कर रहे किसानों द्वारा बनाए एक मंच के पास स्थित है। किसानों का प्रदर्शन स्थल सिंघु में दिल्ली-हरियाणा सीमा के पास स्थित है। सोनीपत पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कुंडली पुलिस थाने को सुबह पांच बजे सूचना मिली कि किसानों के प्रदर्शन स्थल के पास एक शव मिला है। उन्होंने बताया कि मृतक के शरीर पर केवल पायजामा था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सोनीपत सिविल अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और दोषियों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। पुलिस घटना के संबंध में प्रदर्शन स्थल के पास लोगों से पूछताछ करने की कोशिश की है। शुरुआत में कुछ लोगों ने इलाके में पुलिस के प्रवेश का विरोध किया और पुलिस के साथ सहयोग नहीं किया।

संपादकीय

तनावों की सियासत से बढ़े अपराध

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के ताजा आंकड़े कई मामलों में सोचने को विवश करते हैं। साल 2019 की तुलना में पिछले साल 28 फीसदी अधिक आपराधिक वारदात दर्ज की गई हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात सामाजिक अपराधों में बढ़ोतरी है। आंकड़े बताते हैं, 2019 के मुकाबले 2020 में सांप्रदायिक दंगों में 96 फीसदी, जातिगत हिंसा में करीब 50 फीसदी, कृषि उपद्रवों में 38 फीसदी और आंदोलन व मोर्चा के दौरान हुए फसाद में 33 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। समाज में अपराध का यूं बढ़ना कानून-व्यवस्था के घटते प्रभाव का संकेत है। यह राजनीतिक दलों के लिए भी सुखद नहीं है, क्योंकि समाज के सवालों को सुलझाने में पुलिस और अदालत से पहले लोग राजनेताओं से आस रखते हैं। मतलब साफ है, सियासी दलों का महत्व घट रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों का एक अन्य पहलू भी है। भारत की राज-व्यवस्था के जो केंद्र हैं, जहां देश की राजसत्ता की आत्मा बसती है, यानी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सेना प्रमुख, सर्वोच्च अदालत के प्रधान न्यायाधीश जैसे तमाम आलिम-फाजिल रहते हैं, वहां से महज 200 किलोमीटर के दायरे में भी सामाजिक अपराध हो रहे हैं। यह चिराग तले अंधेरे जैसा है, और इससे पार पाने के लिए चिराग को अपनी रोशनी बढ़ानी होगी। अगर राष्ट्रीय राजधानी में भी इस तरह के अपराध होते हैं, तो इससे दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाता। विदेशी पर्यटकों से लेकर विदेशी निवेशकों तक, सभी पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। दरअसल, लॉकडाउन जिन तीन चीजों पर असरंदाज हुआ, वे हैं- दवाई, कमाई और पढ़ाई। इस आग में महंगाई ने घी का काम किया है। लोगों की आमदनी एक तिहाई से लेकर तीन चौथाई तक घटी है। यह स्थिति तब है, जब हम जानते हैं कि आर्थिक अपराध बेरोजगारी और गरीबी से सीधे-सीधे जुड़ा है। कहा जाता है कि भूखा व्यक्ति कोई पाप गलत नहीं मानता, क्योंकि पेट की आग सबसे ऊपर होती है। हालांकि, कोरोना और लॉकडाउन मनोवैज्ञानिक दबाव के कारण घरेलू हिंसा बढ़ा सकते हैं, लेकिन सामाजिक हिंसा में इनका कोई हाथ नहीं होता। इसलिए दलित और सवर्णों के बीच हुई हिंसा या हिंदू-मुसलमान विवाद अथवा महिलाओं के साथ बलात्कार जैसे अपराधों को लॉकडाउन से नहीं जोड़ा जा सकता। इसके लिए कानून-व्यवस्था से डिगता भरोसा और व्यवस्था का चरित्र कुसूरवार है।

राजनीतिक दल किस तरह से अपराध को खाद-पानी देते हैं, इसका एक बड़ा उदाहरण बिहार और उत्तर प्रदेश हैं। यहां 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के आधार पर हुए थे। रसोई में पकने वाले खाने से लेकर शादी-ब्याह तक में राजनीतिक दलों ने अपनी दावेदारी दिखाई थी। इसका लाभ कुछ दलों को मिला भी। नतीजतन, इसको एक लिहाज से राजनीतिक स्वीकृति मिल गई। यही वजह है कि यहां हिंदू-मुसलमान, भारत-पाकिस्तान जैसी बहसें खूब हो रही हैं। कोई यह कह सकता है कि बीमारू राज्य होने के कारण यहां सांप्रदायिकता को बढ़ावा देना आसान है, लेकिन एनसीआरबी बताता है कि महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी, जो अपेक्षाकृत विकसित हैं, सामाजिक अपराध बढ़े हैं। वजह साफ है, महाराष्ट्र की सांस्कृतिक बनावट मराठा व गैर-मराठा की है और इस पर सियासत करने वाले दल सत्ता में हैं। वहां विपक्ष में जो पार्टियां हैं, उनकी भी खुराक हिंदू-मुसलमान और मराठी-गैर मराठी जैसे मुद्दे हैं। इसलिए महाराष्ट्र और बिहार-उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के संदर्भ बेशक अलग-अलग हों, लेकिन कारण एक ही है, सामाजिक तनावों का राजनीतिकरण। लिहाजा, राजनीतिक दलों में यह सहमति बननी चाहिए कि धर्म, भाषा और जाति के सवालों पर वे संविधान-सम्मत तौर-तरीकों को अपनाएंगे। जाहिर है, हमें राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया पर ध्यान देना होगा। हमारे यहां नागरिकता-निर्माण के जरिये ही राष्ट्र-निर्माण होगा। यूरोप में राष्ट्र-निर्माण में धर्म और भाषा ने बड़ी भूमिका निभाई थी, लेकिन हम बहुभाषी और बहुधर्मी देश हैं। यहां एक बार धर्म के आधार पर पाकिस्तान बन चुका है, इसलिए धर्म वाले रास्ते पर जाने से और बिखराव पैदा होगा। हमें समझना होगा कि अलग होने के बावजूद पाकिस्तान एकजुट नहीं रह सका और धर्म के नाम पर वहां इस कदर झगड़े बढ़े कि पूर्वी पाकिस्तान को अलग होना पड़ा। अपने यहां इसको लेकर पहले से सतर्कता रखी गई है। भाषा के सवाल पर हमने भाषायी राज्यों का गठन करके भाषायी असुरक्षा को घटाया है। आज तमिलनाडु में कोई द्रविड़स्तान की मांग नहीं करता। ओडिशा और बंगाल, महाराष्ट्र और गुजरात, पंजाब और हरियाणा जैसे तमाम राज्यों में अब भाषा के आधार पर कोई तनाव नहीं है। जैसे हमने भाषा को सम्मान देते हुए बहुभाषी भारत को स्वीकार किया, उसी तरह बहुधर्मी भारत को स्वीकार करने के लिए नई पीढ़ी को तैयार करना पड़ेगा। आजकल चारों तरफ 'कॉमन कॉज', यानी सामान्य नागरिक अधिकार की वकालत खूब हो रही है। पुरानी पीढ़ी बेशक अपने सवालों को धर्म और जाति के चश्मे से देखने की आदी हो, लेकिन नए उम्र के बच्चे मानने लगे हैं कि धर्म आस्था की चीज है और जाति सामाजिक जीवन का आधार। आज उनकी जरूरत रोजी, रोटी और सुरक्षा है। इसलिए नियमों को बदलना जरूरी है। इस लिहाज से तीन चरणों में समाधान दिख रहा है। पहला, सभी को नागरिक के रूप में कानून और मर्यादा के साथ जीने का अधिकार मिलना चाहिए। धर्म, भाषा, जाति और लिंग-भेद की दृष्टि से नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था के संदर्भ में सभी को भारत मात्र का नागरिक मानना जरूरी है। दूसरा चरण, हमें नागरिकता-निर्माण की तरफ ध्यान देना होगा। इसमें शिक्षा, मीडिया, राजनीतिक दल और धर्म व संस्कृति के केंद्रों का भी खासा योगदान है। और तीसरा, जहां कहीं जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, लिंग-भेद या अमीरी-गरीबी के आधार पर कोई अन्याय कर रहा हो, उससे सख्ती से और कम समय में निपटना जरूरी है। अगर न्याय-व्यवस्था और पुलिस व्यवस्था आपत्तिजनक परिस्थिति से जुड़े अपराधों को लेकर न्यूनतम समय में स्पष्ट न्याय का अभ्यास करने लगेंगे, तो लोग आपस में उलझने के बजाय पुलिस व न्यायालय पर भरोसा करेंगे। कुल मिलाकर, कानून-व्यवस्था को सुधारना होगा, सत्ता-व्यवस्था को अपने अंदर झांकना होगा और नागरिकता के निर्माण की तरफ ध्यान देना होगा

प्रवीण कुमार सिंह

फिर सामने आई शैक्षिक तंत्र की नाकामी, छात्रों की मानसिक सेहत पर होंगे गंभीर दुष्प्रभाव

ऐसे में इस नीति की व्यापक समीक्षा और खासतौर से कोविड के बाद उसके नए सिरे से संयोजन की आवश्यकता है। चूंकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति कोविड से पहले के दौर में तैयार हुई थी तो हमें कोविड उपरांत उभरते परिदृश्य को देखते हुए उसमें आवश्यक संशोधन करने चाहिए। वास्तव में हमें शिक्षा के समूचे ढांचे पर ही पुनर्विचार की दरकार है। अन्यथा भारत लंबे समय तक मध्यम एवं निम्न आय वाला देश बना रहेगा। इतना ही नहीं मौजूदा व्यवस्था के छात्रों की मानसिक सेहत पर भी खासे गंभीर दुष्प्रभाव देखे जाएंगे और अतिवादी कदम उठाना बेहद आम हो जाएगा। इस स्थिति में सुधार के लिए यह बड़ी कार्रवाई का समय है।

दिल्ली विश्वविद्यालय यानी डीयू देश में उच्च शिक्षा के सबसे पसंदीदा संस्थानों में से एक है। गत सप्ताह डीयू ने प्रवेश सूची जारी की, जिसमें यही दिखा कि कई पाठ्यक्रम ऐसे हैं, जिनमें प्रवेश के लिए कटआफ शत प्रतिशत अंकों तक चला गया। यह हमारे शैक्षिक तंत्र की नाकामी के साथ-साथ हमारी सोच और समाज की नाकामी का भी संकेत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) समिति का सदस्य होने के नाते मैंने अपने अनुभवों के आधार पर आमूलचूल और तंत्रात्मक सुधारों की पैरवी की थी। पिछली सदी के अंतिम दशक की बात करें तो 55 प्रतिशत से अधिक और 60 प्रतिशत से कम प्राप्तांक को 'गुड सेकेंड' के रूप में एक बड़ी उपलब्धि माना जाता था। वहीं किसी एक या दो विषय में 75 प्रतिशत अंकों के साथ विशिष्ट योग्यता (डिस्टिंकशन) की स्थिति पूरे परिवार की प्रसन्नता का माध्यम बनती। अब 95 प्रतिशत अंकों का पिछली सदी के अंतिम दशक के 50 प्रतिशत अंकों जितना ही मोल रह गया है। जिन छात्रों को 97,98 या यहां तक कि 99 प्रतिशत अंक मिले, वे भी हालिया रिलीज कटआफ में स्थान नहीं बना पाए। जिन्हें शत प्रतिशत अंकों के साथ प्रवेश मिला, उनके लिए एक कड़वी सच्चाई यही है कि उन्हें आगे और कड़ी चुनौतियां झेलनी हैं। स्पष्ट है कि यह एक ऐसा मसला है, जिसे हमें न केवल समझना होगा, बल्कि उस पर चिंतित होने की आवश्यकता भी है।

शत प्रतिशत अंक प्राप्त करना इतनी बड़ी उपलब्धि है कि उसे हासिल करने वाले बच्चों के माता-पिता उस पर बेहद खुश होंगे और संभव है कि वे अपने बच्चों की उत्कृष्टता का बखान करते नहीं थकेंगे। यह भी इस पर जश्न मनाने की एक वजह है। वहीं जिन छात्रों को शत प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं हुए, वे अफसोस कर रहे होंगे कि मात्र दो-तीन फीसद के अंतर से इस उपलब्धि से वंचित रह गए। विशिष्ट योग्यता के बारे में तो आज कुछ न ही कहा जाए तो बेहतर, जिसका प्रवेश के दृष्टिकोण से कोई मूल्य-महत्व नहीं रहा। ऐसे में शत प्रतिशत अंक हासिल करने में नाकामी की आशंका को लेकर छात्रों की मानसिक अवस्था की कल्पना ही डराती है।

अब शत प्रतिशत अंक कीवर्डस के आधार पर दिए जाते हैं। जो छात्र सही कीवर्डस के साथ उत्तर देता है, वह शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है। कोई परीक्षक अक्सर यह भी सोचता है कि हर किसी को सौ फीसद अंक नहीं दिए जा सकते तो कुछ छात्रों को शत प्रतिशत अंक प्रदान करने के बाद उसका पैमाना कुछ बदल जाता है। इस प्रकार परीक्षक की मानसिक अवस्था अन्य छात्रों के पूर्ण अंक प्राप्त करने में बाधा बन जाती है।

क्या साल भर की मेहनत का तीन घंटे की परीक्षा के दौरान परीक्षण किसी अभ्यर्थी की क्षमताओं को परखने के लिए पर्याप्त है? वास्तव में यदि ऐसी परीक्षा में कोई पूरे अंक प्राप्त भी कर ले, तो यह उसका उचित मूल्यांकन नहीं होगा। भविष्य में आटोमेशन बढ़ने के साथ ही ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं जहां अधिकांश छात्रों को शत प्रतिशत अंक मिलें। ऐसी स्थिति के लिए हम कितने तैयार हैं?

जो छात्र शत प्रतिशत या 90 प्रतिशत तक अंक प्राप्त कर रहे हैं उनके अवचेतन में यह बात घर करती जाएगी कि शत प्रतिशत अंक एक मानदंड है। इससे बड़ी त्रसदी यह है कि वे सफलता को अंकों के पैमाने पर ही तौलने लगेंगे। उन्हें यह भी लगने लगेगा कि चूंकि वे शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर रहे हैं तो वे अद्वितीय और सदैव सही हैं। मेरे हिसाब से यह शत प्रतिशत अंकों के साथ सबसे बड़ा नकारात्मक पहलू है। इन प्रतिभाशाली युवाओं के दिमाग में यही बात बैठ जाएगी कि वे कभी गलत नहीं हो सकते और उनके लिए शत प्रतिशत से कम अंक स्वीकार्य नहीं होंगे। न ही उन्हें दूसरे पायदान पर रहना किसी सफलता का अहसास कराएगा। वास्तव में सदैव शीर्ष पर रहना ही उनकी मनःस्थिति बन जाएगी।

इस प्रकार देखा जाए तो शत प्रतिशत और यहां तक कि 90 फीसद अंक एक तरह से भावनात्मक रूप से अशक्त छात्र तैयार कर रहे हैं। भविष्य में उन्हें इससे कमतर सफलता मिलेगी तो वे उससे कुंठित हो जाएंगे। हमने देखा भी है कि बीते कुछ वर्षों के दौरान छात्रों के बीच आत्महत्या का रुझान कैसे बढ़ा है। अपनी भावी पीढ़ियों को पढ़ाई में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने की होड़ में धकेलकर क्या हम मानसिक स्वास्थ्य की एक बड़ी चुनौती को अनदेखा कर रहे हैं?

एनईपी के लिए अपनी सिफारिशें देने से पहले मैंने शिक्षा को लेकर गहन शोध किया था। मेरा विश्लेषण यही था कि आज जो पढ़ाया जा रहा है, वह शायद आने वाले पांच से दस वर्षों के दौरान रोजगारपरक न रह जाए, क्योंकि दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। इतना ही नहीं आटोमेशन के कारण संभवतः कई तरह के मौजूदा रोजगारों का भविष्य में कोई वजूद ही न बचे। मैंने पाया कि किसी व्यक्ति की सफलता में बुद्धिमत्ता का 20 प्रतिशत तक योगदान होता है। ऐसे में शत प्रतिशत अंक हमें बहुत दूर तक नहीं ले जाएंगे। इसके अतिरिक्त हमें योग्यता के मूल्यांकन का दायरा बढ़ाकर उसमें बुद्धिमत्ता के साथ-साथ भावनात्मक, रचनात्मक, आध्यात्मिक और स्वास्थ्य गुणांकों को भी शामिल करना चाहिए। वैसे भी आज जो भी पढ़ाया जा रहा है और जिस प्रकार मूल्यांकन हो रहा है, वह शायद एक दशक में अप्रासंगिक हो जाए। ऐसे में क्या 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने के लिए इतनी भागदौड़ करना और जोखिम उठाना उचित है?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति वैसे तो वर्ष 2020 में जारी की गई, लेकिन वह तैयार 2018 में ही हो गई थी, जिसमें 2019 के दौरान कुछ आवश्यक संपादन हुए। ऐसे में इस नीति की व्यापक समीक्षा और खासतौर से कोविड के बाद उसके नए सिरे से संयोजन की आवश्यकता है। चूंकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति कोविड से पहले के दौर में तैयार हुई थी तो हमें कोविड उपरांत उभरते परिदृश्य को देखते हुए उसमें आवश्यक संशोधन करने चाहिए। वास्तव में हमें शिक्षा के समूचे ढांचे पर ही पुनर्विचार की दरकार है। अन्यथा भारत लंबे समय तक मध्यम एवं निम्न आय वाला देश बना रहेगा। इतना ही नहीं मौजूदा व्यवस्था के छात्रों की मानसिक सेहत पर भी खासे गंभीर दुष्प्रभाव देखे जाएंगे और अतिवादी कदम उठाना बेहद आम हो जाएगा। इस स्थिति में सुधार के लिए यह बड़ी कार्रवाई का समय है।

आतंक का नया ट्रेंड

जम्मू कश्मीर में पिछले दिनों हुई आतंकी घटनाएं कई कारणों से चिंताजनक हैं। अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को मिला विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद बड़े पैमाने पर उथलपुथल की आशंका को गलत साबित करते हुए सुरक्षा बलों ने यहां काफी हद तक शांति बनाए रखने में कामयाबी हासिल की थी। हाल की घटनाओं से शांति भंग होने का संदेश जा रहा है, जो अच्छा नहीं है। मंगलवार को 68 वर्षीय केमिस्ट माखनलाल बिंद्रू समेत तीन लोगों की हत्या किए जाने के दो दिन बाद ही आतंकवादी श्रीनगर के एक सरकारी स्कूल में घुस आए और प्रिंसिपल सतिंदर कौर और शिक्षक दीपक चांद की हत्या कर दी।

एक हफ्ते में श्रीनगर में ही सात नागरिक मारे जा चुके हैं। दूसरी बात यह कि इन आतंकी घटनाओं के पीछे एक अलग पैटर्न दिख रहा है। आतंकी इस बार आम लोगों को और उनमें भी गैर-मुस्लिमों को निशाना बना रहे हैं। इसमें भारी-भरकम हथियार भी इस्तेमाल नहीं किए जा रहे। ज्यादातर घटनाओं में पिस्तौल का उपयोग किए जाने की सूचना है। यह काम उन नए लोगों से भी करवाया जा सकता है, जिन्हें खास ट्रेनिंग देने का मौका नहीं मिला हो। यानी पाकिस्तान के आतंकी शिविरों में प्रशिक्षित आतंकवादियों के बजाय आतंकी प्रवृत्ति के स्थानीय युवाओं के सहारे आतंकवाद के इस नए रूप को आगे बढ़ाया जा सकता है।

आम लोगों को निशाना बनाना अपेक्षाकृत आसान भी है। इसके लिए बहुत गहरी प्लानिंग की जरूरत नहीं होती। इन सबके अलावा इसका एक और अहम पहलू है। इस पर अफगानिस्तान के हालिया घटनाक्रम की भी छाप दिखती है। अमेरिका की वापसी के बाद जब से तालिबान सत्ता में आए हैं, अफगानिस्तान के शहरों में बंदूकधारियों द्वारा चुन-चुनकर महिला कार्यकर्ताओं, सोशल वर्करों और पत्रकारों को निशाना बनाया जा रहा है। इसके सहारे यह संदेश दिया जा रहा है कि अब अफगानिस्तान में उनकी जरूरत नहीं है। चूंकि तालिबान और कश्मीर में सक्रिय आतंकवाद, दोनों को पाकिस्तान का समर्थन हासिल है, इसलिए कश्मीर में तालिबान शैली को अमल में लाए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

जाहिर है, इस साजिश को शुरू में ही खत्म करना पड़ेगा। अगर यह कुछ दूर भी चल गई तो न केवल जम्मू कश्मीर में शांति व्यवस्था को बल्कि वहां के सामाजिक ताने-बाने को भी तहस नहस कर सकती है। चूंकि इसमें स्थानीय कारकों की भूमिका ज्यादा है, इसलिए चुनौती भी कठिन है। न केवल सुरक्षा बलों को अपनी चौकसी बढ़ानी पड़ेगी बल्कि अपने खुफिया नेटवर्क को भी चाक-चौबंद रखना पड़ेगा। इसके अलावा समाज के अलग-अलग हिस्सों में दूरियां बढ़ाने की साजिशों को लेकर खास सतर्क रहना होगा। आतंकी नेटवर्क अफवाहों के सहारे भी दूरियां बढ़ाने और फिर उसका फायदा उठाने की ताक में रहता है। हर संभव तरीके से इन साजिशों को नाकाम करने और कश्मीरियों के हर तबके तक पहुंच बनाते हुए उन्हें विश्वास में लेने के प्रयास साथ-साथ करने होंगे।

एनसीआर का सिकुड़ा दायरा- बड़े शहर की बड़ी टेंशन!

एनसीआर प्लानिंग बोर्ड ने इसकी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को कम कर दिया है. अब यह 55083 वर्ग किमी से घट कर 37115 वर्ग किमी का रह गया है. इसको नापने के लिए दिल्ली के राजघाट को केंद्र बनाया गया है और उससे चारों तरफ 100 किमी के दायरे को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रखा गया है. यह एक तरह से ठीक भी है. अनावश्यक रूप से दिल्ली से दूरस्थ कई इलाक़ों को उन नियम-क़ानूनों को मानना पड़ता था, जो उस क्षेत्र के लिए ग़ैर-ज़रूरी हैं. हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि इससे उनके विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा. दूसरी तरफ़ कुछ लोग कहते हैं, कि हाशिए पर आने वाले शहर न तो एनसीआर प्लानिंग बोर्ड से फ़ायदा उठा पा रहे थे न संबंधित राज्य सरकारों की योजना का. जबकि उनकी कमाई का उपभोग राज्य सरकारें करती थीं.

अब देखिए, दिल्ली से जयपुर जाओ या हरिद्वार या चंडीगढ़. तीन विपरीत दिशाओं के इन शहरों की दूरी समान है. सब दिल्ली से करीब ढाई-तीन सौ किमी की दूरी पर स्थित हैं. थोड़ी इससे कम दूरी आगरा की है. लेकिन आगरा के सिवाय बाकी के तीनों शहरों की तरफ जाना और वापस दिल्ली आने के नाम से ही दिमाग में एक टेंशन रहता है कि किसी तरह बॉर्डर से दिल्ली पहुंच जाया जाए! पिछले दिनों मुझे जयपुर जाना था, और कार से गए. साथियों ने कह दिया था कि सुबह छह बजे ही दिल्ली छोड़ देना वर्ना मानेसर पहुंचने में ही तीन घंटे लग जाएंगे. सुबह छह बजे तैयार होकर गाड़ी निकाली तो पाया धुंध के कारण आगे बढ़ना मुश्किल. धौला कुआं पहुंचते-पहुंचते आठ बज गए और इसके बाद मानेसर क्रास करने में दो घंटे और लगे. इस तरह कुल 280 किमी की यात्रा में मुझे पूरे आठ घंटे लग गए. अगले रोज़ जब वापसी हुई तो मानेसर पहुंचा साढ़े चार बजे और इसके बाद दिल्ली-गुरुग्राम का जाम पार करने में चार घंटे लग गए. ऐसी ही यात्रा चंडीगढ़ जाने-आने में होती है. सोनीपत तक पहुंचना और सोनीपत से दिल्ली तक आना रुला देता है. जाम तो मिलता ही है, अक्सर रूट डायवर्जन के चलते भटकना पड़ता है. दिल्ली-हरिद्वार मार्ग पर भी यह त्रासदी झेलनी पड़ती है. सवाल यह है कि देश के किसी भी बड़े शहर के करीब पहुंचकर अपने गंतव्य तक जाने में इतनी परेशानी क्यों होती है. वे शहर चाहे मुंबई हों या कोलकाता, चेन्नई अथवा बेंगलुरु. शहर के अंदर दाखिल होना एक बड़ी समस्या है. ईंधन और समय की बर्बादी तो होती ही है. जाम में उलझे लोग अक्सर अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं और बात-बेबात लड़ने लगते हैं. ये जो रोड-रेज़ की घटनाएं बढ़ रही हैं, इसके पीछे एक बड़ी वज़ह यह जाम का झाम भी है. आज किसी व्यक्ति को दिल्ली-एनसीआर से लखनऊ जाना हो तो पता चलता है कि जितना समय उसे दिल्ली के जाम में देना पड़ता है, लगभग उतने ही और समय में व्यक्ति दिल्ली से लखनऊ पहुंच जाता है. पिछले दिनों लखनऊ से नोएडा के महामाया चौक तक, यानी कोई 485 किमी का फासला तय करने में मुझे कुल पांच घंटे लगे. पर इसके बाद वसुंधरा स्थित अपने घर पहुंचने में मुझे तीन घंटे और लग गए. जबकि महामाया चौक से मेरा घर कुल 18 किमी की दूरी पर है. इसकी मुख्य वज़ह है दिल्ली-एनसीआर में रोजाना हजारों लोग ऐसे होते हैं, जो रहते तो अन्य शहरों में हैं लेकिन नौकरी करने दिल्ली आते हैं. यानी अभी तक इस बात का कोई विकल्प नहीं निकला है कि कैसे जल्द से जल्द स्मार्ट शहर विकसित कर लिए जाएं, जिससे महानगरों में रहने वालों को फ़िज़ूल में समय जाया न करना पड़े. अगर हर सूबे में ऐसे शहर विकसित हो गए तो महानगरों पर पड़ने वाला यह भार कम हो जाएगा.

आज़ादी के बाद से यह एक परंपरा चल निकली है कि राजधानी और उसके आसपास का विकास किया जाए और बाकी के परंपरागत शहरों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाए. यही कारण है कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, जयपुर, लखनऊ, पटना, हैदराबाद आदि शहर तो फैलते गए लेकिन कानपुर, जलंधर, लुधियाना जैसे औद्योगिक शहर इन्फ्रास्ट्रक्चर के अभाव में पिछड़ते गए. अभी ज्यादा वक़्त नहीं गुज़रा जब राजधानियों में सिर्फ सचिवालय में काम करने वाला बाबू वर्ग रहता था अथवा कुछ जरूरत की चीज़ें बेचने वाले व्यापारी. तब दिल्ली में ही शाम छह के बाद सडकों पर सन्नाटा पसरने लगता था और ज्यादा देर हो जाए तो सार्वजनिक परिवहन तक नहीं उपलब्ध होता था. उसी दिल्ली में आज सारी रात बसें मिलती हैं और रात ढाई बजे भी आईटीओ जैसे चौराहे पार करने के लिए दो से तीन मिनट तक रुकना पड़ता है.

कुछ ऐसा ही हाल राज्यों की राजधानियों का भी है. मगर इसके विपरीत बहुत सारे शहर ऐसे भी हैं जहां से लोग पलायन कर रहे हैं, क्योंकि वहां रोज़गार नहीं है, काम-धंधा ठप पड़ा है. इसकी वज़ह वहां पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का घटते जाना है. किसी भी शहर को विकसित होने के लिए वहां बिजली, सड़क और पानी की सुविधा तो जरूरी है ही, साथ में क़ानून-व्यवस्था का चौकस होना भी है.

लेकिन अब सिवाय राजधानियों के अन्य शहरों में पीने के पानी का घोर अभाव है, बिजली की आवाजाही लगी ही रहती है और सड़कें चलने लायक नहीं बची हैं. क़ानून-व्यवस्था का आलम है कि सरे आम लूट हो जाती है. यही कारण है कि 40 लाख की आबादी वाला कानपुर शहर अब उद्योग शून्य हो चला है और वहां के युवक भाग कर दिल्ली आ रहे हैं.इसकी एक खास वज़ह तो राजनीतिकों की अपनी सुविधापरस्ती है. वे अपनी सुविधा और अपने वोटबैंक के लिहाज़ से शहरों का विकास कराते हैं.

मजबूत होती नए भारत की नींव, मोदी सरकार में लगातार हो रहे आर्थिक सुधार और बड़े फैसले

ऐसे और भी कई उदाहरण हैं, जो उनके कामकाज की इनोवेटिव कार्यशैली को दर्शाते हैं। 130 करोड़ भारतीयों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, चाहे वे किसी भी जाति, धर्म अथवा क्षेत्र से हों, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी की कार्यसंस्कृति में सबके लिए बेहतर जीवन जीने हेतु इनोवेटिव योजनाओं के लक्ष्य को अविलंब पूरा करने की ललक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वह पूरी शिद्दत से सबका सर्वांगीण विकास चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोई भी यह महसूस कर सकता है कि एक मजबूत और समृद्ध नए भारत की नींव तेजी से रखी जा रही है, जिसका सकारात्मक प्रभाव आने वाली पीढ़ियां सदियों तक महसूस करेंगी।

मई 2014 में जनता के आशीर्वाद और अथाह समर्थन से नरेन्द्र मोदी ने पूर्ण बहुमत के साथ जब देश की बागडोर संभाली, तब वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीन दशकों में पहले प्रधानमंत्री बने। यह केवल उनकी लोकप्रियता के आधार पर दिया गया जनादेश नहीं था, बल्कि यह कांग्रेस सरकार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, सुस्त आर्थिक विकास और वंशवादी सामंतवाद से निराश देश द्वारा भविष्य के भारत का निर्माण करने की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले जन-नेता के लिए देश की जनता द्वारा दिया गया आशीर्वाद था। उनकी कार्यसंस्कृति और उनके निर्णायक फैसलों में हम इसकी अनुभूति कर सकते हैं कि किस तरह वह हर दिन अतीत की बेड़ियों को तोड़ते हुए देश को प्रगति के पथ पर गतिशील कर रहे हैं। मोदी सरकार में आर्थिक सुधार और बड़े फैसले लगातार हो रहे हैं। चाहे वह हाल ही में लाई गई नेशनल मोनेटाइजेशन पाइपलाइन योजना हो, जीएसटी का कार्यान्वयन हो, आइबीसी से जुड़े निर्णय हों, जैम (जन-धन, आधार, मोबाइल) का क्रियान्वयन हो या फिर कंपनी अधिनियम के तहत गैर-अपराधीकरण जैसे बड़े फैसले-ये निर्णय वह इसलिए ले पाए, क्योंकि जानते हैं कि ये देश के लिए सही फैसले हैं और इससे देश को दीर्घकालिक लाभ होगा। भारत के समृद्ध भविष्य के लिए उनकी राष्ट्रीय हित और दूरदर्शिता वाली सोच बड़ी समस्याओं से निपटने के उनके साहस को रेखांकित करती है। भारत के लिए उनका यह दृष्टिकोण आत्मनिर्भर भारत और वोकल फार लोकल जैसे कदमों में भी परिलक्षित होता है, जिसने मेक इन इंडिया की अपनी भव्य

महत्वाकांक्षा से दुनिया को चकित कर दिया।

नरेन्द्र मोदी ने देश को विकास के पथ पर तेज गति से अग्रसर तो किया ही है, साथ ही उन्होंने विरासत में मिले दीर्घकालिक विवाद के मुद्दों का स्थायी समाधान निकाला। एक राष्ट्र, जो विरासत में मिलने वाली बड़ी समस्याओं का समाधान नहीं ढूंढ़ पाता, वह कभी भी विकास नहीं कर सकता। श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण का निर्णय, जम्मू-कश्मीर का देश के साथ पूर्ण एकीकरण और ब्रू-रियांग, बोडो और कार्बी आंगलांग जैसे ऐतिहासिक शांति समझौते अपने आप में बड़ी उपलब्धियां हैं, जो उनकी इस इच्छा का प्रतीक है कि भले ही उन्हें कितना ही बड़ा जोखिम क्यों न उठाना पड़े, पर वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसा राष्ट्र छोड़ कर जाना चाहते हैं, जहां विरासत में मिली देश को तोड़ने वाली कोई समस्या न हो और तेज विकास के लिए देश में सभी बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार हो।

गुजरात का मुख्यमंत्री बनते ही नरेन्द्र मोदी के सामने एक ऐसा दुरूह कार्य था, जिसे करने की हिम्मत शायद ही कुछ लोगों में थी। गुजरात में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भुज और कच्छ में राहत और पुनर्वास के कार्य शिथिल पड़ रहे थे और परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर राज्य में असंतोष फैल रहा था, लेकिन उन्होंने गंभीरता से इसे एक चुनौती के रूप में लेते हुए बड़े पैमाने पर आपदा प्रबंधन का कार्यक्रम तैयार किया जो गुजरात ही नहीं, देश का गौरव बन गया। यहां तक कि इस आपदा प्रबंधन की योजना से दूसरे राज्यों ने भी सीख ली और इसके आधार पर भविष्य की आपदा प्रबंधन की नीतियां तय कीं। हालांकि यह सिर्फ शुरुआत थी, क्योंकि उन्होंने अगले 12 वर्षो तक एक अविस्मरणीय लक्ष्य की दिशा में काम किया, जिसका एक ही मकसद और उद्देश्य था-गुजरात को अनुसरण और प्रतिस्पर्धा के लिए योग्य राज्य के रूप में स्थापित करना। गुजरात के बिजली क्षेत्र में सुधार, विशेष रूप से फीडर सेपरेशन प्रोग्राम को तब तक असंभव माना जाता रहा, जब तक कि यह एक वास्तविकता नहीं बन गया। इस योजना ने राज्य में सभी के लिए 24 घंटे बिजली की अबाध आपूर्ति सुनिश्चित की। सुजलाम सुफलाम कार्यक्रम ने राज्य के लिए वाटर ग्रिड की आधारशिला रखी।

सरदार सरोवर परियोजना को पूरा किया गया और सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा-स्टैच्यू आफ यूनिटी का निर्माण कराया गया। इन सभी परियोजनाओं को शुरू करने और इनके पूरा होने की उम्मीद किसी ने भी नहीं की थी, पर बड़े सपने देखने और इसे जमीन पर उतारने की नरेन्द्र मोदी जी की यह चाहत ही है कि उन्होंने हर बार असंभव को संभव कर दिखाया।

इसी तरह व्यापारियों के राज्य के रूप में पहचाने जाने वाले गुजरात को उन्होंने उद्योगों वाले राज्य के रूप में स्थापित किया और प्रदेश को एक प्रमुख निजी निवेश गंतव्य के रूप में दुनिया भर में प्रसिद्ध किया। नरेन्द्र मोदी की एक प्रमुख एवं प्रभावशाली विशेषता यह भी रही कि उन्होंने अधिकारियों को अन्य राज्यों से भी अच्छे कार्यो को सीखने के लिए प्रेरित किया। साधारणतः संकीर्ण मानसिकता वाले लोगों के लिए दूसरों से सीखना असंभव होता है, लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि गुजरात सरकार के अधिकारी हर जगह से सीखें और अपने राज्य के लाभ के लिए इसे तदनुसार अमल में लाएं।

ऐसे और भी कई उदाहरण हैं, जो उनके कामकाज की इनोवेटिव कार्यशैली को दर्शाते हैं। 130 करोड़ भारतीयों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, चाहे वे किसी भी जाति, धर्म अथवा क्षेत्र से हों, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी की कार्यसंस्कृति में सबके लिए बेहतर जीवन जीने हेतु इनोवेटिव योजनाओं के लक्ष्य को अविलंब पूरा करने की ललक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वह पूरी शिद्दत से सबका सर्वांगीण विकास चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोई भी यह महसूस कर सकता है कि एक मजबूत और समृद्ध नए भारत की नींव तेजी से रखी जा रही है, जिसका सकारात्मक प्रभाव आने वाली पीढ़ियां सदियों तक महसूस करेंगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

एक नजर

गया में विजयदशमी और जुमा को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम और एसएसपी ने लिया सुरक्षा का जायजा

गया । विजयदशमी की एक तरफ पूजा पंडाल में धूम है। शहर में रौनक है। लोग मां की विदाई करने में लगे हैं। पूरे श्रद्धा और भक्ति के साथ महिलाएं बच्चे और बड़े मंदिरों में पूजा कर रहे हैं। विजयदशमी के साथ ही दशहरा की समाप्ति हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ मुस्लिम समाज का आज जुमा है यानी, शुक्रवार। इस दिन शहर के मस्जिदों में सामूहिक नमाज अदा की जाती है। जहां मुस्लिम समाज की भीड़ रहती है एक तरफ पूजा पंडाल में हिंदुओं की तो दूसरी तरफ मस्जिदों में मुस्लिमों की भीड़ देखते ही बन रही है। दोनों समाज के बीच समन्वय, सौहार्द, शांति और भाईचारा बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन के आला अधिकारी सड़कों पर निकले और पूरे शहर का भ्रमण किया। इस दौरान शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायदा लेने के लिए गया के जिला पदाधिकारी अभिषेक सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक आदित्य कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार, डीएसपी नगर पारसनाथ साहू, डीएसपी विधि व्यवस्था भरत सोनी, नगर आयुक्त सावन कुमार सहित आला अधिकारियों का काफिला समाहरणालय से निकला जो शहर के केदारनाथ मार्केट जीबी रोड प्रधान डाकघर छत्ता मस्जिद कोतवाली टावर चौक होते हुए दुखहरणी नई गोदाम पंचायती अखाड़ा आदि स्थानों का भ्रमण किया। मंदिरों और मस्जिदों में प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी और आला अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए हैं। दोनों समुदाय के भीड़ को कैसे नियंत्रित करना है, कहीं भी सामाजिक सौहार्द ना बिगड़े इसका पूरा ख्याल रखना है। साथ ही संवेदनशील इलाकों में पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। चूंकि विजयदशमी के दिन लगभग मां दुर्गा और काली की प्रतिमा विसर्जन किया जाता है। देर शाम शुक्रवार को गया जिले के लगभग सभी प्रतिमाएं गाजे बाजे के साथ उठेगी जो शहर भ्रमण करते हुए विष्णुपद थाना क्षेत्र के रुकमणी तलाब एवं कोतवाली थाना क्षेत्र के रामकुंड तलाब में विसर्जित की जाएगी।

राम मंदिर न्यास के कार्यकारी अध्यक्ष का कांग्रेस पर गंभीर आरोप, कहा- चीन का साथ दे रहे राहुल गांधी

इटावा । राम मंदिर न्यास के कार्यकारी अध्यक्ष रामविलास वेदांती ने कांग्रेस नेताओं पर जमकर निशाना साधा है। वेदांती ने कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी और राहुल गांधी को आड़े हाथ लिया। वेदांती ने कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती कि देश में शांति और स्थिरता रहे, जहां-जहां भी प्रियंका और राहुल जा रहे हैं, वहां आतंकवाद फैलता जा रहा है। वेदांती ने कहा कि चीन हमारे देश में अराजकता फैलाने में लगा हुआ है, ये कांग्रेसी गद्दारी कर देश में अराजकता फैलाने के लिए चीन का साथ दे रहे हैं। बता दें कि वेदांती दशहरा पर निकलने वाली राम विजय यात्रा में शामिल होने के लिए इटावा आए थे, इस दौरान उन्होंने कहा कि साल 2017 की ही तरह 2022 में एक बार फिर बीजेपी की सरकार प्रदेश में बनेगी। दुनिया की कोई ताकत उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनने से रोक नहीं सकती। प्रदेश की रामभक्त जनता ने बीजेपी का काम देख लिया है। कांग्रेस को 20 सीट नहीं मिलेगी। पूर्व सांसद ने कहा कि कांग्रेस आतंकवादियों से मिलकर देश में अस्थिरता पैदा करना चाह रही है, राहुल गांधी और कांग्रेस चीन के साथ मिलकर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

पश्चिम चंपारण में बस के ठोकर से बाइक सवार की मौत, विरोध में ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

पश्चिम चंपारण । सिकटा- बेतिया मार्ग मैनाटांड़ के समीप त्रिवेणी नहर पर एक बस ने बाइक को शुक्रवार की सुबह में ठोकर मार दी। बाइक पर सवार सिकटा के व्यवसायी नंदकिशोर सर्राफ (35) गंभीर रुप में जख्मी हो गये। इलाज के लिए ले जाते वक्त जख्मी की मौत हो गयी। व्यवसायी सिकटा से बाइक से इनरवा जा रहा था। ग्रामीणों ने इसकी मैनाटांड़ पुलिस को दी। लेकिन पुलिस समय से नहीं पहुंची। बस चालक फरार हो गया। बस बेतिया से इनरवा जा रही थी। पुलिस के विलंब से पहुंचने से नाराज लोगों ने शव को सड़क पर रखकर जमकर हंगामा किया। पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना पर मैनाटांड़ के अंचलाधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। आक्रोशित लोगों को समझाया जा रहा है। लेकिन लोग घटनास्थल पर एसपी और डीएम को बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं। आक्रोशितों का कहना है कि पुलिस की लापरवाही की वजह से बस चालकों की मनमानी बढ़ी है। समय से पुलिस पहुंची होती तो चालक गिरफ्तार कर लिया जाता। सीओ ने बताया कि आक्रोशितों को समझाया जा रहा है। वरीय अधिकारियों को सूचित किया जा रहा है।

अब सात नवंबर को पिपरा कोठी आएंगे उपराष्ट्रपति, कृषि विश्विद्यालय के दीक्षांत समारोह में लेंगे भाग

मोतिहारी/समस्तीपुर । डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह 8 नवंबर की जगह अब सात नवंबर को आयोजित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पी पी श्रीवास्तव की ओर से जारी सूचना का हवाला देते हुए सूचना पदाधिकारी डा कुमार राज्यवर्धन ने बताया कि उपराष्ट्रपति एम वैंकैया नायडू के कार्यलय से जानकारी मिली कि दिल्ली में आठ नवंबर को कुछ आवश्यक कार्य है, जिसके बाद कुलपति डा रमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने उनसे सात नवंबर को आने का आग्रह किया। उसे उपराष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया है। आपको बता दें कि विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह इस बार मोतिहारी के पिपरा कोठी कैंपस में आयोजित किया जाएगा। कुलसचिव कार्यालय से जारी सूचना के अनुसार दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले छात्रों और अभिभावकों की सुविधा के लिये विश्वविद्यालय की ओर से दरभंगा हवाई अड्डा और मुजफ्फरपुर तथा मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर बस सेवा उपलब्ध करवाई जायेगी। यह सुविधा छह को सुबह आठ बजे से लेकर रात्रि आठ बजे तक उपलब्ध रहेगी। तीनों स्थान से हर तीन घंटे पर बस खुलेगी जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र और उनके अभिभावक यात्रा कर सकते हैं। छात्रों और अभिभावकों के रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी विश्वविद्यालय की ओर से की गयी है। दीक्षांत समारोह के भव्य आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय में जोर शोर से तैयारी चल रही है।

मांगों को लेकर सस्ता गल्ला विक्रेताओं का आंदोलन जारी, काम पर नहीं लौटने की चेतावनी

चम्पावत । पांच सूत्रीय मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार पर गए सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने शुक्रवार को भी धरना प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने मांगें पूरी नहीं होने तक काम पर नहीं लौटने की चेतावनी दी है। गल्ला विक्रेताओं के आंदोलन को अन्य संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है। चम्पावत के तहसील में सस्ता गल्ला विक्रेता संघ के बैनर तले विक्रेताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि सरकार उनके धैर्य की परीक्षा ले रही है। जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं की जाती वे राशन वितरण का कार्य नहीं करेंगे। उन्होंने 30 हजार मासिक मानदेय देने, वन नेशन वन कार्ड लागू होने से पूर्व लाभांश व भाड़े में बढ़ोत्तरी करने, स्टेशनरी का खर्च व दुकान का किराया देने, राशन तौल कर देने और गल्ला विक्रेताओं का जीवन बीमा करने की मांग की मांग दोहराई। प्रदर्शन करने वालों में त्रिलोक नाथ, देवेंद्र जोशी, महेंद्र सिंह, श्याम सिंह, दुर्गादत्त, हीरा देवी, प्रकाश सिंह, सीता देवी, चंद्र मोहन, नाथू सिंह, शिवदत्त आदि शामिल रहे। लोहाघाट में पर्वतीय सरकारी सस्ता गल्ला कल्याण समिति के बैनर तले धरना दिया।

छमनियां स्थित खाद्य गोदाम परिसर में उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन करने वालों में संघ अध्यक्ष सुरेश चंद्र जोशी, राजेंद्र फर्त्याल, विक्रम ढेक, हरीश पांडेय, प्रदीप लडवाल, राम सिंह, चंद्र मोहन जोशी, नित्यानंद भट्ट, बालादत्त जोशी, भीम सिंह, पंकज साह, आन गिरी, राजेश जोशी, दीवान सिंह, मोहन सिंह, चंदन सिंह महर, नंदन सिंह शामिल रहे। धूनाघाट खाद्य गोदाम के बाहर तेज सिंह फर्त्याल, प्रदीप सिंह, शंकर दत्त, चतुर सिंह, किशोर सिंह, भूपाल सिंह, प्रताप सिंह, पूरन सिंह आदि ने प्रदर्शन किया। टनकपुर में लक्ष्मण सिंह पाटनी, चर्चित शर्मा, हरीश चन्द, दीपेन्द्र चंद, हरीश चंद, प्रेम चंद, गोपाल सिंह, प्रेम प्रकाश भट्ट, कृष्ण चंद, अश्विनी कुमार, विकास धामी आदि धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। बाराकोट में हरीश तिवारी के नेतृत्व में महा सिंह, सुनील वर्मा, बसंत सिंह आदि ने प्रदर्शन किया।

गोरखनाथ मंदिर में शुरू हुई गोरक्षपीठाधीश्वर की विजयादशमी आराधना, सीएम योगी की अगुवाई में निकलेगा विजय जुलूस

गोरखपुर । मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना सम्पन्न करने के बाद शुक्रवार की सुबह से ही नाथ परंपरा के मुताबिक होने वाली विजयादशमी आराधना की शुरुआत की। शुरुआत श्रीनाथ जी के विशिष्ट पूजन से हुई। नाथ पंथ के विशिष्ट वाद्ययंत्र नागफनी, डमरू और शंख की गूंज के बीच विधि-विधान के साथ उन्होंने पहले श्रीनाथ जी और फिर मंदिर में मौजूद सभी देव-विग्रहों की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी और भोग लगाया।

पूजन का सिलसिला उस शक्तिपीठ से शुरू हुआ, जहां नवरात्र के दौरान पूरे नौ दिन मां भगवती यानी आदिशक्ति की आराधना हुई थी। मुख्यमंत्री ने मां आदिशक्ति के दरबार में हाजिरी लगाई। उसके बाद गाजे-बाजे की धुन की गूंज के बीच विशिष्ट पूजन के लिए श्रीनाथ जी के दरबार में पहुंचे। आधे घंटे से ज्यादा समय तक लगातार उन्होंने परंपरागत शैली में मोरपंख हिलाकर और घंटी बजाकर श्रीनाथ जी की पूजा की।

उसके बाद वह मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों के दरबार में भी गए और उन्हें भी विजयादशमी के पावन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा। सभी देव विग्रहों को भोग लगाकर उन्होंने श्रीनाथ जी की विशिष्ट पूजा सम्पन्न की। इसी क्रम में मुख्यमंत्री मंदिर की गोशाला में भी गए और वहां गो-सेवा की। गोशाला में उन्होंने गाय और बछड़ों की पूजा की और उन्हें भी भोग लगाया। इस दौरान नागफनी, शंख और डमरू की धुन से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा।

गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी का दूसरा आयोजन तिलकोत्सव है, जो दोपहर एक बजे से शुरू होकर तीन बजे तक चलेगा। इस दौरान संत, योगी और भक्त गोरक्षपीठाधीश्वर को तिलक लगाकर उनका आशीर्वाद लेंगे। शाम चार बजे शस्त्र पूजन के बाद भव्य विजयशोभा यात्रा निकलेगी। गोरक्षपीठाधीश्वर विजयरथ पर सवार होकर मानसरोवर मंदिर पहुंचेंगे और वहां वह शक्ति आराधना करने के बाद रामलीला मैदान में भगवान राम का तिलक करेंगे। रामलीला के मंच से मुख्यमंत्री का संबोधन भी होगा, जिसमें वह विजयादशमी का महत्व बताते हुए प्रदेशवासियों को पर्व की बधाई देंगे। देर शाम मंदिर परिसर में सामाजिक समरसता कायम रखने के लिए सहभोज का कार्यक्रम आयोजित है।

गोरखनाथ मंदिर से निकलने वाले विजय शोभायात्रा की सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर गुरुवार को पूरे दिन गोरखनाथ मंदिर में बैठक चली। शाम को एडीजी जोन व कमिश्नर ने फोर्स के साथ फ्लैग मार्च कर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया।शोभायात्रा में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होते हैं।इस बार शोभायात्रा एटीएस कमांडो और आरएएफ के घेरे में निकलेगा। गोरखनाथ मंदिर से मानसरोवर मंदिर तक निकलने वाली शोभायात्रा के रथ पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे।जिसकी सुरक्षा में एएसपी, आठ सीओ, 13 इंस्पेक्टर, 55 दारोगा, 350 सिपाही, 70 महिला सिपाही लगाए गए हैं।रथ के आसपास एटीएस कमांडो और आरएएफ के जवान मौजूद रहेंगे।रास्ते में पड़ने वाले मकान की छत पर भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।सीसी कैमरा और ड्रोन से भी शोभायात्रा की निगरानी की जाएगी।

ओमप्रकाश राजभर अभी भी बीजेपी के साथ आने को इच्छुक, अपनी कुछ शर्तों पर कर सकते हैं समझौता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भागीदारी संकल्प मोर्चा के गठन को जोरदार तैयारी में लगे ओमप्रकाश राजभर अभी भी भारतीय जनता पार्टी के साथ चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने शुक्रवार को मीडिया से वार्ता की। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि हमको विधानसभा चुनाव 2022 में भाजपा के साथ आने में कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा हमारी शर्तों को मानेगी तो हम लोग उनके साथ भी जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति में संभावनाएं बनी रहती हैं। जो पार्टी हमारे मुद्दों के साथ आएगी हम तो उसका साथ देंगे। उन्होंने कहा कि इस पंचायत के दौरान यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर सुभासपा के गठबंधन का एलान किया जाएगा। इस दौरान ओम प्रकाश राजभर ने बीजेपी से भी गठबंधन होने की संभावना से इंकार नहीं किया। हमारी एक प्रमुख मांग है कि सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू हो।

ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि हमारे मुद्दों के साथ जो पार्टी होगी, हम उसका साथ देंगे। हम पूरे प्रदेश में पूर्ण शराब बंदी, मुफ्त शिक्षा, न्याय समिति रिपोर्ट की सिफारिश लागू करने को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। जो भी इस मुद्दे पर हमारे साथ है, उन सबका स्वागत है। ओम प्रकाश राजभर ने इस दौरान कहा कि भाजपा अगर समर्थन करती है तो उनका भी स्वागत है। राजनीति में संभावना बनी रहती है।

लखनऊ में ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि हम 27 अक्टूबर को मऊ के हलधरपुर में पंचायत करने के साथ ही भागीदारी संकल्प मोर्चा के गठन का भी एलान करेंगे। उन्होंने कहा कि जो भी पार्टी हमारे मुद्दों के साथ होगी हम भी उसका साथ देंगे। 27 को मऊ में भागीदारी संकल्प मोर्चा एक साथ दिखेगा। सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि हम 27 अक्टूबर को मऊ के हलधरपुर में भागीदारी संकल्प मोर्चा ऐलान करेंगे। जो भी पार्टी हमारे मुद्दों पर साथ होगी, हम उसका साथ देंगे। मऊ में 27 को भागीदारी संकल्प मोर्चा एक साथ दिखेगा। 27 को ओवैसी तथा चंद्रशेखर के साथ अन्य नेता भी मऊ में रहेंगे। इसके बाद से हम लोग संयुक्त कार्यक्रम जारी कर अपने अभियान में लग जाएंगे। उन्होंने कहा कि 27 अक्टूबर को मऊ की रैली में वंचित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक को संबोधित करेंगे। इस दौरान मंच पर भागीदारी संकल्प मोर्चा में शामिल होने वाले सभी दल दिख सकते हैं। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि भागीदारी संकल्प मोर्चा तमाम मुद्दों पर बनाया गया है। राजभर ने कहा कि 27 अक्टूबर को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का 19वां स्थापना दिवस है। इसी दिन घोषणा होगी कि हम किसके साथ गठबंधन करेंगे।

महानवमी पर कन्फ्यूज अखिलेश यादव विजयादशमी पर अतिरिक्त सतर्क, दी दोनों पर्व की बधाई

लखनऊ। शारदीय नवरात्र में महानवमी तथा रामनवमी को लेकर कन्फ्यूज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजयादशमी पर अतिरिक्त सतर्क थे। शुक्रवार को विजयादशमी पर उन्होंने अपने बधाई संदेश को ट्वीट करने में जरा सी भी चूक नहीं की। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर ट्रोल होने के बाद शुक्रवार को बधाई के ट्वीट को लेकर काफी सतर्क थे। इस बार तो उन्होंने कन्फ्यूजन का कोई रास्ता ही नहीं छोड़ा। उन्होंने ट्वीट किया सभी को विजयादशमी एवं दशहरा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

इससे पहले समाजवादी पार्टी ने पार्टी अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की अखिलेश यादव की तरफ से विजयादशमी पर्व पर प्रदेश के लोगों को बधाई संदेश जारी किया। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी की तरफ से जारी बधाई संदेश में लिखा है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विजयादशमी पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा है कि यह दिन हमें अन्याय पर न्याय की विजय का संदेश देता है। यह सबक भी मिलता है कि अहंकार और अत्याचार का परिणाम सदैव बुरा होता है। अखिलेश यादव ने कहा कि बुराई और असत्य के मुकाबले हमेशा सत्य की जीत होती है। हमें अपने आचरण से सामाजिक सद्भाव एवं परस्पर सौहार्द को बढ़ावा देना चाहिए। इस पर्व से हमें समाज पर हो रहे अन्याय से मुक्ति पाने की भी प्रेरणा मिलती है।

गौरतलब है कि अखिलेश यादव की तरफ से ट्वीट पर गुरुवार को पहले महानवमी के स्थान पर रामनवमी की शुभकामना का संदेश जारी किया गया था। इसके ट्रोल होने के बाद सुधार किया गया और महानवमी का संशोधित बधाई संदेश जारी किया गया।

आदिवासी महोत्सव और राज्योत्सव की तैयारियां शुरू, कलेक्टर, निगम आयुक्त और कप्तान ने लिया जायजा

रायपुर । राजधानी रायपुर के साइंस कालेज मैदान में आदिवासी महोत्सव और राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और एसएसपी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आयोजन स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शहर के साइंस कालेज मैदान में 26 अक्टूबर से आदिवासी महोत्सव और एक नवंबर को राज्योत्सव के आयोजन की पूर्व प्रशासनिक तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर सौरभ कुमार ने नगर निगम आयुक्त प्रभात मलिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल के साथ साइंस कालेज का जायजा लिया।

कलेक्टर और आयुक्त ने मौके पर मौजूद नगर निगम, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, विद्युत पावर कंपनी समेत विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों को राज्य शासन के निर्देश पर सभी आवश्यक तैयारियां पुख्ता तरीके से समय सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा है। उन्होंने कहा कि तय दिशा-निर्देशों में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तैयारियों की लगातार मॉनिटरिंग करने के साथ विभागीय समन्वय स्थापित कर पूरा करवाने के निर्देश दिए। नगर निगम के अधिकारियों को आदिवासी महोत्सव और राज्योत्सव के आयोजन को ध्यान में रखकर साइंस कालेज परिसर की सफाई करवाकर कचरा परिवहन करवाने को कहा गया। कलेक्टर ने राज्य शासन के निर्देश पर नई दिल्ली स्थित अनुबंधित इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के प्रतिनिधि अधिकारी से चर्चा कर आयोजन की तैयारियों को जल्द पूरा करने की जानकारी दी।इस मौके पर निगम के जोन सात के कमिश्नर महेंद्र पाठक, जोन कार्यपालन अभियंता रघुमणि प्रधान समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

प्रयागराज के फूलपुर से राम तौलन होंगे बसपा के प्रत्याशी

प्रयागराज । यूपी विधान सभा चुनाव 2022 की तैयारियों में सभी राजनीतिक दलों के नेता जुट हुए हैं। इसी संबंध में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी तैयारी तेज कर दी है। बसपा ने प्रयागराज में गंगापार के फूलपुर और झूंसी के कसेरुआ खुर्द गांव में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें फूलपुर विधान सभा क्षेत्र से आगामी विधान सभा चुनाव प्रत्याशी के रूप में राम तौलन यादव का नाम घोषित किया गया।

कार्यकर्ता सम्मेलन में राज्य सभा सदस्य व मुख्य सेक्टर प्रभारी डा. अशोक सिद्धार्थ शामिल हुए। उन्होंने उत्तर प्रदेश में हालात को खराब बताते हुए कहा कि महंगाई चरम पर है। इसके माध्यम से उन्होंने भाजपा को घेरने का प्रयास किया।

अशोक सिद्धार्थ ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के साथ घोर अन्याय कर रही है। बोले कि हम सब की नेता मायावती किसानों के साथ खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि मायावती ने अपने मुख्यमंत्री काल में प्रदेश में अमन-चैन कायम किया था। वहीं भाजपा सरकार समाज को जाति और धर्म के नाम पर बांट कर सत्ता हासिल करती है। कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे अशोक गौतम ने कहा कि इस सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब गवाही दे रहा है कि आगामी विधान सभा चुनाव में जनता का बसपा के प्रति लगाव है। कार्यकर्ता सम्मेलन का संचालन जिलाध्यक्ष चिंतामणि वर्मा ने किया। इस अवसर पर अमरेंद्र पासी, अशोक गौतम, जगन्नाथ पाल, बाबू लाल भवंरा आदि शामिल रहे।

उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य का स्वागत- प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या का विध्याचल से वापस लौटते समय नैनी में आईटीआइ कंपनी के समीप, एडीए मोड़, मेवा लाल की बगिया, काटन मिल तिराहे और लेप्रोसी चौराहे पर जोरदार स्वागत किया गया। कई स्थानों पर मंच बना था लेकिन डिप्टी सीएम केशव कार से नीचे नहीं उतरे। काफिला रुकते ही लोगों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। स्वागत करने वालों में नरसिंह, आशिक बाबा, शिव शंकर दीक्षित, राकेश जायसवाल, प्रदीप महरा, घनश्याम जायसवाल, ज्ञानेश्वर शुक्ला, विनय मिश्रा आदि रहे।

पप्पू यादव ने महिलाओं संग खेली डांडिया, राजद पर कुछ इस तरह साधा निशाना

पटना। जन अधिकार पार्टी के संरक्षक पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने नवरात्र के अवसर पर डांडिया खेली। पटना के अनीसाबाद में आयोजित डांडिया कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने महिलाओं के साथ डांडिया पर हाथ आजमाया। इसके बाद राज्य सरकार और राजद पर भी निशाना साधा। राजद पर खासकर वे खूब बरसे। कहा कि उपचुनाव में पूरी ताकत से कांग्रेस लड़ेगी। बता दें कि अपहरण मामले में जेल से रिहाई और बरी होने के बाद पप्पू यादव एक बार फिर राजनीति में सक्रिय हो गए हैं। सामाजिक कार्यक्रमों में भी शिरकत कर रहे हैं। इसी क्रम में वे डांडिया उत्सव का उद्घाटन करने पहुंचे थे। यहां सियासत पर उन्होंने बातें रखीं। उन्होंने कहा कि देश की स्थिति बहुत खराब है।

बिहार में उपचुनाव की बाबत उन्होंने कहा कि बाइ इलेक्शन एक तरह से सरकार का चुनाव होता है। कुशेश्वरस्थान में प्रत्याशी के माता-पिता दोनों का देहांत हो चुका है। इसलिए सहानुभूति लहर तो होगी ही। पप्पू यादव ने इसके साथ ही राजद पर जमकर निशाना साधा। बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि कुछ लोग परेशान आत्मा होते हैं। कांग्रेस के 19 विधायकों के बिना आप सरकार बना लीजिए। यह लंबा ख्याली पुलाव है। एक तरफ आप कांग्रेस को लात भी मारिएगा और सरकार भी बनाइएगा। तो इस पर हम कुछ नहीं कह सकते। जाप सुप्रीमो ने यह भी कहा कि एक एमएलए के चलते आप सारे रिश्ते ताख पर दिए। वैसे इन लोगों की आदत है। जरूरत पड़े तो पैर पकड़ लेते हैं और जरूरत नहीं तो गर्दन। एमपी-एमएल चुनाव में पहले भी ये लोग कांग्रेस को औकात दिखाते रहे हैं। लेकिन इससे फर्क नहीं पड़ता। पूरी मजबूती से हम कुशेश्वरस्थान में चुनाव लड़ेंगे।

मालूम हो कि कुशेश्वरस्थान उपचुनाव के मुद्दे पर राजद और कांग्रेस आमने-सामने हैं। पहले राजद ने उम्मीदवार की घोषणा की तो उसके बाद कांग्रेस ने भी प्रत्याशी खड़ा कर दिया। कांग्रेस इस सीट को परंपरागत सीट बताते हुए दावा कर रही थी। लेकिन राजद का रुख देखने के बाद कांग्रेस ने भी तेवर गरम कर दिए। नतीजा है कि वहां का चुनाव बेहद हाईप्रोफाइल बन गया है।

भूत भी जानते हैं कौन हैं तेज प्रताप; सेकेंड लालू के सामने जगदानंद, शिवानंद व रामा की क्या औकात

पटना । लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को भले ही राष्ट्रीय जनता दल की मुख्य धारा से दूर देखा जा रहा है, वे अभी भी पार्टी के बड़े नेताओं को औकात बताने में लगे हुए हैं। पार्टी नेता रामा सिंह के यह कहने पर कि तेज प्रताप रहें या जाएं, फर्क नहीं पड़ता, उन्होंने पलटवार किया है कि पार्टी रामा सिंह के पिता की नहीं है, ऐसे कई लोग आरजेडी में आए और ले गए। तेज प्रताप इसके पहले आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी को भी उनकी औकात दिखा चुके हैं। तेज प्रताप के बारे में खास बात यह है कि उनके नाम से तो भूत भी भागते हैं, ये नेता क्या हैं। बकौल तेज प्रताप, भूत उनका भाषण सुनने आते हैं। वे भूत से भी नहीं डरते।

तेज प्रताप यादव अपनी बातों को लेकर हमेशा चर्चा में बने रहते हैं। ऐसी ही एक बात उन्होंने आरजेडी नेता रामा सिंह के लिए कही है। रामा सिंह ने तेज प्रताप के पार्टी में रहने या नहीं रहने से कोई फर्क नहीं पड़ने की बात कही तो लालू के बड़े लाल को तो भड़कना ही था। उन्होंने पलटवार किया है कि आरजेडी रामा सिंह के पिता की पार्टी नहीं है। यह मेरे पिता लालू यादव की पार्टी है। तेज प्रताप इतने पर ही नहीं रुके, रामा सिंह को औकात बताते हुए कहा कि उनके जैसे कितने लोग पार्टी में आए और चले गए।

जगदानंद व शिवानंद तिवारी पर भी हमलावर हो चुके हैं तेज प्रताप- तेज प्रताप यादव व आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की अदावत पुरानी है। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब जगदानंद सिंह ने तेज प्रताप को पहचानने से इनकार करते हुए पूछा था- हू इज तेज प्रताप इसपर पलटवार करते हुए तेज प्रताप ने कहा था- गो एंड आस्क लालू, हू इज तेज प्रताप कुछ दिनों पहले तेज प्रताप के आरजेडी में नहीं होने की बात कह शिवानंद तिवारी ने भी विवाद खड़ा कर दिया था। इसके बाद तेज प्रताप ने भी शिवानंद तिवारी के खिलाफ बड़ा बयान दिया था।

पार्टी के नेता क्या, भूतों से भी नहीं डरते लालू यादव के लाल- पार्टी में भले हीं हाशिए पर खड़ा कर दिए गए हों, लेकिन तेज प्रताप किसी से डरते नहीं दिखाई दे रहे हैं। डरते तो व आदमी क्या भूत से भी नहीं हैं। बीते अगस्त में उन्होंने कहा था कि उनका भाषण सुनने भूत भी आते हैं। उनकी भूत से बात भी हुई है। तेज प्रताप यादव ने बीते दिनों भूतों वाली बात कही थी। उन्होंने बताया था कि सपने में वे समस्तीपुर के हसनपुर का दौरा करने के लिए पहुंचे थे, जहां एक पेड़ पर भूत बैठा था। भूत ने जब उन्हें पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने बिना डरे भगवान महादेव का नाम लिया। पूछने पर उसने कहा कि वह उनका भाषण सुनने आया है।

जम्मू के पुंछ में शहीद हुए उत्तराखंड के दो लाल, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने व्यक्त किया शोक

देहरादून। जम्मू के पुंछ जिले के नाड़खास में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में उत्तराखंड के चमोली और टिहरी गढ़वाल जनपद के रहने वाले सेना के दो जवान शहीद हो गए। शहीदों के नाम राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी (26) निवासी गांव विमाण तहसील नरेंद्रनगर, टिहरी गढ़वाल और राइफलमैन योगंबर सिंह (27) निवासी संकरी तहसील पोखरी जिला चमोली हैं। जैसे ही इसकी सूचना स्वजनों को मिली तो घर में मातम छा गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकी मुठभेड़ के दौरान उत्तराखंड के दो जवानों के शहीद होने पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी और योगंबर सिंह ने देश सेवा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मुख्यमंत्री ने दोनों शहीद जवानों के स्वजन को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने की कामना की है।

टिहरी का जवान शहीद, घर में मचा कोहराम- टिहरी नरेंद्रनगर ब्लाक के विमाण गांव निवासी सैनिक विक्रम सिंह नेगी के शहीद होने की खबर सुनने के बाद उनके परिवार और गांव में कोहराम मच गया। आज सुबह 11 बजे सेना हेड क्वार्टर से शहीद विक्रम सिंह के स्वजन को फोन आया। जिसमें उसके शहीद होने की जानकारी दी गई थी।

ग्राम प्रधान सुरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि विक्रम पांच साल पहले सेना में भर्ती हुआ था। तीन साल पहले उसकी शादी हुई थी। उसका एक डेढ़ साल का बेटा भी है। शहीद के माता पिता और उसकी पत्नी का रो रोकर बुरा हाल है। शहीद की खबर आने से 95 वर्षीय दादी भी सदमे में है। इस संबंध में नरेंद्रनगर एसडीएम देवेंद्र नेगी ने बताया सैनिक के शहीद होने की सूचना मिली है, लेकिन अभी सेना की तरफ से इस संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है। इस संबंध में जानकारी ली जा रही है।

शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि- आतंकी हमले में जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शहीद हुए जवानों के साथ गुवाहाटी में शहीद हुए धनीरी (रुड़की) निवासी सोनित कुमार सैनी को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गुरवार को गांधी पार्क के समक्ष कांग्रेस अनुसूचित विभाग के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक राजकुमार के नेतृत्व में कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। पूर्व विधायक ने कहा कि ऐसे ही वीरों की बदौलत आज देश सुरक्षित है। उत्तराखंड वीरों का प्रदेश है और जवान अपनी जान की परवाह किए बिना सीमा पर डटे रहते हैं। श्रद्धांजलि देने वालों में नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष डा. बिजेंद्र पाल, नीनू सहगल, जगदीश धीमान, अरुण शर्मा, जितेंद्र ठाकुर, प्रकाश नेगी, देवेंद्र सिंह, अर्जुन सोनकर आदि शामिल रहे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को हरदा में स्वामित्व योजना कार्यक्रम में ग्रामीणों को अधिकार अभिलेख वितरित किए। हरदा में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल, राजस्व मंत्री गोविंद राजपूत, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम पटेल और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। वहीं मध्यप्रदेश से संबंधित केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया वर्चुअल तरीके से कार्यक्रम में शामिल हुए।

शिवराज जी ने गरीब कल्याण योजना के माध्यम से शुरू की थी जनसेवा

हरदा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए पीएम मोदी

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे संतोष है कि मध्यप्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अपनी जमीन का मालिकाना कागज आसानी से मिल रहा है। नागरिकों को आबादी की भूमि पर मालिकाना हक देकर उन्हें सशक्त और आत्म-निर्भर बनाया जा रहा है। मेरा विश्वास है कि मध्यप्रदेश में जल्द ही सभी गांवों में अधिकार अभिलेख मिल जाएंगे।

पीएम मोदी बुधवार स्वामित्व योजना में मध्यप्रदेश के 19 जिलों के तीन हजार गांव के एक लाख 71 हजार ग्रामीणों को वर्चुअली अधिकार अभिलेखों का वितरण कर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की। हरदा जिला मुख्यालय पर आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों सहित प्रदेश के मंत्री भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने अधिकार अभिलेखों का वितरण कर हरदा, डिंडौरी और सीहोर जिले के अधिकार अभिलेख प्राप्त हितग्राहियों से वर्चुअल संवाद भी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि शिवराज जी जब मुख्यमंत्री बने थे, तो उन्होंने सबसे पहले गरीब कल्याण योजना के माध्यम से जनसेवा की नई शुरुआत की थी। शिवराज जी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में टेक्नालॉजी के उपयोग के साथ कार्य हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी को हरदा जिले के पवन कुमार, डिंडौरी जिले के प्रेमसिंह और सीहोर जिले की विनीता बाई से संवाद किया।

मोदी के पीएम और सीएम के रूप में 20 वर्ष पूर्ण

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है क्योंकि आज के दिन ही नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में 20 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख प्रदान किए जा रहे हैं।

380 आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने हरदा जिले में सौर ऊर्जा से रौशन हुए 380 आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने हरदा प्रशासन के इस नवाचार की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने हरदा जिले की विकास गाथा पुस्तिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री और किसानों ने मुख्यमंत्री को कृषि यंत्र हल भेंट किया। कार्यक्रम में हरदा जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, कृषि मंत्री कमल पटेल, वन मंत्री डॉ. विजय शाह, राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और सांसद दुर्गादास उइके सहित विधायक मौजूद थे।

स्वामित्व योजना से लोग लखपति बन जाएंगे : पटेल

कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि ग्रामीण सम्पति धारकों की जिस संपत्ति का मूल्य अभी सरकारी अभिलेख में शून्य था, वह लाखों में हो जाएगा और छोटी से छोटी संपत्ति के धारक ग्रामीण स्वामित्व योजना के माध्यम से लोग लखपति बन जाएंगे।

बैंक से ऋण लेना आसान होगा : गोविंद सिंह

प्रदेश के राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत आबादी सर्वे से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के अधिकार अभिलेख उपलब्ध हो जाएंगे। स्वामित्व प्रमाण-पत्र मिलने से इस संपति पर बैंक से ऋण लेना आसान होगा तथा संपत्तियों के पारिवारिक विभाजन व सम्पत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया भी आसान हो जाएगी।

स्वामित्व योजना के लाभ

- स्वामित्व योजना के तहत अधिकार पत्र मिलने से बैंक लोन मिल सकता है।
- जमीन का स्वामित्व प्रमाण-पत्र होने कानूनी रूप से हितग्राही मालिक होगा।
- संबधित जमीन पर अपने हिसाब मकान बनाने की अनुमति मिलेगी।
- ग्रामीणों इलाकों में प्राईवेट और सरकारी जमीन की जानकारी सुलभ मिलेगी।
- जमीन-संपत्ति के लिए होने वाले विवाद समाप्त होंगे।
- जमीन और भवन के बंटवारे और नामांतरण आसानी होंगे ।
- सरकारी भवन का निर्माण सही योजना से होगा।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने किया मां नर्मदा स्तुति के लोकगीतों का शुभारंभ

भोपाल । राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने बुधवार को नर्मदा नदी के उद्‌गम स्थल पर मां नर्मदा मंदिर में पूजा अर्चना की और आरती के बाद लोक संस्कृति पर आधारित मां नर्मदा की स्तुति का शुभारंभ किया। स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा मां नर्मदा की लोक संस्कृति पर आधारित यह स्तुति प्रातः एवं संध्या काल में मां नर्मदा की आरती के पश्चात लोक कलाकारों द्वारा की जाएगी। लोक संस्कृति पर आधारित मां नर्मदा स्तुति का प्रशिक्षण नर्मदा मां सेवा समिति के धनराज सिंह द्वारा दिया गया। लोक कलाकारों ने नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में मां नर्मदा की पूजा अर्चना के बाद लोक संस्कृति पर आधारित मां नर्मदा की स्तुति की प्रस्तुति दी। राज्यपाल ने अमरकंटक में पवित्र नर्मदा मंदिर में पूजा अर्चना की और प्रदेश के नागरिकों की सुख समृद्धि की कामना की।

सीएम ने खंडेलवाल की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्व. प्यारेलाल खंडेलवाल की पुण्य-तिथि पर उन्हें नमन किया। श्री चौहान ने मुख्यमंत्री निवास स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्य रहे, वरिष्ठ नेता स्व. प्यारेलाल खंडेलवाल की पुण्य-तिथि पर उन्हें स्मरण करते हुए ट्वीट किया है कि 'राष्ट्र एवं जनसेवा के अपने कार्यों के माध्यम से आप सदैव जन-जन के हृदय में रहेंगे। श्री प्यारेलाल खण्डेलवाल का जन्म 6 अप्रैल, 1929 को ग्राम चारमंडली जिला सीहोर में हुआ था। उन्होंने इंदौर में क्रांतिकारियों और देशभक्तों के समूह, प्रजामंडल द्वारा प्रकाशित गुप्त पर्चों का वितरण एवं माहेश्वरी विद्यालय में विद्यार्थी आन्दोलन को अपना प्रखर नेतृत्व प्रदान किया। वन्देमातरम का नारा लगाने पर कठोर यातना और बेतों की सजा मिलने के बावजूद भी स्व़ प्यारेलाल 'भारत माता'की आराधना में निरंतर लगे रहे। इसी के फलस्वरूप आगे चलकर स्वतंत्र भारत की राजनीति को दिशा देने का महत्तवपूर्ण कार्य इनके हाथों हुआ।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों को दी नवरात्र पर्व की बधाई

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आदिशक्ति के आराधना पर्व नवरात्र प्रारंभ होने पर प्रदेश के नागरिकों को हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कामना की है कि माता रानी की सभी पर कृपा हो और समस्त प्रदेशवासियों के कष्ट दूर हों। कोरोना के कष्ट पूरे विश्व ने गत डेढ़ वर्ष में देखे हैं। ऐसी महामारी से मानवता की रक्षा हो। हम सभी इसके प्रति सजग भी बने रहें। नवरात्रि नई खुशियां लाए। मध्यप्रदेश और देश के साथ ही समस्त विश्व में प्रेम और सद्‌भाव बढ़े। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नागरिकों के सुखी और समृद्ध होने की कामना की है।

हाईकोर्ट में ओबीसी आरक्षण मामले की सुनवाई आज

भोपाल । पिछड़ा वर्ग आरक्षण मामले में हाईकोर्ट में गुरुवार को सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान अपना पक्ष मतबूती रखने की सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने तैयारी की है। वहीं बताया जा रहा है कि सात अक्टूबर को स्टेट बार कौंसिल द्वारा राज्य व्यापी प्रतिवाद दिवस की अपील की है तो कोर्ट सुनावई की तारीख आगे बढ़ा सकती है। पिछली सुनवाई में भी कोर्ट ने समय का अभाव होने पर अगली तारीख लगा दी थी।

सीएम ने अरविंद त्रिवेदी के निधन पर शोक जताया

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अभिनेता अरविंद त्रिवेदी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री चौहान ने कहा कि श्री अरविंद त्रिवेदी ने रामायण धारावाहिक में अपने जीवंत अभिनय से दर्शकों के हृदय में अमिट छाप छोड़ी। वे असाधारण अभिनेता थे। श्री चौहान ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

प्रदेश की राशन दुकानों पर आज मनेगा अन्न उत्सव प्रधानमंत्री मोदी को भेजेंगे सौ-सौ धन्यवाद पत्र

भोपाल । भाजपा के सेवा और समर्पण अभियान के अंतिम दिन 07 अक्टूबर को प्रदेश की सभी राशन दुकानों पर अन्न उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश की सभी 25,435 राशन दुकानों पर उत्सव आयोजित किए जाएंगे, साथ ही प्रत्येक दुकान के हितग्राहियों द्वारा लिए गए 100-100 धन्यवाद पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचाए जाएंगे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता हितग्राहियों का स्वागत करेंगे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में पिछले अन्न उत्सव के दौरान एक दिन में 25 लाख लोगों को मुफ्त अनाज का वितरण कर रिकॉर्ड बनाया गया था। प्रदेश सरकार के साथ मिलकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता गुरुवार, 07 अक्टूबर को होने वाले अन्न उत्सव को भी सफल बनाएंगे। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ महिला मोर्चा की बहनें भी प्रत्येक राशन दुकान पर उपस्थित रहेंगी। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता प्रत्येक दुकान के हितग्राहियों द्वारा लिए गए 100-100 धन्यवाद पत्र प्रधानमंत्री श्री मोदी तक पहुंचाने में सहायता करेंगे।

प्रदेश में कोरोना को लेकर नई गाइडलाइन जारी

विवाह में 300 और अंतिम संस्कार में 200 व्यक्ति हो सकेंगे शामिल

15 अक्टूबर से पूर्ण क्षमता से खुलेंगे कोचिंग संस्थान, रेस्टोरेंट, क्लब ,जिम, फिटनेस सेंटर और योगा केंद्र

भोपाल (एजेंसी)। गृह विभाग ने बुधवार को कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। नई गाइडलाइन के अनुसार विवाह में दोनों पक्षों के कुल 300 और अतिंम संस्कार में 200 व्यक्ति शामिल हो सकेंगे। सभी सामाजिक, राजनैतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक आयोजन, मेले, धार्मिक चल समारोह या जिसमें भी जनसमूह एकत्र होता है, ऐसे सभी आयोजन पर प्रतिबंधित रहेगा। प्रदेश में हो रहे उपचुनाव के दायरे में आने वाले आठ जिलों में 29 सितंबर को जारी दिशा-निर्देश ही लागू रहेंगे। प्रदेश में रात 11 से सुबह 6.00 बजे तक नाइट कर्फ्यू लागू रहेगा ।

किस पर प्रतिबंध और क्या खोला गया

- सभी सामाजिक, राजनैतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक आयोजन, मेले, धार्मिक चल समारोह आदि, जिसमें भी जनसमूह एकत्र होता है , ऐसे सभी आयोजन पर प्रतिबंधित रहेगा। राजनैतिक कार्यक्रमों के लिए लोकसभा-विधानसभा उपचुनाव से संबधित आठ जिलों में 29 सितंबर को जारी दिशा-निर्देश ही लागू रहेंगे।
- समस्त कोचिंग संस्थान एंव प्रशिक्षण कार्यक्रम हॉल की क्षमता के 50 फीसदी की सीमा तक संचालित किए जा सकेंगे। 15 अक्टूबर 2021 से 100 फीसदी क्षमता के साथ कोचिंग एंव प्रशिक्षण संस्थान संचालित होंगे। कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन कोचिंग और प्रशिक्षण संस्थानों के संचालकों करना जरूरी होगा। समस्त धार्मिक, पूजा स्थल की क्षमता से 50 फीसदी की उपस्थिति की सीमा निर्धारित की गई है।
- सभी दुकानें, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, निजि कार्यालय, शॉपिंग मॉल, जिम अपने नियत समय तक खुल सकेंगे। सिनेमा घर एंव थियेटर कुल क्षमता के 50 फीसदी की उपस्थिति के साथ संचालित किए जा सकते है। सभी को कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन करना होगा।
- समस्त प्रकार के उद्योग पूर्ण क्षमता के साथ संचालित होंगे।
- जिम, फिटनेस सेंटर ,योगा केंद्रों को संचालन 15 अक्टूबर से 100 फीसदी क्षमता के साथ संचालित किए जाएंगे।
- स्टेडियम एवं स्वीमिंग पूल को खोला जा सकता है, लेकिन खेल आयोजनों में 50 फीसदी ही दर्शकों की उपस्थिति की बाध्यता रहेगी।
- सभी रेस्टोरेंट एंव क्लब 100 प्रतिशत क्षमता के साथ खोले जाएंगे, लेकिन कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन करना ही होगा।
- एक राज्य से दूसरे राज्य या राज्य के भीतर यात्रा के लिए व्यक्ति स्वंत्रत होंगे। साथ मालवाहक वाहन भी राज्य में आवागमन कर सकते है।
- गरबा का आयोजन सोसायटियों, कॉलोनियों, मोहल्लों में सिर्फ स्थानीय नागरिकों द्वारा ही 50 फीसदी क्षमता की उपस्थिति में किया जा सकता है। आयोजन की सूचना जिला कलेक्टर को देना होगी। बड़े और व्यावसायिक स्तर के गरबा आयोजन की अनुमति नहीं होगी।
- किसी प्रकार के आयोजनों, समारोहों में डीजे, बैंडबाजे की अनुमति सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार ही दी जाएगी। जिसमें रात दस बजे तक ही डीजे, बैंडबाजे या अन्य साउंड सिस्टम का उपयोग कर सकते है।
- रावण दहन के पूर्व श्रीराम के चल समारोह को प्रतिकात्मक रूप से ही निकाला जा सकता है। रामलीला तथा रावण दहन के कार्यक्रम खुले मैदान में फेस मास्क और सोशल डिस्टेसिंग की शर्त पर आयोजन समिति को जिला कलेक्टर स्वयं के विवेकानुसार अनुमति दे सकते हैं। रामलीला का आयोजन मैदान या हॉल की कुल क्षमता से 50 फीसदी दर्शक ही शामिल होंगे। रावण दहन के बड़े स्तर पर होने वाले आयोजन को अनुमति नहीं दी जाएगी।

लखीमपुर की घटना पर कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागर : डॉ. मिश्रा

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई घटना को लेकर कांग्रेस का दोहरा चरित्र सबके सामने आ गया है।

श्री मिश्रा ने बुधवार को यहां मीडिया से चर्चा में कहा कि मौत किसी की भी हो, दुःखद होती है, लेकिन एक मौत पर बोलना और दूसरे पर खामोश रहना संवेदना नहीं, सिर्फ सियासत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी का समर्थन करती है, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का विरोध करती है। खंडवा लोकसभा सीट सहित विधानसभा की तीन सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा की पूरी तैयारी है। जल्द ही शुभ मुहूर्त में उम्मीदवारों के नामों का ऐलान भी कर दिया जाएगा।

मप्र में कोरोना के 128 एक्टिव केस

गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में कोरोना के 128 एक्टिव केस हैं। श्री मिश्रा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में वर्तमान में कोरोना के कुल एक्टिव केस 128 है। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटे में कोरोना के 16 नए केस मिले हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर 0.02 फीसदी और रिकवरी रेट 98.60 प्रतिशत है।

कश्मीर घाटी में बिंदरु की हत्या पर दुख जताया

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कश्मीर घाटी में माखन लाल बिंदरु की हत्या पर दुख जताया है। श्री मिश्रा ने ट्वीट कर कहा कि कश्मीर घाटी में कश्मीरी पंडित माखन लाल बिंदरू जी की निर्मम हत्या का मामला बेहद दुखद और पीड़ादायी है। उन्होंने कहा इस घटना के बाद कांग्रेस का दोहरा चरित्र एक बार फिर सामने आ गया है। श्री मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जी छोटी-छोटी घटनाओं पर ट्वीट करते रहते हैं लेकिन इस दुखद घटना पर पूरी तरह खामोश है।

पीजीआई चंडीगढ़ की तर्ज पर विकसित हो भोपाल मेमोरियल अस्पताल

दिग्विजय सिंह ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल गैस पीडितों के लिए बनाए गए भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं रिर्सच सेंटर (बीएमएचआरसी) को फिर से अपने पुराने गौरव में लाने के लिए इसे पीजीआई चंडीगढ़ के समान विकसित करने पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है।

श्री सिंह ने पत्र में बताया है कि बीएमएचआरसी की स्थापना वर्ष 2000 में भोपाल में हुई थी। अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित 350 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ने देशभर के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों को आकर्षित किया और भोपाल के गैस पीड़ितों के इलाज में सेवा प्रदान की। पूर्व सीएम ने कहा कि 2010 तक भोपाल में निजी सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की स्थापना होते रहने से विशेषज्ञ डॉक्टरों को बेहतर तनख्वाह मिलने पर उन्होंने बीएमएचआरसी छोड़ना शुरू कर दिया। इसके बाद नए डॉक्टरों की भी भर्ती की गई, लेकिन वे भी लंबे समय तक अस्पताल में नहीं रह सके। आईसीएमआर द्वारा बीएमएचआरसी को चलाया जा रहा है। अब अस्पताल एक खराब स्थिति में है और सलाहकारों, विशेषज्ञों की भारी कमी से जूझ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर कहा कि अस्पताल के पूर्व गौरव को पुनः बनाए रखने के लिए देश की संसद पीजीआई, चंडीगढ़ व जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी की तर्ज पर एक स्वायत्त पीजी मेडिकल कॉलेज के रूप में नामित कर सकती है। ऐसा करने पर भोपाल मेमोरियल अस्पताल अच्छे डॉक्टरों को अपनी ओर आकर्षित करेगा, जिसके पास पूर्व से ही उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा और उपकरण हैं। उन्होंने कहा कि एक बार के उपाय के रूप में, वर्तमान में अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों को उनकी योग्यता और अनुभव के अनुरूप पदों को प्रस्तावित कर पीजीआई मेडिकल कॉलेज में समाहित किया जा सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र के साथ कुछ सुझाव प्रस्ताव के रूप में अलग से भेजे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा है कि वे आभारी होंगे यदि वे इस प्रस्ताव को देखकर बीएमएचआरसी के संबंध में संबंधितों को आवश्यक निर्देश दे सकें।

कांग्रेस के उम्मीदवार ने नौ बार विजय हासिल की

खंडवा में भाजपा सात बार जीती, जिसमें नंदू भैया छह बार सांसद चुने गए

भोपाल (एजेंसी)।

खंडवा लोकसभा क्षेत्र में 1952 से 2019 तक कुल 17 चुनाव हुए। इस दौरान भाजपा के उम्मीदवार सात, कांग्रेस के नौ और एक बार भारतीय लोकदल के उम्मीदवार ने विजय हासिल की है। सबसे रोचक बात यह कि भाजपा के स्वार्गीय नेता नंदकुमार चौहान (नंदू भैया) ने इस सीट पर छह बार जीत दर्ज कराई। इसमें 1996 से 2004 तक लगातार चार चुनाव और 2014, 2019 के दोनों चुनाव में विजय हुए। 1996 के बाद से ही खंडवा सीट पर भाजपा का कब्जा रहा है। सिर्फ 2009 में कांग्रेस के अरुण यादव ने भाजपा के नंदकुमार चौहान को हराया था। पिछला 2019 का चुनाव में भाजपा के नंदकुमार चौहान ने दो लाख 73 हजार 343 वोट से जीता था।

मप्र में एक लोकसभा सीट खंडवा और तीन विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। इन उपचुनाव में भाजपा और कांग्रेस के पास बहुत कुछ खोने या पाने के लिए नहीं है। दोनों ही दल उपचुनाव 2021 के माध्यम से वर्ष 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले जनता की नब्ज को टाटोल रहे हैं। इस उचुनाव के परिणाम बताएंगे कि सत्ता पक्ष से जनता कितनी संतुष्ट या नाराज है और विपक्ष से क्या उम्मीद रख रही है। खंडवा लोकसभा सीट से भाजपा जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएगी, जबकि कांग्रेस की स्थिति अभी से कमजोर आने लगी है। खंडवा सीट से 2009 में भाजपा उम्मीदवार को हरा चुके अरुण यादव ने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। स्थानीय तौर पर कांग्रेस टिकट वितरण में ही कई खेमों में बंटी नजर आई। इसका नुकसान चुनाव में हो सकता है। कांग्रेस ने खंडवा लोकसभा सीट से राजनारायण सिंह पुरनी को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने अभी उम्मीदवार की अधिकृत घोषणा नहीं की है।

आठ विधानसभा सीट में चार एसटी आरक्षित : खंडवा लोकसभा सीट में कुल आठ विधानसभा सीट आती हैं। जिसमें मांधाता, बुरहानपुर, बड़वाह, बागली, पंधाना, नेपानगर, भीकनगांव और खंडवा शामिल है। इनमें से बागली, पंधाना, नेपानगर, भीकनगांव सीटें अनुसूचित जनजाति और खंडवा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है।

मतदाताओं की संख्या

कुल मतदाता	**19,68,389**
पुरुष मतदाता	10,07,135
महिला मतदाता	09,61,184
अन्य मतदाता	70

2019 के चुनाव में दो लाख 73 हजार से जीते थे नंदू भैया

भाजपा के उम्मीदवार नंदकुमार सिंह चौहान (नंदू भैया) को 8,38,909 मत मिले थे, उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार अरुण यादव को दो लाख 73 हजार 343 वोट से हारया था। कांग्रेस के अरुण यादव को 5,65,566 वोट मिले और तीसरे स्थान पर बसपा के दयाराम कोरकू (ठाकुर दादा) को 14,888 मत प्राप्त हुए थे।

सबसे कम वोट से जीते थे कांग्रेस के जी. दीक्षित

1967 के चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार जी. दीक्षित को कुल एक लाख 25 हजार 236 वोट मिले थे, उन्होंने यह चुनाव सिर्फ एक हजार 698 मत से जीता था। उनसे बीजेएस उम्मीदवार एम. भट्ट हार गए थे। एम. भट्ट को एक लाख 23 हजार 538 वोट प्राप्त हुए थे। इसी तरह सबसे अधिक वोटों से भाजपा के उम्मीदवार नंदकुमार चौहान ने पिछला चुनाव 2019 में दो लाख 73 हजार 343 वोट से जीता था।

खंडवा लोस के रहे चुनाव परिणाम

वर्ष	विजयी प्रत्याशी	पार्टी
1952	बाबूलाल तिवारी	कांग्रेस
1957	बाबूलाल तिवारी	कांग्रेस
1962	महेश दत्ता मिश्रा	कांग्रेस
1967	गंगाचरण दीक्षित	कांग्रेस
1971	गंगाचरण दीक्षित	कांग्रेस
1977	परमानंद जिवाला	भालोद
1980	ठाकुर शिवकुमार सिंह	कांग्रेस
1984	कालीचरण सकारगे	कांग्रेस
1989	अमृतलाल तारवाला	भाजपा
1991	ठाकुर महेंद्रकुमार सिंह	कांग्रेस
1996	नंदकुमार सिंह चौहान	भाजपा
1998	नंदकुमार सिंह चौहान	भाजपा
1999	नंदकुमार सिंह चौहान	भाजपा
2004	नंदकुमार सिंह चौहान	भाजपा
2009	अरुण सुभाषचंद्र यादव	कांग्रेस
2014	नंदकुमार सिंह चौहान	भाजपा
2019	नंदकुमार सिंह चौहान	भाजपा

फिल्म ‘रश्मि रॉकेट‘ का गाना ‘जिद्द‘ उनके किरदार रश्मि की आत्मा है

अभिनेत्री तापसी पन्नू का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म ‘ रश्मि रॉकेट‘ का गाना ‘जिद्द‘ उनके किरदार रश्मि की आत्मा है। ‘जिद्द‘ को निकिता गांधी ने गाया है, जिसे अमित त्रिवेदी ने कंपोज किया है और कौसर मुनीर ने लिखा है। यह गीत रश्मि की भावना को प्रदर्शित करता है जो अपने सम्मान, और अपनी पहचान की रक्षा के लिए सभी अन्याय के खिलाफ लड़ने का फैसला करती है। तापसी ने साझा किया कि ‘जिद्द‘ गाना ऊर्जा से भरा है। यह गीत रश्मि के धैर्य और वढ़ संकल्प को दर्शाता है, जिसने सभी बाधाओं के खिलाफ जीतने का फैसला किया है। मैं कहूंगी कि यह गीत एक तरह से रश्मि की भावना है। उन्होंने कहा कि अमित त्रिवेदी ने बहुत अच्छा काम किया है और इसे निकिता गांधी ने खूबसूरती से गाया है। रोनी स्क्रूवाला, नेहा आनंद और प्रांजल खंडड़िया द्वारा निर्मित, नंदा पेरियासामी, अनिरुद्ध गुहा और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित और आकर्ष खुराना द्वारा निर्देशित, फिल्म में सुप्रिया पाठक, अभिषेक बनर्जी, प्रियांशु पेन्युली और सुप्रिया पिलगांवकर भी हैं। फिल्म 15 अक्टूबर को जी5 पर प्रीमियर के लिए तैयार है। एक्शन हीरो विद्युत जामवाल अपनी आगामी हाई–ऑक्टेन एक्शन फिल्म ‘सनक : होप अंडर सीज‘ की रिलीज के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि यह फिल्म लोगों को बेहतरीन बनने के लिए प्रेरित करेगी। निर्माताओं ने मंगलवार को कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म का ट्रेलर जारी किया। इसमें बंगाली सुपरस्टार रुक्मिणी मैत्रा, नेहा धूपिया और चंदन रॉय सान्याल भी शामिल हैं। अपने लोगों को खतरे से बचाने के लिए एक्टर ट्रेलर में लड़ते हुए दिखाई दे रहे है। ट्रेलर में विद्युत लिफाफे को धक्का देते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक एक्शन थ्रिलर होने के अलावा, ‘सनक‘ के ट्रेलर में विद्युत और रुक्मिणी की प्रेम कहानी की झलक भी दिखती है। विद्युत ने कहा कि फिल्म को महामारी के समय में शूट किया गया था। हमने अपनी पूरी मेहनत से काम किया है। एक बार जब आप इसे देख लेंगे, तो मैं आपको गारंटी दे सकता हूं कि यह आपको एक बेहतर वर्जन बनने के लिए प्रेरित करेगी। निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने कहा कि हम ‘सनक‘ को भारतीय दर्शकों के लिए लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। हमारी फिल्मों ने वास्तव में हॉस्टेज ड्रामा के स्थान को गहराई और विस्तार से नहीं खोजा है, लेकिन ‘सनक‘ ऐसा करने वाली है। सनशाइन पिक्च र्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से जी स्टूडियोज द्वारा ‘सनक : होप अंडर सीज‘ प्रस्तुत की गई है। यह 15 अक्टूबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार मल्टीप्लेक्स पर स्ट्रीमिंग होगी। इसका प्रोडक्शन विपुल अमृतलाल शाह ने और निर्देशन कनिष्क वर्मा ने किया है।

‘गिरगिट‘ में भोली-भाली लड़की की भूमिका निभाएंगी तृप्ति खामकर

कॉमेडियन और अभिनेत्री तृप्ति खामकर ने विद्या बालन के साथ ‘तुम्हारी सुलु‘ में स्क्रीन स्पेस साझा किया है और अब वह आगामी श्रृंखला ‘गिरगिट‘ में ‘माही वर्गीस‘ के रूप में दिखाई देंगी। शो में वह एक भोली–भाली लड़की के किरदार नजर आएँगी। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए तृप्ति ने साझा किया कि ‘माही‘ इस बात अजीबोगरीब चीजें सोचती है, जैसे मैं वास्तव में क्या हूं और अगर मैं एक अजीब और पागल व्यक्ति होती तो मैं क्या बनना पसंद करती। कहानी के बारे में बात करते हुए मैं आपको बस इतना ही बता सकती हूं कि यह एक प्यारी सी लड़की की कहानी है जो अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए स्ट्रीट स्मार्ट बन जाती है। दिलचस्प बात यह है कि तृप्ति के पास इस किरदार के लिए हां कहने का एक मजेदार कारण है। उन्होंने बताया कि मैं इतने सालों से एक नौकरानी की भूमिका निभा रही हूं और आखिरकार किसी ने मुझे देखा कि मैं कौन हूं। इस शो की मुझे स्क्रिप्ट भी पसंद आई। इस तरह की कहानी का हिस्सा बनना एक एक्टर का सपना होता है। तृप्ति को ‘तुम्हारी सुलु‘ और ‘गधेदो गधा‘ जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। उनकी नई सीरीज ‘गिरगिट‘ अक्टूबर के आखिरी हफ्ते से ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम होगी।

बिग बॉस 15: अगर सलमान मुझ पर चिल्लाए तो मैं छोड़ दूंगा शो

जाने माने कोरियोग्राफर और ‘बिग बॉस ओटीटी‘ कंटेस्टेंट निशांत भट्ट अब ‘बिग बॉस 15‘ के प्रतिभागी हैं। वह खुद को होस्ट सलमान खान का सबसे बड़ा फैन बताते हैं और साथ ही उनसे ‘डरते‘ भी हैं। उन्होंने कहा कि ’’सलमान खान का सामना करने के लिए मैं बहुत नर्वस फील कर रहा हूं। मैं सलमान खान का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। लेकिन अगर वह मुझ पर चिल्लाएंगे, तो मुझे लगता है कि मैं शो से भाग जाऊंगा। मैं उससे बहुत डरता हूं। मैं उसके सामने बेहोश हो सकता हूं।’’ निशांत ने कई टीवी हस्तियों को कोरियोग्राफ किया है और ‘सुपर डांसर‘, ‘झलक दिखला जा‘, ‘डांस दीवाने‘ और ‘नच बलिए‘ जैसे डांस रियलिटी शो से में भी काम किया हैं। निशांत ‘बिग बॉस ओटीटी‘ के फर्स्ट रनर–अप थे और इसमें उनका संबंध मूस जट्टाना से था। उनका कनेक्शन देखना दिलचस्प था। अब वह ‘बिग बॉस 15‘ का हिस्सा हैं और उन्होंने साझा किया, ’’यह एक उपलब्धि है और कभी नहीं सोचा था कि यह इतना लंबा ओटीटी से एक बड़े मंच तक आएगा। मैं इस शो में आकर बहुत खुश हूं। वह कोरियोग्राफी से परे कुछ करना चाहते थे, उन्होंने कहा कि ओटीटी शो में मैं फर्स्ट रनर रहा था। महत्वपूर्ण चीज जो मैंने कभी करने की योजना नहीं बनाई थी, वह थी सिर्फ अपने कार्यों को करना और खुद को बनाना। वही मैं इस बार करने जा रहा हूं। लेकिन यह थोड़ा मुश्किल लगता है। क्योंकि यहां मुझे लगता है कि चीजें अलग हो सकती हैं। इसलिए, मैं नर्वस हूं। ’’बिग बॉस ओटीटी‘ छह सप्ताह के लिए था और यह तीन महीने के लिए है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझे परिवार और दोस्तों से इतने लंबे समय तक दूर रहना पड़ेगा। मैं छह सप्ताह के लिए तैयार था लेकिन तीन महीने के लिए नहीं। इसलिए मैं नहीं जानता, कि मैं घर के अंदर कैसी प्रतिक्रिया दूंगा। मुझे अपने परिवार की बहुत याद आएगी।’’ लेकिन कुल मिलाकर, वह सकारात्मक है, उन्होंने कहा कि मैं अभिभूत हूं और सभी के साथ मस्ती करने के लिए उत्सुक हूं और मुझे पता है कि यह शो मुझे बहुत कुछ देगा।

‘रामायण‘ के लिए रितिक और रणबीर की बंद दरवाजे के पीछे मीटिंग

बॉलिवुड के दो स्टार रितिक रोशन और रणबीर कपूर शनिवार को फिल्ममेकर जैकी भगनानी के ऑफिस में स्पॉट किए गए। इसके बाद से कयास लगने लगे कि जैकी भगनानी दोनों स्टार्स के साथ कोई फिल्म बना रहे हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रितिक रोशन और रणबीर कपूर ने नमित मल्होत्रा के ऑफिस पहुंचकर बंद दरबाज के पीछे मुलाकात की है और फिल्म ‘रामायण‘ पर चर्चा की।

ये भी कहा जा रहा है कि रितिक रोशन और रणबीर कपूर की मीटिंग के दौरान नितेश तिवारी, नमित मल्होत्रा और मधु मंटेना भी मौजूद थे। रिपोर्ट में भी ये भी कहा गया है कि ये फिल्म को लेकर पहली मीटिंग है। रितिक रोशन रावण की तो रणबीर कपूर राम की भूमिका में नजर आएंगे। जबकि अभी तक सीता के रोल के लिए किसी स्टार का नाम फाइनल नहीं किया गया है। फिल्म रामायण के बारे में बात करते हुए मधु मंटेना ने कहा था, ‘हम वास्तव में इसे अलग तरह से बता रहे हैं। हम पारंपरिक रामायण को उसकी महिमा में बताने जा रहे हैं। पिछले साल हम सभी ने इस पर दोबारा गौर किया वह एक महाकाव्य था जिसे वर्षों पहले बताया गया था तब अनुभव और तकनीक अलग थे। अब हम इस गाथा को बताने के लिए नए अंदाज और आधुनिक तकनीकी साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। रामायण पर फिल्म बनाना हम सभी के जीवन के एक बार आने वाला अवसर है।‘ मधु मंटेना ने ये भी कहा, ‘शुरुआत में हमारे दिमाग में कोई बजट नही था और अब भी कोई आंकड़ा नहीं है। अब हम ये सोच रहे हैं कि इस कहानी कैसे कहें। लेकिन जब प्रॉजेक्ट शुरू किया था, मैंने सोचा था कि हम 300 करोड़ रुपये में फिल्म बना सकते हैं लेकिन आज मुझे नहीं लगता है कि इस कहानी को बताने के लिए इतना काफी होगा। लेकिन अल्लू अरविंद, नमित मल्होत्रा और मैं इस फिल्म के साथ जुड़ रहे है। हमें लगता है कि हम यह फिल्म बना पाएंगे।

इतने बड़े क्रूज में क्या आर्यन ही घूम रहा था

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की ड्रग्स केस में गिरफ्तारी के बाद बॉलीवुड के कई लोग इस पर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। सुनील शेट्टी, पूजा भट्ट, सुचित्रा कृष्णमूर्ति आदि ने कहा है कि वे शाहरुख खान के साथ खड़े हैं। अब सपोर्ट में गायक मीका सिंह भी आए हैं। मीका ने ट्वीटर पर क्रूज का फोटो शेयर किया और तारीफ करते हुए लिखा है कि कॉर्डे लिया क्रूज कितना खूबसूरत है, काश वह भी वहां होते। उन्होंने मजेदार सवाल भी पूछा है कि इतने बड़े क्रूज में सिर्फ आर्यन ही घूम रहा था क्या? मैंने सुना है कि कई लोग वहां थे लेकिन मुझे आर्यन के सिवाय कोई दिखा नहीं। 2 अक्टोबर को कॉर्डे लिया क्रूज पर चल रही पार्टी में एनसीबी ने प्रतिबंधित ड्रग्स जब्त कर कुछ लोगों को पकड़ा था जिसमें शाहरुख खान का बेटा आर्यन खान भी शामिल है। उनके साथ अरबाज मर्चेण्ट और मुनमुन धामेचा भी शामिल हैं। फिलहाल आर्यन से पूछताछ चल रही है और कुछ खुलासे होने की उम्मीद है। एनसीबी ने शिप वालों से 2 अक्टूबर का शिप का मेनिफेस्टो मांगा है। इसके जरिये उन्हें पता चल जाएगा कि कौन शिप पर चढ़ा, उसके डिटेल्स क्या है। सीसीटीवी फुटेज भी मांगे गए हैं जिसके जरिये सारी स्थिति और स्पष्ट हो जाएगी। क्रूज के सीईओ से भी पूछताछ होगी और इसके लिए उसे समन भेजा गया है। गौरतलब है कि 2 अक्टोबर के दिन एनसीबी के मुखबिर पोर्ट के बाहर खड़े थे और लगातार डिटेल्स भेज रहे थे। उन्होंने आर्यन खान की फोटो जैसे ही भेजी एनसीबी ने उन्हें पकड़ लिया। एनसीबी को कई अहम सबूत मिले हैं। आर्यन खान, अरबाज मर्चेण्ट और मुनमुन धामेचा के जरिये ड्रग्स पेडलरों का पता लगाया जा रहा है। आरोपियों को ड्रग्स कैसे मिली? क्रूज में ड्रग्स कैसे पहुंची? इन बिंदुओं पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

बालाजी टेलीफिल्म्स के एक फोन कॉल ने जिंदगी बदल दी

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री लीना जुमानी ने अपने एक फैसले पर खुलकर बात की, जो उनके लिए जीवन बदलने वाला साबित हुआ। कम उम्र में स्टॉक मार्केट में काम करना शुरू करने वाली लीना बालाजी टेलीफिल्म्स के एक फोन कॉल को याद करती हैं जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। उसी के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने कहा, ’’मैं केवल 16 वर्ष की थी जब मुझे गुजराती फिल्म उद्योग में एक अवसर की पेशकश की गई थी। हालांकि, वहां मेरी संक्षिप्त यात्रा के बाद, मैंने स्टॉक मार्केट में काम करना शुरू कर दिया। मैं अपने परिवार का ज्यादा से ज्यादा समर्थन करना चाहती थी। जैसा मैं कर सकती थी और मुझे एमसीएक्स में वास्तव में एक अच्छी भूमिका मिली, इसलिए मैंने इसे लिया। लेकिन मेरा जुनून अभिनय में बना रहा।’’ ’’कुछ वर्षों के बाद, मैंने एक शो के लिए बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ अपनी तस्वीरें बेतरतीब ढंग से साझा कीं और मुझे नहीं लगता था कि मैं इसे प्राप्त कर पाऊंगी। लेकिन भगवान की कृपा से, मुझे चुना गया और मुझे ऑडिशन के लिए बुलाया गया। यह निर्णय मेरे लिए जीवन–परिवर्तक साबित हुआ और मुझे कहना होगा कि मुझे एक अभिनेता के रूप में काम करना पसंद है।’’ वर्कफ्रंट पर, लीना वर्तमान में जी टीवी के डेली सोप ‘कुमकुम भाग्य‘ में दिखाई दे रही है जहां वह तनु की भूमिका निभा रही है।

साइना मेरे करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक फिल्म है

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा का कहना है कि वह साइना नेहवाल की तरह अभिनय नहीं करना चाहती, बल्कि वह स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी के जीवन पर आधारित फिल्म ‘साइना‘ में उनके जैसा बनना चाहती है। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, परिणीति ने कहा, ’’‘साइना‘ मेरे करियर की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्णऔर रोमांचक फिल्म है। साइना की सादगी और दृढ़ संकल्प ने मुझे अपने लक्ष्यों के प्रति अधिक सावधानीपूर्वक और कठोर होने के लिए प्रोत्साहित किया।’’ उन्होंने आगे कहा, ’’‘मैं मार दूंगी‘ मेरा आदर्श वाक्य बन गया है, सचमुच नहीं, बल्कि मैं जो कुछ भी करती हूं, उसमें पूरी तरह से शामिल हूं।’’परिणीति को लगता है कि उन्होंने साइना के साथ उनके सोचने के तरीके में काफी समानताएं साझा कीं। अभिनेत्री ने आगे कहा, ’’भूमिका की तैयारी के दौरान, मैं साइना की तरह अभिनय नहीं करना चाहती थी, मैं साइना बनना चाहती थी। मुझे खुशी है कि इसका स्क्रीन पर अनुवाद किया गया। साइना के एंड पिक्च र्स प्रीमियर के लिए मुझसे जुड़ें और एक शानदार सप्ताहांत है।’’ ‘साइना‘ का प्रीमियर 9 अक्टूबर को एंड पिक्च र्स पर होगा।

डुप्लेसिस की धमाकेदार पारी, चेन्नई के तीन विकेट पर 192 रन

दुबई ,एजेंसी ।

फाफ डु प्लेसिस की आकर्षक अर्धशतकीय पारी तथा शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से चेन्नई सुपर किंग्स ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल में शुक्रवार को यहां तीन विकेट पर 192 रन का मजबूत स्कोर बनाया। डुप्लेसिस ने अपना सर्वश्रेष्ठ फाइनल के लिए बचाकर रखा था। उन्होंने पारी की अंतिम गेंद पर आउट होने से पहले 59 गेंदों पर 86 रन बनाए जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के इस अनुभवी बल्लेबाज ने इस बीच रुतुराज गायकवाड़ (27 गेंदों पर 32 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 61 और

❍ गायकवाड़ और डुप्लेसिस ने पावरप्ले के छह ओवरों में चेन्नई का स्कोर 50 रन तक पहुंचाया लेकिन इसके बाद नारायण और वरुण चक्रवर्ती ने रन प्रवाह पर कुछ अंकुश लगाया। नारायण ने अपने दूसरे ओवर में गायकवाड़ को लांग ऑफ पर कैच करा दिया।

रोबिन उथप्पा (15 गेंदों पर 31 रन, तीन छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 63 रन और मोईन अली (20 गेंदों पर नाबाद 37, दो चौके, तीन छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 की उपयोगी साझेदारियां की। चेन्नई के बल्लेबाजों ने लॉकी फर्गुसन को निशाने पर रखा जिन्होंने चार ओवरों में 56 रन लुटाए। सुनील नारायण (26 रन देकर दो) केकेआर के सबसे सफल गेंदबाज रहे। शिवम मावी ने 32 रन देकर एक विकेट लिया। पहले दो ओवरों में संभलकर खेलने के बाद गायकवाड़ ने शाकिब अल हसन पर चौका और फिर डीप मिडविकेट पर छक्का लगाया। उन्होंने जल्द ही केएल राहुल के 626 रन के रिकार्ड को पीछे छोड़कर इस आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम किया। गायकवाड़ और डुप्लेसिस ने पावरप्ले के छह ओवरों में चेन्नई का स्कोर 50 रन तक पहुंचाया लेकिन इसके बाद नारायण और वरुण चक्रवर्ती ने रन प्रवाह पर कुछ अंकुश लगाया। नारायण ने अपने दूसरे ओवर में गायकवाड़ को लांग ऑफ पर कैच करा दिया। इसके बाद डुप्लेसिस और उथप्पा ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली। इन दोनों ने शाकिब पर छक्के जड़े। फर्गुसन दूसरे स्पैल के लिए आए तो डुप्लेसिस ने उन पर दो चौके लगाने के बाद लांग ऑफ पर छक्का जड़कर 35 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। चेन्नई 11वें ओवर में तिहाई अंक में पहुंच गया। उथप्पा ने चक्रवर्ती पर छक्का लगाकर उनका गेंदबाजी विश्लेषण बिगाड़ा और फिर नारायण की गेंद भी छह रन के लिए भेजी लेकिन इस गेंदबाज ने तुरंत ही उन्हें पगबाधा आउट कर दिया। नए बल्लेबाज मोईन अली ने मावी पर दो छक्के लगाकर इस युवा तेज गेंदबाज की कड़ी परीक्षा ली जबकि डुप्लेसिस ने फर्गुसन पर आकर्षक छक्का लगाया। डुप्लेसिस (633 रन) के पास अपने साथी गायकवाड़ (635) को पीछे छोड़कर ओरेंज कैप हासिल करने का मौका था लेकिन मावी ने आखिरी ओवर में केवल सात रन दिए।

एक नजर

नॉरी, दिमित्रोव इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स। ब्रिटेन के कैमरन नॉरी ने 11वीं वरीयता प्राप्त डिएगो श्वार्त्जमैन को 6 . 0, 6 . 2 से हराकर बीएनपी परीबस ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं महिला वर्ग में 12वीं वरीयता प्राप्त ओंस जाबेउर भी सेमीफाइनल में पहुंच गई जिन्होंने एनेट कोंटावेट को 7 . 5, 6 . 3 से हराया। इस जीत के बाद ट्यूनीशिया की यह खिलाड़ी पहली बार विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच जाएगी। दसवीं रैंकिंग वाली एंजेलिक कर्बर को 21वीं रैंकिंग प्राप्त पाउला बाडोसा ने 6 . 4, 7 . 5 से हराया। बाडोसा ने इससे पहले कोको गॉ और बारबरा क्रेइसिकोवा को मात दी थी। वह सेमीफाइनल में जाबेउर से खेलेंगी। दूसरे सेमीफाइनल में विक्टोरिया अजारेंका का सामना एलेना ओस्टापेंको से होगा। पुरूष वर्ग में 23वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव ने आठवीं रैंकिंग वाले हुबर्ट हुरकाज को 3 . 6, 6 . 4, 7 . 6 से मात दी।

पुकोवस्की के कनकशन के ताजा मामले से दुखी पेन

होबार्ट। विल पुकोवस्की के कनकशन (सिर में चोट) का शिकार होने के ताजा मामले से आस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन काफी दुखी हैं और उनका मानना है कि इससे दिसंबर में होने वाली एशेज श्रृंखला के लिए टीम की तैयारियों पर असर पड़ेगा। पुकोवस्की को मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान सिर में चोट लगी जो उनके कैरियर में इस तरह की चोट लगने का दसवां मामला है। पेन ने सेन रेडियो से कहा , यह अच्छी स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा , मुझे जब पता लगा तो मैं स्तब्ध रह गया। मैने पिछले कुछ दिन में उससे थोड़ी बात की है। वह धीरे धीरे ठीकहो रहा है। यह पहले की चोट जितना गंभीर नहीं है। लेकिन इस तरह की चोटों को लेकर उसके इतिहास को देखते हुए हमें और सावधानी बरतनी होगी।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान को मदद करेंगी यूएई की अनुकूल परिस्थितियां : सना मीर

दुबई ,एजेंसी ।

पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर ने यूएई की परिस्थितियों में पाकिस्तान को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक करार दिया और कहा कि पुरुषों के टी20 विश्व कप में उनके देश की टीम को इसका फायदा मिलेगा। टी20 विश्व कप रविवार को शुरू होगा जबकि पाकिस्तान अपना पहला मैच 24 अक्टूबर को भारत के खिलाफ खेलेगा। श्रीलंकाई टीम पर 2009 में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान अपने अधिकतर अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी दुबई, अबुधाबी और शारजाह में कर रहा है क्योंकि विदेशी टीमें सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा नहीं करना चाहती हैं। सना मीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के लिए कॉलम में लिखा, टी20 क्रिकेट में कोई भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है और किसी एक टीम का विजेता के रूप में चयन करना असंभव है विशेषकर तब जबकि टीमों में लगातार बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान को नजरअंदाज करना मुश्किल है। वे यूएई की परिस्थितियों से अच्छी तरह से वाकिफ हैं और यहां की परिस्थितियों में वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है। सना मीर ने कहा, इसलिए मेरा दिल ही नहीं दिमाग भी कहता है कि यह टूर्नामेंट उनके लिए अच्छा रहेगा। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि भारत और न्यूजीलैंड की दावेदारी को भी कम करके नहीं आंका जा सकता है। सना मीर ने कहा, मुझे इंग्लैंड और वेस्टइंडीज का खेल पसंद है जबकि भारत और न्यूजीलैंड हमेशा की तरह खतरनाक टीमें है और यही टी20 क्रिकेट की खूबसूरती है कि यह बेहद खुला प्रारूप है।

▶▶ फीफा रैंकिंग में भारत से 61 पायदान नीचे काबिज नेपाल को हलके में लेने की गलती भारत नही करेगा।

भारत की नजरें नेपाल को हराकर आठवां सैफ चैम्पियनशिप खिताब जीतने पर

माले ,एजेंसी ।

शुरूआती उतार चढाव के बाद लय में लौटी सात बार की चैम्पियन भारतीय फुटबॉल टीम सैफ चैम्पियनशिप के फाइनल में शनिवार को नेपाल का सामना करेगी तो उसका पलड़ा भारी रहेगा चूंकि नेपाल पहली बार फाइनल खेल रहा है। अब तक 13 सत्रों में भारत 12वीं बार फाइनल में पहुंचा है जिससे इस क्षेत्रीय टूर्नामेंट में उसके वर्चस्व का भान होता है। अब तक उसका सबसे खराब प्रदर्शन 2003 में तीसरे स्थान पर रहना था। नेपाल के खिलाफ जीत मुख्य कोच इगोर स्टिमक की भी पहली ट्रॉफी होगी जो 2019 में टीम से जुड़े थे। भारत जीतता है तो वह सैफ चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाले छठे कोच और जिरि पेसेक (1993) और स्टीफन कोंस्टेंटाइन (2015) के बाद तीसरे विदेशी बन जाएंगे। स्टिमक हालांकि इस मैच में भारतीय टीम के डगआउट में नहीं होंगे जिन्हें मालदीव के खिलाफ मैच में रैफरी के फैसले का विरोध करने के कारण लालकार्ड दिखाया गया था। उनके सहायक षणमुघम वेंकटेश टीम के साथ रहेंगे जो खुद सैफ चैम्पियनशिप विजेता टीम के सदस्य रहे हैं। भारत ने पहले दो मैचों में बांग्लादेश और श्रीलंका से ड्रॉ खेला जिससे उस पर फाइनल की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन नेपाल को हराकर टीम लय में लौटी। उसके बाद मेजबान मालदीव को 3 .। से हराया जिसमें कप्तान सुनील छेत्री के दो गोल थे। फीफा रैंकिंग में भारत से 61 पायदान नीचे काबिज नेपाल को हलके में लेने की गलती भारत नहीं करेगा। राउंड रॉबिन दौर में छेत्री के 82वें मिनट में किए गए गोल की मदद से ही भारत उसे हरा सका था। नेपाल ने मालदीव को हराया जबकि बांग्लादेश से ड्रॉ खेला। आंकड़ों के आधार पर भारत को मनोवैज्ञानिक बढत हासिल होगी। इस साल दोनों टीमों के बीच खेले गए तीन मैचों में से भारत ने दो जीते और एक ड्रॉ रहा। भारत ने पिछले महीने नेपाल में दो दोस्ताना अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जिनमें एक ड्रॉ रहा और एक जीता। छेत्री ने खिलाड़ियों को आत्ममुग्धता से बचने की ताकीद करते हुए कहा , नेपाल की टीम में भले ही कोई सितारा खिलाड़ी नहीं हो जैसे मालदीव के पास अली अशफाक था, लेकिन एक ईकाई के रूप में वह शानदार प्रदर्शन करने में माहिर है। हमने सितंबर के बाद से तीन बार उनके खिलाफ खेला और उन्हें हराना आसान नहीं रहा है। हमारा काम अभी खत्म नहीं हुआ है।

रिजर्व के तौर पर मिला अनुभव मैदान में काम आया : सिमरनजीत

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

भारतीय हॉकी टीम के स्टार मिडफील्डर सिमरनजीत सिंह का मानना है कि कई बार रिजर्व बेंच पर बैठना वरदान भी साबित होता है और रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर उनका अनुभव तोक्यो ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन में काम आया। हॉकी इंडिया के पॉडकास्ट हॉकी ते चर्चा में विशेष मेहमान के तौर पर आए सिमरनजीत ने अपने कैरियर ओर तोक्यो ओलंपिक पर बात की। भारतीय टीम ने तोक्यो में 41 साल बाद ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। सिमरनजीत ने सीनियर टीम में पदार्पण के बाद मार्गदर्शन के लिए सीनियर खिलाड़ियों को श्रेय दिया। उन्होंने बताया , सरदार सिंह उसी पोजिशन पर खेलते थे जहां मैं खेलता हूं। मैं हमेशा से उनका खेल देखता था और उनकी सलाह को ध्यान से सुनता था। उन्होंने कहा , वह हमेशा कहते हैं कि हर मौके का पूरा उपयोग करो। हर शिविर में वह कहते थे कि अपना सौ फीसदी दो और टीम में रहने की भूख हर दिन चयनकर्ताओं को महसूस कराओ। तोक्यो ओलंपिक में उनका सफर परीकथा से कम नहीं रहा। रिजर्व बेंच से टीम में शामिल होने के बाद उन्होंने जर्मनी के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में दो गोल किए। वह जून में चुनी गई मूल टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने कहा , हर खिलाड़ी की तरह मुझे लगता था कि 16 सदस्ईय टीम में जगह मिलनी चाहिए थी। मुझे पता था कि कोच को मुझ पर भरोसा है। जब मुझे पता चला कि रिजर्व खिलाड़ी भी तोक्यो जाएंगे तो पहले मुझे यकीन नहीं हुआ। मुझे फिर पता चला कि रिजर्व होने पर भी मुझे कम से कम एक मौका खेलने का मिलेगा। मैं उसका पूरा उपयोग करना चाहता था। उन्होंने कहा , मैने बेंच से न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया की टीमों का खेल देखा और यह मंथन करता रहा कि इन हालात में बेहतर प्रदर्शन कैसे कर सकता हूं। इससे मुझे वास्तव में खेलने पर काफी मदद मिली।

धोनी टी20 में 300 मैचों में कप्तानी करने वाले पहले खिलाड़ी बने

दुबई ,एजेंसी ।

महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल में शुक्रवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ टॉस के लिए उतरते ही एक विशिष्ट रिकार्ड अपने नाम पर जोड़ा। वह क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप टी20 में 300 मैचों में कप्तानी करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। धोनी ने 2006 में टी20 में पदार्पण किया और 2007 से वह भारत तथा आईपीएल में कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे हैं। उन्होंने आईपीएल फाइनल से पहले जिन 299 मैचों में कप्तानी की उनमें उन्होंने 176 में जीत दर्ज की जबकि 118 मैच में उन्हें हार मिली। दो मैच टाई समाप्त हुए और तीन मैचों का परिणाम नहीं निकला। भारत ने धोनी की अगुवाई में ही 2007 में पहले टी20 विश्व कप का खिताब जीता। उनकी कप्तानी में भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में कुल 72 मैच खेले जिनमें से उसे 41 में जीत और 28 में हार मिली। एक मैच टाई छूटा जबकि दो मैचों का परिणाम नहीं निकला। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न अभ्यास मैचों में भारतीय टीम की अगुवाई की। धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की 190 मैचों और राइजिंग पुणे सुपरजाइंट की 14 मैचों में कप्तानी की है। चेन्नई ने उनके नेतृत्व में फाइनल से पहले तक 115 मैच जीते और 73 में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। उन्होंने अपने करियर में केवल 47 मैच कप्तान के रूप में नहीं खेले। धोनी के बाद सर्वाधिक टी20 मैचों में कप्तानी करने वाले खिलाड़ियों में डेरेन सैमी (208), विराट कोहली (185), गौतम गंभीर (170) और रोहित शर्मा (153) शामिल हैं।

गेल से कम उपलब्धियां नही है एम्बरोज की, अपनी राय रखने का उसे हक है : रिचडर्स

एजेंसी ■ एंटीगा

महान बल्लेबाज सर विवियन रिचडर्स का कहना है कि कर्टली एम्बरोज की उपलब्धियां कम नहीं है और उसे अपनी राय रखने का हक है और क्रिस गेल को उनकी राय का सम्मान करना सीखना चाहिए , भले ही वह उसके पक्ष में नहीं हो। गेल के आलोचक एम्बरोज ने वेस्टइंडीज में एक रेडियो चैनल से कहा कि गेल को टी20 विश्व कप में टीम की अंतिम एकादश में जगह पक्की मानकर नहीं चलना चाहिए क्योंकि पिछले 18 महीने में फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। इस पर गेल ने उन पर बरसते हुए कहा कि अस्सी और नब्बे के दशक का यह पूर्व तेज गेंदबाज नकारात्मक व्यक्ति है और वह उनका सम्मान नहीं करते। एम्बरोज के पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान रहे रिचडर्स ने कहा , यह कर्टली की ईमानदार टिप्पणी है और उसे अपनी राय रखने का हक है। उसकी उपलब्धियां भी क्रिस गेल से कम नहीं रही हैं। उन्होंने कहा , जब ऐसा कोई व्यक्ति राय देता है जो खेल का लीजैंड रहा हो तो आपको उसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा , मैं क्रिस की जगह होता तो मैं सकारात्मक नजरिए से इसे लेता क्योंकि सिर्फ कर्टली की नहीं बल्कि कई लोग होंगे जो गेल के आलोचक होंगे। मेरा भी यही मानना है कि अंतिम एकादश में उसकी जगह पक्की नहीं है। पिछले 18 महीने में अंतरराष्ट्रीय ही नहीं ,लीग क्रिकेट में भी वह कुछ खास नहीं कर पाया है।

विश्व कप क्वालीफायर : ब्राजील ने उरूग्वे को, अर्जेंटीना ने पेरू को हराया

साओ पाउलो ,एजेंसी ।

अन्य मैचों में इक्वाडोर ने कोलंबिया से गोलरहित ड्रॉ खेला और अब वह 17 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

ब्राजील ने दक्षिण अमेरिकी विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर मैच में उरूग्वे को 4 .। से हरा दिया जबकि दूसरे स्थान पर काबिज अर्जेंटीना ने पेरू को मात दी। शीर्ष पर काबिज ब्रााजील के लिए नेमार और रापिन्हा ने गोल दागे। अर्जेंटीना के लिए लियोनेल मेस्सी फॉर्म में नहीं थे लेकिन उनकी टीम ने। . 0 से मुकाबला जीत लिया। ब्राजील के अब 31 अंक है। नवंबर में यहां कोलंबिया के खिलाफ मुकाबला जीतकर ब्राजील कतर में अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लेगा। वहीं अर्जेंटीना के 11 मैचों में 25 अंक हैं। दोनों टीमों के बीच सितंबर में मैच कोरोना प्रोटोकॉल के उल्लंघन के कारण सात मिनट बाद रोक दिया गया था। फीफा ने अभी उस मैच के भविष्य के बारे में फैसला नहीं किया है। अन्य मैचों में इक्काडोर ने कोलंबिया से गोलरहित ड्रॉ खेला और अब वह 17 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। कोलंबिया 16 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। शीर्ष चार टीमें विश्व कप में सीधे जगह बना लेंगी। पांचवें स्थान की टीम अंतर महाद्वीपीय प्लेआफ के जरिए पहुंच सकती है।

टी20 आपको छह या 6 . 5 रन प्रति ओवर का लक्ष्य रखना चाहिए।

टी20 क्रिकेट में रक्षण ही आक्रमण है : मुरलीधरन ने स्पिनरों से कहा

दुबई ,एजेंसी ।

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में रक्षण ही स्पिनरों के लिए सर्वश्रेष्ठ आक्रमण है और जितनी धीमी गेंद होगी, बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने में उतनी ही दिक्कत आएगी।

टेस्ट (800) और वनडे (534) में सर्वाधिक विकेटों का रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले मुरलीधरन का मानना है कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाज टेस्ट या 50 ओवरों के क्रिकेट की तरह हमेशा विकेट नहीं ले सकतें उन्होंने आईसीसी के लिए अपने कॉलम में लिखा , टी20 में रक्षण ही आक्रमण है। आपको छह या 6 . 5 रन प्रति ओवर का लक्ष्य रखना चाहिए। अगर वह हो गया तो विकेट भी मिल जाएंगे। उन्होंने कहा , टी20 क्रिकेट में बतौर खिलाड़ी या कोच या मेंटर मेरा अनुभव यही है कि आपको रक्षात्मक मानसिकता के साथ उतरना चाहिए। वहीं टेस्ट या वनडे में लक्ष्य विकेट लेने का होता है। उन्होंने कहा , शुरू में लोगों को लगता था कि टी20 क्रिकेट में स्पिनरों की धुनाई होगी लेकिन अब स्पष्ट है कि गेंद जितनी धीमी होगी, उसे मारना उतना ही कठिन होगा। स्पिनर सबसे महत्वपूर्ण गेंदबाज हो गए हैं और तेज गेंदबाज भी धीमी गेंदें डाल रहे है क्योंकि हर कोई गेंद को बल्ले पर सीधे देने से बचना चाहता है। श्रीलंका के बारे में उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले कुछ साल में देश में क्रिकेट का स्तर गिरा है। टी20 विश्व कप 2014 की विजेता श्रीलंकाई टीम को इस बार प्रारंभिक दौर के मुकाबले खेलने पड़ रहे हैं।

मुरलीधरन ने कहा , श्रीलंकाई टीम को पहले दौर में क्वालीफायर खेलने होंगे।पिछले पांच छह साल में टीम का स्तर इतना गिरा है कि पहली बार क्वालीफायर खेलने पड़ रहे हैं। लेकिन यह टीम अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

कठिन काम है लेकिन अपनी ओर से पूरी कोशिश करूंगा , नबी ने टी20 विश्व कप में कप्तानी पर कहा

दुबई। कुछ रोज पहले ही अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्ताान बनाए गए मोहम्मद नबी ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप में टीम की कप्तानी कठिन है लेकिन वह अपनी टीम को आगे तक ले जाने की पूरी कोशिश करेंगे। नबी को दस अक्टूबर को अफगानिस्तान टीम का कप्तान बनाया गया चूंकि स्टार हरफनमौला राशिद खान ने यह कहकर कप्तान बनने से इनकार कर दिया कि टीम चुनने से पहले उनकी राय नहीं ली गई थी। 36 वर्ष के नबी 2013 से 2015 के बीच भी टीम के कप्तान रह चुके हैं। उन्होंने रविवार से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप से पहले मीडिया से कांफ्रेंस कॉल में कहा , कप्तानी काफी कठिन जिम्मेदारी है। मैं अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा कि टीम टूर्नामेंट में अच्छा खेले। कप्तान के तौर पर खेलने को लेकर काफी रोमांचित हूं। अफगानिस्तान टीम को पहला मैच 25 अक्टूबर को पहले दौर की क्वालीफायर टीम से खेलना है। उसे ग्रुप दो में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और एक क्वालीफायर के साथ रखा गया है। तालिबान के अफगानिस्तान में सत्तारूढ होने के बावजूद टीम ने विश्व कप में जगह बनाई है। अमेरिकी सेनाओं के पीछे हटने के बाद अफगानिस्तान में काफी रक्तपात और हिंसा हुई।